@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 11 अक्टूबर 2026

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 338 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

दिल्ली में प्रदर्शन: चार पूर्व सीएम, सीजेपी के नेता, कई विपक्षी सांसद हिरासत में लिए गए

•दिल्ली में 38 हजार सुरक्षाकर्मी तैनात •7000 लोग हिरासत में •जंतर-मंतर नहीं पहुंच सके

हिरासत में लिए गए 20+ बड़े चेहरे

पूर्व मुख्यमंत्री
ममता बनर्जी (पश्चिम बंगाल)
पिनाराई विजयन (केरलम)
अरविंद केजरीवाल (दिल्ली)
माणिक सरकार (त्रिपुरा)

कॉकरोच जनता पार्टी
अभिजीत दिपके
आशुतोष रांका
सौरव दास
रत्ना सिंह

सांसद
डेरेक ओ' ब्रायन
जॉन ब्रिटास
संजय सिंह
डोला सेन
समीरुल इस्लाम
प्रतिमा मंडल
साकेत गोखले

बड़े चेहरे
तुषार गांधी
ध्रुव राठी
नेहा बोरा
योगेंद्र यादव
प्रशांत भूषण
मनीष सिसोदिया
गोपाल राय
वृंदा करात
केके शैलजा
एमए बेबी

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की सख्ती की वजह से शाम 7 बजे तक कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर तक नहीं पहुंच पाए। पुलिस ने सीजेपी की लीडरशिप अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका को सुबह ही एयरपोर्ट पर हिरासत में ले लिया। इसके बाद पुलिस ने जंतर-मंतर की तरफ बढ़ रहे बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को भी हिरासत में लिया। पार्टी ने सुबह

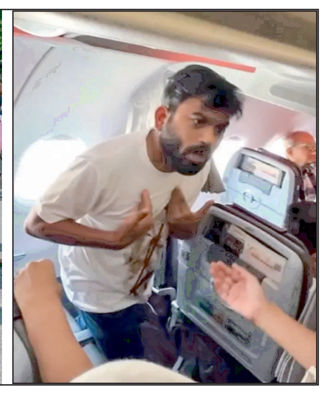

10 बजे जंतर-मंतर पर प्रदर्शन बुलाया था। समर्थकों ने यहां पहुंचने की कोशिश भी की, लेकिन कई जगह 3 से 5 लेयर की बैरिकेडिंग की वजह से आगे नहीं बढ़ने दिया। अब तक 7000 लोगों को कस्टडी में लिया गया। वहीं, माकपा की केरलम इकाई ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि पार्टी के महासचिव एमए बेबी, पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, एमवी गोविंदन मास्टर, ए विजयराघवन, केके शैलजा, सांसद जॉन ब्रिटास, केएन बालगोपाल, वृंदा करात और पीके श्रीमती समेत पार्टी के नेताओं को जंतर-मंतर पहुंचने पर हिरासत में लिया गया।

दीपके बोले- अब अजिंक्य शिंदे प्रदर्शन की कमान संभालेंगे

पुलिस हिरासत में लिए जाने के बाद सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दीपके का पुराना वीडियो जारी किया गया, जिसमें उन्होंने कहा कि अब प्रदर्शन की कमान अजिंक्य शिंदे संभालेंगे।

दिपके, चार पूर्व सीएम समेत कई बड़े नेता हिरासत में

पुलिसकर्मी बोला- प्रदर्शनकारियों ने मेरा हाथ मोड़ा

प्रदर्शन के दौरान घायल हुए एक पुलिसकर्मी ने बताया, 'हनुमान मंदिर के पास सड़क पर प्रदर्शन हो रहा था और हमने प्रदर्शनकारियों को वहीं हिरासत में लिया। जब हम उन्हें हिरासत में ले रहे थे, तब उन्होंने मेरा हाथ मरोड़ दिया।'

दिल्ली प्रदर्शन: आम लोगों के लिए राहत भरी खबर, खुल गए राजधानी के कई रास्ते

•ट्रैफिक हुआ सामान्य

एजेंसी
नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के आज के प्रदर्शन के मद्देनजर सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा बंद किए गए और डायवर्ट किए गए कई प्रमुख मार्गों को यातायात पुलिस ने अब आम जनता के लिए फिर से खोल दिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और इन मार्गों पर अब यातायात की आवाजाही सुचारू रूप से चल रही है।

आम लोगों को राहत देते के लिए ट्रैफिक पुलिस ने इन प्रमुख मार्गों और चौराहों को खोला है।

-धोला कुआं लूप से सरदार पटेल मार्ग
-रोहिणी का महादेव चौक
-मुकरबा चौक
-एनएच-44 और उससे जुड़ा यूईआर खंड
-महिंद्रा पार्क
-हकीकत नगर नाला
-आजादपुर
-औरबिंदो मार्ग, आईएनए से एम्स

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा शुरू करने से पहले ट्रैफिक अपडेट की जांच कर लें। जिन रास्तों पर प्रतिबंध हटाए गए हैं, वहां वाहनों की कतारें कम होने लगी हैं और यातायात सामान्य गति से आगे बढ़ रहा है। प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है ताकि शहर में किसी भी प्रकार की आवाजाही बाधित न हो।

कौन-कौन से रास्ते हुए प्रभावित?

जानकारी के मुताबिक शंकर रोड-वंदे मातरम 'टी' प्वाइंट, धौला कुआं फ्लाईओवर, झंडेवालान, पंचकुइयां, मंडी हाउस, डॉ. दिनेश नंदिनी डालमिया चौक, राम चरण अग्रवाल चौक, मिंटो रोड-डीडीयू मार्ग, गुरु नानक चौक, चेम्सफोर्ड रोड, कनॉट प्लेस आउटर सर्किल, लोदी रोड फ्लाईओवर, नीला गुंबद, मदरसा टी-प्वाइंट, सम्राट होटल राउंड अबाउट, सरदार पटेल मार्ग-पंचशील मार्ग क्रॉसिंग समेत कई स्थानों पर आवाजाही प्रभावित रही।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता बोलीं: राहुल-केजरीवाल की बी-टीम है सीजेपी

'दिल्ली को बंधक बनाने की छूट नहीं मिलेगी'

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली में सीजेपी प्रदर्शन को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल पर बोला हमला है। सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए कहा कि दिल्लीवासियों की शांति और सुरक्षा को भंग करने का प्रयास किया जा रहा है। दिल्ली बंधक बनाने की छूट नहीं मिलेगी। लोकतंत्र की आड़ में अराजकता फैलाने और जनादेश को चुनौती देने की राजनीति का डटकर मुकाबला होगा।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'देशवासियों द्वारा रिजेक्टेड नेता राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल, अपनी बी-टीम सीजेपी के साथ मिलकर दिल्ली को अखाड़ा बनाना चाहते हैं। आखिर ये नेता, अपनी नॉनस्टॉप हार की खीझ, जनता पर उतारने पर क्यों तुले हैं? सड़कों पर अव्यवस्था से परेशान

होने वाले दिल्लीवासियों का क्या दोष है? काम पर जाने वाले कर्मचारियों, रोज कमाकर परिवार चलाने वाले श्रमिकों और अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों की परेशानी की जिम्मेदारी कौन लेगा? क्या आपकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं दिल्ली के लाखों परिवारों की रोजी-रोटी, सुरक्षा और शांति से भी बड़ी हैं?'

सीएम ने आगे लिखा, 'दिल्ली ने विकास के लिए वोट दिया। जनता के अभूतपूर्व आशीर्वाद के कारण पीएम नरेंद्र मोदी, भारत की निर्वाचन राजनीति के इतिहास में, लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने वाले नेता बने। लेकिन परिवारवाद और अवसरवाद से ग्रसित दल, इस जनसमर्थन को हजम ही नहीं कर पा रहे। अराजकता के साधक और खुद को दिल्ली का मालिक की उपाधि देने वाले अरविंद केजरीवाल, राजनीतिक स्वार्थ के लिए दिल्लीवासियों की शांति और सुरक्षा को भंग करने का प्रयास कर रहे हैं। ज्ञात रहे, दिल्ली बंधक बनाने की छूट नहीं मिलेगी।

देश संसद से चलेगा, सड़क से नहीं: रविशंकर प्रसाद

•'विपक्ष अपनी राजनीतिक हार के कारण सड़कों पर प्रदर्शन को हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है।'

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं सांसद रविशंकर प्रसाद ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए

कहा कि देश संसद, लोकतंत्र और जवाबदेही से चलेगा, सड़क पर अराजकता से नहीं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन-चार दिनों में दिल्ली में जिस तरह से विरोध-प्रदर्शन किए गए, उससे साफ है कि विपक्ष अपनी राजनीतिक हार के कारण सड़कों पर प्रदर्शन को हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन के अधिकार के खिलाफ नहीं है लेकिन प्रदर्शन को हथियार नहीं बनाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पहले राहुल गांधी प्रदर्शन में शामिल हुए, फिर आम आदमी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों के नेता सामने आए। इसके बाद ममता बनर्जी और वामपंथी दलों के नेताओं ने भी प्रदर्शन में भाग लिया। प्रसाद ने आरोप लगाया कि विपक्षी दल अपनी राजनीतिक विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए सड़क के प्रदर्शन को राजनीतिक हथियार बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता ने लोकतांत्रिक तरीके से अपना फैसला सुनाया है और विपक्ष को उसका सम्मान करना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री का विपक्ष पर कटाक्ष- व्यवस्था को बाधित करने की राजनीति देशहित में नहीं

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोक 'परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्, धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे' के माध्यम से धर्म, मर्यादा और व्यवस्था की रक्षा का संदेश देते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में धर्म का अर्थ केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि न्याय, कर्तव्य, लोककल्याण और व्यवस्था की रक्षा भी है। शेखावत ने शनिवार को एक बयान में कहा कि जब महर्षि विश्वामित्र के यज्ञ में राक्षस विघ्न डालने लगे, तब भगवान श्रीराम ने आगे बढ़कर धर्म की रक्षा की। यह प्रसंग स्पष्ट करता है कि जब कोई शक्ति व्यवस्था और लोककल्याण के मार्ग में बाधा बनती है, तब उसका दृढ़ता से सामना करना आवश्यक हो जाता है। धर्म की रक्षा का अर्थ अन्याय और अव्यवस्था के सामने समर्पण करना नहीं, बल्कि मर्यादा और कर्तव्य के साथ उनका प्रतिकार करना है। राहुल गांधी और कांग्रेस की राजनीति पर निशाना साधते हुए शेखावत ने कहा कि लोकतंत्र में जनता का जनादेश सर्वोपरि है।

भारत शांत है और सुशासन के साथ आगे बढ़ रहा है : संबित पात्रा

'पिछले कुछ दिनों से दिल्ली के एक कोने में कुछ अराजक तत्व माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन अब उनका प्रयास पूरी तरह विफल हो गया है।'

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से विपक्षी नेताओं की मुलाकात को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। भाजपा ने आरोप लगाया कि राहुल ने राष्ट्रपति को उस अराजकता में खींचने की कोशिश की, जिसे वह देश की सड़कों पर फैलाना चाहते हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद संबित पात्रा ने पार्टी मुख्यालय में शनिवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि जंतर-मंतर पर जो कुछ हो रहा है, वह भारत की कहानी नहीं है। टीवी और सोशल मीडिया के कुछ हैंडल पर दिखाई जा रही तस्वीरें देश की वास्तविक स्थिति को नहीं दर्शाती हैं। भारत शांत है और सुशासन के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कुछ दिनों से दिल्ली के एक कोने में कुछ अराजक तत्व माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन अब उनका प्रयास पूरी तरह विफल हो गया है। उन्होंने इसे अराजक तत्वों का फ्लॉप शो बताते हुए कहा कि यह पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है। राहुल की टिप्पणी पर तंज कसते हुए संबित पात्रा ने उन्हें 'नालायक नेता' भी कहा।

भाजपा सांसद ने कहा कि एक दिन पहले कुछ राजनेता राष्ट्रपति भवन गए थे। वहां से बाहर आने के बाद राहुल गांधी का बयान एक

गैर-जिम्मेदार नेता जैसा था। पात्रा ने आरोप लगाया कि इससे पहले कभी राष्ट्रपति को सड़क पर होने वाले विरोध-प्रदर्शन में घसीटने की कोशिश नहीं की गई, लेकिन राहुल ने ऐसा करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि राहुल ने राष्ट्रपति को उस अराजकता से जोड़ने की कोशिश की, जिसे वह देश की सड़कों पर फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। भाजपा ने इस पूरे घटनाक्रम को संवैधानिक पद को राजनीतिक विवाद में घसीटने की कोशिश करार दिया।

> पात्रा ने आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के जरिए भारत और राष्ट्रीय राजधानी को बंधक बनाने की कोशिश की गई। प्रदर्शन के दौरान आगजनी और हिंसा की स्थिति पैदा करने का प्रयास था, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। उनके मुताबिक, आज भीड़तंत्र पर लोकतंत्र की जीत हुई है।

'किसमें कितना है दम': योगी की चुनौती- अखिलेश अयोध्या से लड़ें, मैं भी लड़ता हूं; हो जाए आमने-सामने का मुकाबला

एजेंसी
बलरामपुर। यूपी के बलरामपुर में उतरौला के कालूबनकट में शनिवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने 803 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को आर्थिक सहायता के चेक भी प्रदान किए। कार्यक्रम में क्षेत्र के विकास से जुड़ी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया।

सीएम ने लाभार्थियों को सहायता राशि के चेक सौंपकर उन्हें योजनाओं का लाभ उपलब्ध

कराया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और स्थानीय लोगों की मौजूदगी रही।

योगी की अखिलेश को चुनौती

सीएम योगी ने सपा मुखिया अखिलेश यादव को अयोध्या से चुनाव लड़ने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव अयोध्या से चुनाव लड़ें, हम भी लड़ेंगे। आमने-सामने मुकाबला हो जाए और तय हो जाए कि किसमें कितना दम है। तंज कसते हुए कहा कि माफिया के सामने नाक रगड़ने वाले उनसे क्या लड़ेंगे। मुख्यमंत्री के इस बयान से समारोह में सियासी माहौल गरमा गया।

आमने-सामने की लड़ाई से साफ हो जाएगा कि किसमें कितना दम

सपा पर निशाना साधते हुए सीएम ने कहा कि विपक्षी नेता विकास के मुद्दे पर घिरने के बाद चुनौती देने की बातें कर रहे हैं। उन्होंने अखिलेश यादव को सीधे मुकाबले के लिए ललकारते हुए कहा कि आमने-सामने की लड़ाई से साफ हो जाएगा कि किसमें कितना दम है।सीएम ने अयोध्या में धार्मिक स्थलों के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि जिन लोगों ने पहले जय श्रीराम के उद्घोष पर रोक लगाई थी, वे आज अयोध्या के विकास पर सवाल उठा रहे हैं। अयोध्या, काशी और मां विंध्यवासिनी धाम में हो रहे विकास कार्यों का विरोध करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास के विजन का विरोध कर रहे हैं।

हिमाचल में 2027 की तैयारी में जुटी बीजेपी

•जेपी नड्डा बोले- एकजुट होकर करें काम

एजेंसी
शिमला। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने हिमाचल प्रदेश के भाजपा कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने का आह्वान किया। भाजपा नेताओं ने शनिवार को बताया कि जेपी नड्डा ने शुक्रवार शाम कुल्लू दौरे के दौरान मंडी जिले के प्रवेश द्वार सुंदरनगर में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ चाय पर चर्चा की। एक अनौपचारिक बैठक में दिया गया यह संदेश हिमाचल प्रदेश भाजपा की भविष्य की चुनावी रणनीति और संगठन की तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जेपी नड्डा ने कार्यकर्ताओं से कहा, 'मैं चाय पीने के बहाने आप सभी से मिल सका। मुझे केवल एक कप चाय पीने के लिए रुकने को कहा गया था, लेकिन मुझे अंदाजा नहीं था कि इतनी बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और निर्वाचित प्रतिनिधि यहां इतने लंबे समय से मेरा इंतजार कर रहे होंगे।'

2027 के लक्ष्य को ध्यान में रखकर काम करें- जेपी नड्डा

जेपी नड्डा ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अभी से 2027 के लक्ष्य को ध्यान में रखकर काम करने और पूरी क्षमता और सक्रियता के साथ जनता की सेवा में जुटने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री ने उनसे केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और नरेन्द्र मोदी सरकार की सेवा, सुशासन तथा गरीबों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को हर घर और हर मतदान केंद्र तक पहुंचाने का भी आह्वान किया। उन्होंने हिमाचल सरकार की जनविरोधी नीतियों और उसकी नाकामियों को जनता के सामने लाने की जरूरत पर जोर दिया, ताकि 2027 में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बना सके।

अगर आंदोलन शांतिपूर्ण था, तो सीजेपी नेताओं को हिरासत में लेने की जरूरत क्यों पड़ी

एनसीपी नेता सुप्रिया सुले ने सरकार की कार्रवाई को कायरतापूर्ण बताया

मुंबई, एजेंसी। एक कार्यक्रम में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की नेता सुप्रिया सुले ने दीपक और सीजेपी के नेताओं को हिरासत में लिए जाने की निंदा की है, उन्होंने कहा कि ये नेता दिल्ली में शांतिपूर्ण आंदोलन में शामिल होने जा रहे थे। सुले ने सरकार की कार्रवाई को कायरतापूर्ण बताया है। उन्होंने सवाल किया कि अगर आंदोलन शांतिपूर्ण था, तो नेताओं को हिरासत में लेने की जरूरत क्यों पड़ी।

सुप्रिया सुले ने कहा कि सरकार का तर्क है कि दिल्ली में बड़ी संख्या में लोगों के जुटने से कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ सकती थी, इसी आशंका के चलते धारा 163 लागू की गई और एहतियात के तौर पर हिरासत में लिया गया। सुले ने इस दलील पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार ने आंदोलनकारियों से बातचीत करने की कोशिश क्यों नहीं की। उन्होंने कहा कि अगर

कोई शांतिपूर्ण मार्च निकाल रहा है, तो उसे हिरासत में लेने की जरूरत क्या है। आखिर वे क्या कर लेते। सुले ने जंतर-मंतर पर हुए पिछले आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि वहां 24 घंटे युवा मौजूद रहते थे, लेकिन न हिंसा हुई और न ही किसी के साथ दुर्व्यवहार हुआ, उन्होंने कहा कि वहां महिलाएं और लड़कियां भी अपने घर की तरह सुरक्षित महसूस कर रही थीं, उनके मुताबिक, यह देखकर अच्छा लगा कि नई पीढ़ी अपने विचारों को लेकर स्पष्ट है और आंदोलन किसी खास वर्ग तक सीमित नहीं था, बल्कि एक उद्देश्य से जुड़ा हुआ था।

सरकार की ओर से यह दलील दी जा रही है कि जुलाई में संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा और संसद की कार्यवाही बाधित होने जैसी स्थिति दोबारा न बने, इसलिए एहतियाती कदम उठाए गए हैं, लेकिन सुप्रिया सुले ने इस तर्क को खारिज करते हुए कहा कि सरकार के पास आंदोलनकारियों से बातचीत करने का विकल्प था। उन्होंने सवाल किया कि सरकार की ओर से किसने आंदोलनकारियों से संपर्क करने की कोशिश की। क्या किसी ने विपक्ष या सीजेपी के नेतृत्व से बातचीत की। सुले के मुताबिक अगर सरकार ने आंदोलनकारियों से संवाद किया होता, तो मार्च शांतिपूर्ण तरीके से निकाला जा सकता था। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार को संवाद करना ही नहीं आता। सुले ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर सीजेपी के साथ खड़ी है।

स्टारलिंक विवाद के बीच अंबानी पर भड़के एलन मस्क बताया पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने भारत में अपनी सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक को मंजूरी न मिलने पर उद्योगपति मुकेश अंबानी पर सीधा निशाना साधा है। मस्क ने अंबानी को भारत का असली बॉस बताया और उन्हें कटाक्ष करते हुए डियर प्राइम मिनिस्टर अंबानी कहकर संबोधित किया। मस्क भारत में स्टारलिंक को मंजूरी न मिलने से पहले से ही बौखलाए हुए हैं। मस्क ने कहा, मुझे नहीं पता था कि आप ही भारत के असली बॉस हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अंबानी भारत के लोगों का एकतरफा शोषण करेंगे, लेकिन स्टारलिंक को देश में नहीं आने देंगे। मस्क के अनुसार, भारत के कई इलाकों में इंटरनेट नहीं है, जिससे बहुत सारे छात्र शिक्षा से वंचित रह जाते हैं और छोटे कारोबारी अपने उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में नहीं बेच पाते। उन्होंने दावा किया कि स्टारलिंक लाखों लोगों का जीवन बदल सकता है। एक दिन पहले, मस्क ने एक सोशल मीडिया पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए पूछा था कि क्या अंबानी ही भारत के असली बॉस हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या भारत सरकार अब नागरिकों के हितों को नजरअंदाज करके उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने वाली व्यवस्था की रक्षक बन गई है। मस्क ने बताया कि स्टारलिंक को 165 देशों में लाइसेंस मिल चुका है, लेकिन भारत में सभी शर्तों का पालन करने के बाद भी उसे मंजूरी नहीं मिली है।

महाराष्ट्र के ठाणे में शिवसेना नेता की हत्या के आरोपी यूपी के प्रयागराज से दबोचे गए

प्रयागराज (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे में शिवसेना (यूबीटी) नेता और पूर्व विभाग प्रमुख दीपिप पूर्णकर की गोली मारकर हत्या के मामले में वांछित दो आरोपियों को उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और महाराष्ट्र पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया। दोनों को नैनी के अरैल सेल्फी प्वाइंट के पास से पकड़ा गया। आरोपियों की पहचान वाराणसी के चोलापुर क्षेत्र निवासी संतोष कनौजिया और अमित सिंह के रूप में हुई है। वारदात के बाद दोनों महाराष्ट्र से भागकर प्रयागराज आ गए थे। एसटीएफ के मुताबिक, महाराष्ट्र के ठाणे जिले के कापुरबावड़ी थाने में दर्ज हत्या के मामले में संतोष कनौजिया और अमित सिंह वांछित थे। महाराष्ट्र पुलिस ने दोनों की गिरफ्तारी के लिए उत्तर प्रदेश एसटीएफ से सहयोग मांगा था। इसके बाद एसटीएफ की प्रयागराज इकाई ने आरोपियों की तलाश शुरू की। एसीपी शैलेश प्रताप सिंह के पर्यवेक्षण और प्रभारी जय प्रकाश राय के नेतृत्व में गठित टीम ने महाराष्ट्र पुलिस के साथ शुक्रवार रात करीब 7:30 बजे नैनी स्थित अरैल सेल्फी प्वाइंट के पास से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

इंदौर के थाने में भाजपा कार्यकर्ता से मारपीट का आरोप, थाना प्रभारी सहित सात पुलिसकर्मी निलंबित

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर शहर के एरोड्रम थाने में भाजपा कार्यकर्ता जयदीप दुबे और उनके जीजा पंकज चौबे के साथ मारपीट और घसीटने का मामला आया है। घटना से नाराज विधायक गोलू शुक्ला के 400 से अधिक समर्थकों ने देर रात थाने का घेराव कर प्रदर्शन किया। हंगामे के बाद थाना प्रभारी वेदेंद्र सिंह कुशवाह सहित सात पुलिसकर्मियों को निलंबित किया। जयदीप दुबे के मुताबिक, शुक्रवार शाम करीब साढ़े पांच बजे घर के पास स्कूटी सवार ने अचानक ब्रेक लगाने की बात पर विवाद हुआ था। आरोप है कि स्कूटी सवार ने उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की। बीच-बचाव करने आए उनकी पत्नी और बच्चों के साथ भी अभद्रता कर जान से मारने की धमकी दी गई। इसके बाद वह शिकायत दर्ज करने थाने पहुंचे। दुबे का आरोप है कि सीने में दर्द होने की जानकारी देने के बावजूद उनकी शिकायत पर तत्काल कार्रवाई नहीं की गई। रात करीब 11 बजे वह अपने जीजा पंकज चौबे के साथ फिर थाने पहुंचे। इस दौरान पुलिसकर्मियों से विवाद हुआ। दुबे ने थाना प्रभारी और अन्य पुलिसकर्मियों पर लात-घूंसों तथा डंडों से मारपीट करने का आरोप लगाया। उनकी पत्नी रानू दुबे ने भी पुलिसकर्मियों पर अभद्रता करने और धक्का देने का आरोप लगाया। घटना की जानकारी मिलने पर विधायक गोलू शुक्ला के समर्थक थाने पहुंच गए और कार्रवाई की मांग करने लगे। देर रात वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। इसके बाद थाना प्रभारी सहित सात पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया।

राजौरी में हादसा : खाई में गिरा वाहन, एक ही परिवार के 30 लोग सवार, दो की मौत, 21 घायल

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के कम से कम दो लोगों की मौके पर मौत हो गई और 21 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यात्रियों से भरा एक वाहन सड़क से फिसलकर गहरी खाई में जा गिरा। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वाहन में एक ही परिवार के लगभग 30 सदस्य सवार थे। यह दर्दनाक हादसा राजौरी जिले के कालाकोट उपमंडल के मोगला-तारयाठ क्षेत्र के केरी छब्बर इलाके में हुआ। जानकारी के मुताबिक, सुंदरबनी उपमंडल के मार्चोला इलाके से ये सभी अपने एक रिश्तेदार के निधन पर शोक व्यक्त करने के बाद मोगला-तारयाठ की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान केरी छब्बर इलाके में वाहन चालक कथित तौर पर वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा, जिसके चलते यह भीषण दुर्घटना हुई। हादसे के तुरंत बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और बचाव दल मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया गया। घायलों को खाई से बाहर निकालने और उन्हें चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के प्रयास जारी हैं। प्रारंभिक रिपोर्टों में दो लोगों की मौके पर मौत और 21 यात्रियों के गंभीर रूप से घायल होने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, हताहतों की अंतिम संख्या और घायलों की स्थिति के संबंध में आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। समाचार लिखे जाने तक बचाव अभियान जारी था और हादसे के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही थी।

नागौर में पुजारी से मारपीट के विरोध में हाईवे जाम, 60-70 ग्रामीणों पर मामला दर्ज

नागौर(एजेंसी)। राजस्थान के नागौर जिले में एक पुजारी से मारपीट की घटना के विरोध में ग्रामीणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 458 पर जाम लगा दिया। 8 अक्टूबर की रात तपोवन आश्रम घड़वा नाडा के पुजारी के साथ हुई इस घटना के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर करीब 60 से 70 ग्रामीणों ने दो घंटे तक हाईवे बाधित रखा, जिसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। बेरासर, उबासी और पिंडिया गांवों के ग्रामीणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 458 को जाम कर दिया, जिससे नागौर से गुजरने वाले वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा और यातायात लगभग दो घंटे तक ठप रहा।

वांगचुक का केंद्र सरकार को अल्टीमेटम, 24 घंटे में नहीं किया रिहा...

नई दिल्ली , एजेंसी। लद्दाख के पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने दिल्ली में हो रहे सीजेपी प्रोटेस्ट के दौरान नेताओं की गिरफ्तारी पर सवाल उठा दिए है। उन्होंने भारत को अघोषित आपातकाल की स्थिति में बताकर गिरफ्तार नेताओं को जल्द रिहा करने की मांग की है। पर्यावरण कार्यकर्ता वांगचुक ने साफ कहा है कि अगर इन नेताओं को कल तक रिहा नहीं किया गया, तब वह अनशन या पदयात्रा शुरू करने पर विचार करेंगा। इन नेताओं में अभिजीत दिपके, सौरभ दास और आशुतोष रांका सहित कॉकरोच पार्टी के कई लोग शामिल हैं।

वांगचुक ने एक बयान जारी कर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को उन्होंने आज के प्रदर्शन को लेकर एकजुटता और शांति बनाए रखने की अपील की थी। तब उन्होंने सोचा भी नहीं था कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में ऐसी स्थिति बन जाएगी, इस स्थिति को अघोषित आपातकाल मान रहे हैं।

वांगचुक के मुताबिक, उन्हें इसकी खुशी थी कि आंदोलन का नेतृत्व करने के लिए कई नेता आगे आए हैं। लेकिन अब उन्हें पता चला है कि उन सभी नेताओं को गिरफ्तार किया है। वांगचुक ने इसी बात पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने उम्मीद जाहिर की है कि गिरफ्तार किए गए सभी नेताओं को जल्द रिहा किया जाएगा। वांगचुक ने साफ किया है कि अगर कल तक नेताओं की रिहाई नहीं होती, तब उन्हें अनशन या पदयात्रा शुरू करने पर विचार करना पड़ेगा। यानी वे खुद अनशन या पदयात्रा के जरिए अपना विरोध दर्ज करने पर सोच सकते हैं। अनशन का मतलब खाना छोड़कर विरोध करना है, जबकि पदयात्रा में लोग पैदल चलकर अपनी बात रखते हैं। वांगचुक ने अपने संदेश में शांति और एकजुटता पर जोर दिया है।

मैं अयोध्या से लड़ने को तैयार, आप भी नामांकन कीजिए...

सीएम योगी को मंजूर अखिलेश का चैलेंज

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव की अयोध्या से चुनाव लड़ने की चुनौती पर पलटवार किया है। जनसभा में उन्होंने अखिलेश को भी अयोध्या से नामांकन करने को कहा और माफिया, राम मंदिर और विपक्ष की भाषा पर भी पलटवार किया। उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी अखिलेश पर सवाल उठा दिए।

अखिलेश दो दिन के दौरे पर अयोध्या पहुंचे थे। जहां उन्होंने भागवत कथा में हिस्सा लिया, संतों से आशीर्वाद लिया और एक जनसभा में बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को अपनी लोकप्रियता पर भरोसा है,तब अयोध्या से चुनाव लड़कर दिखाएं। उनका कहना था कि राज्य न्याय और मानवता से चलता है और अयोध्या की जनता चुनाव में दूध का दूध और पानी का पानी कर देगी।

अखिलेश की चुनौती पर योगी ने बलरामपुर में सीधा जवाब दिया। उन्होंने कहा, अखिलेश, अयोध्या हमारी पावन धाम है। हम सियासत के लिए नहीं, विकास के लिए अयोध्या जाते हैं। 'आइए, आपको ऑफर देता हूं। आप भी अयोध्या से नामांकन करिए और मैं भी। चलिए, एक बार अपनी किस्मत आजमा लेते हैं। योगी ने अयोध्या को अपनी आस्था की स्थली बताया।

सीएम योगी ने जनसभा में पिछली सरकारों पर भी निशाना साधा। उनका आरोप था कि पहले माफिया जिस जमीन पर पैर रखता था, उस पर कब्जा कर लेता था। सपा के गुंडे व्यापारियों को फोन कर धमकाते और संपत्ति हड़प लेते थे। उन्होंने दावा किया कि 2017 से पहले बलरामपुर की सड़कें सबसे खराब थीं। अब वोट तस्करी और बदमाशों की अराजकता की जगह विकास और बदलाव का आधार बन रहा है और इलाके को आकांक्षात्मक जिले से संभावनाओं वाला जिला बनाने पर काम किया जा रहा है।

सीएम योगी ने राम मंदिर और काशी विश्वनाथ धाम का जिक्र कर कहा कि इनके निर्माण में रुकावट बनने वाले आज प्रधानमंत्री मोदी का विरोध कर रहे हैं, पर विरोध की भी एक सीमा होती है। कांग्रेस और सहयोगी दलों पर उन्होंने शिष्टाचार भूलने और अभद्र भाषा बोलने का आरोप लगाया। उनके मुताबिक इसतरह के प्रयास देश को गुमराह करने और अराजकता की ओर ले जाने वाले हैं। इसके पहले डिप्टी सीएम मौर्य ने कहा था कि अखिलेश भागवत कथा में गए, पर राम मंदिर में दर्शन करने नहीं गए। उनके मुताबिक रामलला के दर्शन न करने वालों की रामभक्ति पर सवाल उठ रहे हैं, जबकि देश और दुनिया से लोग मंदिर पहुंच रहे हैं।

आली धाम में चढ़ा रिकॉर्ड चढ़ावा, 19 लाख से ज़्यादा के नोट मिले

चित्तौड़गढ़ (एजेंसी)। जिले के कपासन उपखंड स्थित मेवाड़ के सुप्रसिद्ध तीर्थस्थल श्री शनिमहाराज आली धाम में मंदिर के भंडारे (दानपात्र) खोले गए। इस दौरान श्रद्धालुओं द्वारा आस्थापूर्वक अर्पित की गई भेंट राशि की गिनती की गई। केवल नोटों की गिनती में ही कुल 19 लाख 41 हजार 755 रुपये की रिकॉर्ड भेंट राशि प्राप्त हुई है। मंदिर ट्रस्ट और प्रबंध समिति के अनुसार, सिक्कों की गिनती प्रक्रिया अभी जारी है, जिसके बाद ही इस माह प्राप्त हुई कुल भेंट राशि का अंतिम और सटीक आंकड़ा सार्वजनिक किया जा सकेगा। कपासन क्षेत्र के इस प्रमुख धार्मिक स्थल श्री शनिमहाराज आली में हर महीने अमावस्या से ठीक एक दिन पहले चतुर्दशी के पावन अवसर पर मंदिर के दानपात्रों को खोलने की वर्षों पुरानी परंपरा है। शनिवार को भगवान श्री शनिदेव महाराज की विशेष विधि-विधान से पूजा-अर्चना, आरती और मंत्रोच्चार के बाद मुख्य समिति की मौजूदगी में भंडारों को खोला गया। इस दौरान मुख्य मंदिर परिसर, नवग्रह मंदिर और तेल कुंड के पास स्थित दानपात्रों से श्रद्धालुओं द्वारा समर्पित की गई भेंट राशि निकाली गई। दानपात्रों से निकाली गई राशि की गिनती कड़ी सुरक्षा और मंदिर पदाधिकारियों की उपस्थिति में शुरू की गई। बीती रात तक नोटों की गिनती का काम पूरा कर लिया गया, जिसमें यह रिकॉर्ड राशि प्राप्त हुई। इसके बाद अब सिक्कों की छंटनी और गिनती की प्रक्रिया शुरू की गई है। गिनती की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए पूरी प्रक्रिया की निगरानी की जा रही है। चित्तौड़गढ़ और मेवाड़ क्षेत्र में श्री शनिमहाराज आली धाम की अपार धार्मिक मान्यता है। हर महीने आने वाली अमावस्या पर यहां देश और प्रदेश के विभिन्न कोनों से हजारों-लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान शनिदेव के दर्शन करने और तेल चढ़ाने पहुंचते हैं। भक्तों में मान्यता है कि यहां तेल अर्पण करने और पूजा-अर्चना करने से सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है। इसी अपार आस्था के चलते हर महीने भंडारे में लाखों रुपये की भेंट राशि और तेल समर्पित किया जाता है।

'हिरासत में हूं, लेकिन आंदोलन जारी है, हिरासत में ली गईं आइसा अध्यक्ष नेहा बोरा

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले पुलिस ने आइसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा को हिरासत में ले लिया। इसके अलावा पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके, सौरभ दास और आशुतोष रांका को अलग-अलग स्थानों से हिरासत में लेकर पुलिस अपने साथ ले गई। प्रदर्शन को देखकर राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। हिरासत में लेने के बाद नेहा बोरा ने कहा, 'मैं हिरासत में हूं, लेकिन आंदोलन जारी है। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से सफदरजंग फ्लाईओवर पहुंचने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि किसी को रोका जाता है, तब वह उसी स्थान पर बैठकर विरोध जारी रखे। आइसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा ने श्री अरबिंदो मार्ग और सफदरजंग के पास हिरासत में लिए गए लोगों का जिक्र कर कहा कि एक बस में उनके कई साथी मौजूद हैं और उसके आसपास हजारों प्रदर्शनकारी जुटे हैं। उन्होंने लोगों से उसी

जगह पहुंचकर प्रदर्शन शुरू करने की अपील की, जहां से उन्हें हिरासत में लिया गया था।

प्रदर्शन के बीच शनिवार सुबह से दिल्ली में करीब दो हजार लोगों को एहतियातन हिरासत में लेने की जानकारी सामने आई। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को भी लोदी एस्टेट के बाहर से हिरासत में लिए जाने की बात सामने आई है। वहीं, पूर्व सांसद साकेत गोखले ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के पांच अन्य नेताओं को उनके दिल्ली स्थित आवास के बाहर से हिरासत में लिया गया। गोखले के अनुसार, पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल उन्हें एक वाहन में बैठाकर अज्ञात स्थान पर ले गए। यह पूरा घटनाक्रम मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रस्तावित प्रदर्शन के दौरान सामने आया।

दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने प्रदर्शनकारियों पर दिल्ली को बाधित करने और हिंसा भड़काने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अराजकतावादी नाकाम रहे और इस कार्रवाई को भीड़तंत्र पर लोकतंत्र की जीत बताया। बीजेपी नेता पात्रा ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर भी निशाना साधकर आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण में कथित गड़बड़ियों के मुद्दे पर दोनों दल आंदोलन का नेतृत्व करने का श्रेय लेने की होड़ में हैं।

किश्तवाड़ आतंकी हमला : एनआईए ने दाखिल की चार्जशीट

पाकिस्तान में बैठे आतंकी दे रहे थे निर्देश

जम्मू, एजेंसी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने किश्तवाड़ के छत्रू क्षेत्र में हुए आतंकी हमले की गहन जांच के बाद शुक्रवार को एक विस्तृत आरोपपत्र दाखिल किया है। इस आरोपपत्र में यह बड़ा खुलासा किया गया है कि हमले की पूरी साजिश सीमा पार पाकिस्तान में रची गई थी। जम्मू स्थित हट्ठू की विशेष अदालत में दायर किए गए 535 पन्नों के इस दस्तावेज में गिरफ्तार आरोपी मनीर अहमद और सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए तीन पाकिस्तानी आतंकियों को नामजद किया गया है। जांच ने स्पष्ट कर दिया है कि इस आतंकी वारदात की कमान प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के पाकिस्तानी कमांडर सैफुल्ला के हाथों में थी।

यह मामला 22 फरवरी 2026 का है, जब किश्तवाड़ जिले के छत्रू क्षेत्र के वानी मोहल्ला, पासेर कोटे में आतंकियों ने सुरक्षा व्यवस्था को निशाना बनाते हुए हमला किया था। एनआईए ने लगभग पांच महीने की व्यापक और गहन जांच के बाद हमले की साजिश के हर पहलू, आतंकियों की भूमिका और उन्हें स्थानीय स्तर पर मिली मदद के स्रोतों की पड़ताल की। आरोपपत्र के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी मनीर अहमद पर आतंकियों को अपने घर में शरण देने और छिपाने का गंभीर आरोप है, जिसके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप तय किए गए हैं। वहीं, मारे गए पाकिस्तानी आतंकियों पर भारत के विरुद्ध युद्ध छेड़ने और आपराधिक साजिश रचने जैसी गंभीर धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं।जांच एजेंसी ने बताया कि हमले में शामिल तीनों आतंकियों का नेतृत्व पाकिस्तानी नागरिक सैफुल्ला कर रहा था, जो जैश-ए-मोहम्मद का एक सक्रिय कमांडर था। उसे सैफुल्ला कश्मीरी, अतीक नजीर और अतीक उर रहमान जैसे कई उपनामों से भी जाना जाता था और वह जैश से जुड़े कश्मीर टाइगर्स (अजरैल ग्रुप) का सदस्य था।

महाराष्ट्र में सूखे का गहरा संकट: किसानों को जल संरक्षण और फसल प्रबंधन पर जोर -- राष्ट्रीय में जारी करना हैं

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में सूखे का संकट लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे महाराष्ट्र के किसान लगातार चिंतित हैं। कमजोर और असमान मॉनसून के कारण राज्य के 358 में से 265 तालुके सूखाग्रस्त घोषित हो चुके हैं। खरीफ फसलों को हुए नुकसान के बाद अब रबी सीजन की चिंता भी सता रही है। इसके बाद किसानों के सामने सबसे बड़ी चुनौती उपलब्ध पानी को बचाना और अगली फसल को सूखे की मार से सुरक्षित रखना है।

इस गंभीर स्थिति से निपटने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने 16 अक्टूबर से करीब 10 प्रतिशत पानी की कटौती करने का निर्देश दिया है। जल संसाधन विभाग ने बांधों में उपलब्ध पानी की योजना अगस्त 2027 तक के लिए बनाई है, जिसमें आपातकालीन पानी का बफर स्टॉक भी शामिल है। महायुति सरकार ने पानी के इस्तेमाल की प्राथमिकताएं भी तय की हैं। पहले पीने का पानी, फिर पशुओं और चारे के लिए पानी, और अंत में सिंचाई के लिए पानी दिया जाएगा। इसके बाद किसानों को रबी की फसल चुनते समय पानी की कमी को गंभीरता से लेना होगा।

किसानों को अपने क्षेत्र की मिट्टी, उपलब्ध नमी और पानी के स्रोत को ध्यान में रखते हुए फसलों का चुनाव करना चाहिए। सूखे की स्थिति में, कम समय और कम पानी में तैयार होने वाली फसलें अधिक उपयुक्त होंगी। साथ ही, खेत की मिट्टी में मौजूद नमी को बचाने पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। जहां सिंचाई की जरूरत हो, वहां ड्रिप या माइक्रो-इरिगेशन जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल कर पानी की बचत की जा सकती है। फसल नुकसान से प्रभावित किसानों के लिए सरकार ने 265 सूखाग्रस्त तालुकों में आकलन शुरू किया है। 12 अक्टूबर तक पंचनामे पूरे करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि प्रभावित किसानों तक सहायता मिल सके। किसानों को अपने गाँव में होने वाले पंचनामे की जानकारी लेनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी फसल का नुकसान सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज हो। इसके अतिरिक्त, सूखा से प्रभावित किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और अन्य सरकारी राहत प्रक्रियाओं की जानकारी अपने तहसील कार्यालय या कृषि विभाग से तुरंत प्राप्त करनी चाहिए। केंद्र सरकार की फसल बीमा योजना में सूखा सहित कई प्राकृतिक जोखिमों के खिलाफ कवरेज उपलब्ध है। महाराष्ट्र राज्य में हरे और सूखे चारे की कमी की रिपोर्ट भी सामने आई है। किसानों को उपलब्ध चारे का भंडारण करना चाहिए, और पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था पर पहले से ध्यान देना चाहिए, क्योंकि सरकार ने पेयजल के बाद पशुधन और चारे को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। इन उपायों को अपनाकर किसान इस संकट की घड़ी में खुद को और अपनी आजीविका को सुरक्षित रख सकते हैं।

युवक को गोली लगने के मामले में दोस्त गिरफ्तार

नई दिल्ली। जहांगीरपुरी इलाके में रविवार को युवक को गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने उसके ही दोस्त पंकज उर्फ पंखा को गिरफ्तार किया है। पुलिस को पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि उसने रोहित को गोली मारी नहीं थी, बल्कि गलती से उसको लग गई थी। दरअसल सारे दोस्त मिलकर फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससेसेतमंचे को देख रहे थे, इसी दौरान गोली चल गई और रोहित घायल हो गया। सारे दोस्त उसे अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी मौत हो गई। सभी उसे अस्पताल छोड़कर भाग खड़े हुए। वहीं, पुलिस पंकज की बात पर यकीन करने को तैयार नहीं है। पुलिस का कहना है कि फरार चल रहे आलम और आकाश के पकड़े जाने के बाद हकीकत सामने आएगी। वारदात में इस्तेमाल तमंचा भी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस पता लगा रही है कि तमंचा कहां से लाया गया था। पुलिस के मुताबिक रविवार को बाबू जग जीवन राम अस्पताल से वारदात की सूचना मिली थी। रोहित सरदार कॉलोनी, रोहिणी, सेक्टर-16 में रहता था। पुलिस तभी से आरोपियों की तलाश कर रही है।

झगड़े के दौरान दोस्त की पीटकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिले की नंद नगरी थाना पुलिस ने हत्या के मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान नंद नगरी निवासी विशाल उर्फ काकू, हिमांशु, किशन उर्फ राहुल उर्फ चार्ली, चेतन उर्फ लक्की, गौरव उर्फ पिछू, सुमित उर्फ सिंचू और दिलशाद गार्डन निवासी अंकित के रूप में हुई है। पुलिस ने अंकित के कब्जे से एक स्कूटी बरामद की है।

दिल्ली में महिला कामगारों की हिस्सेदारी बढ़ी पर मजदूरी पुरुषों से कम

दिल्ली। दिल्ली में बीते कई साल के मुकाबले महिला कामगारों की आबादी में इजाफा हुआ है लेकिन मजदूरी पुरुषों से कम है। दिल्ली सरकार की दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं की श्रम बल भागीदारी बढ़ी है लेकिन उनकी दैनिक मजदूरी पुरुषों से कम बनी हुई है। यह रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजी) की प्रगति पर नजर रखने के लिए डायरेक्टरेट ऑफ इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स ने जारी की है। दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स की स्थिति पर आधारित है और हाल ही में अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय ने इसे जारी किया है। रिपोर्ट दिखाती है कि 2017-18 में महिलाओं और पुरुषों की श्रम बल भागीदारी दर का अनुपात 0.19 था। यह आंकड़ा 2023-24 में बढ़कर 0.28 हो गया। यह वृद्धि सकारात्मक है लेकिन 0.28 का अनुपात यह भी दिखाता है कि लैंगिक असमानता अभी बनी हुई है। इसके अतिरिक्त रिपोर्ट दिखाती है कि महिला श्रम बल भागीदारी दर 2017-18 में 11.2 फीसदी थी, 2023-24 में बढ़कर 14.5 फीसदी हो गई। यह 2018-19 में 13.7 फीसदी, 2019-20 में 12.8 फीसदी, 2020-21 में 10.7 फीसदी, 2021-22 में 9.4 फीसदी और 2022-23 में 11.3 फीसदी थी। गैर-सार्वजनिक कामों में 2017-18 की जुलाई-सितंबर तिमाही में पुरुषों को 403 रुपये हर दिन और महिलाओं को 300 रुपये मिल रहे थे। 2017-18 की अप्रैल-जून तिमाही में पुरुषों को 376 रुपये हर दिन व महिलाओं को 400 हर दिन, 2023-24 में पुरुषों को 556 रुपये हर दिन व महिलाओं को 500 रुपये हर दिन मिल रहे थे। 2023-24 में यह 548 और 500 रुपये मिल रहा था। इसमें दिखता है कि महिलाओं की मजदूरी बढ़ी लेकिन मजदूरी का अंतर 48 से 100 रुपये का बरकरार है। पेशेवर और तकनीकी क्षेत्र में महिला कामगारों की संख्या घटी है। इस क्षेत्र में 2020-21 में महिलाओं का अनुपात 28.5 फीसदी था, जोकि 2022-23 में 21.3 फीसदी रह गया है। रिपोर्ट में महिलाओं के आर्थिक संसाधनों में हिस्सेदारी का मूल्यांकन किया गया है। इसमें जमीन, संपत्ति, बैंक सेवाएं, उत्तराधिकार और प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण को शामिल किया है। लेकिन इसमें ये भी कहा गया है कि महिला कामगारों के लिए दिल्ली सरकार कानूनों में सुधार कर रही है।

पिता ने दो बेटों के साथ मिलकर तीसरे को पीटकर मार डाला

फरीदाबाद। आदर्श नगर थाना क्षेत्र के हरी विहार में धनीराम हलवाई ने अपने दो बेटों सुदामा और सूरज के साथ मिलकर तीसरे बेटे कृष्ण की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को फंदे से लटकाकर पुलिस को आत्महत्या की सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद बीके अस्पताल में रखवा दिया। वहीं, जांच के दौरान पड़ोसियों ने बताया कि पिता और दोनों भाइयों ने ही युवक की हत्या की है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया।

पुलिस ने दो नाबालिगों को ढूंढकर परिवारों को सौंपा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की मानव तस्करी विरोधी इकाई ने अलग-अलग क्षेत्रों से लापता हुए दो नाबालिग बच्चों को ढूंढकर सुरक्षित उनके परिवारों को सौंप दिया। अपराध शाखा उपायुक्त पंकज कुमार ने बताया कि थाना बुद्ध विहार में 15 सितंबर को आठ वर्षीय बच्ची के गुमशुदा होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। वह अपने गांव उत्तर प्रदेश के बांदवी से अपनी बुआ के साथ दिल्ली आई थी। खेलते-खेलते रास्ता भटक जाने पर वह जहांगीरपुरी इलाके में पहुंच गई। किसी राहगीर ने उसे अकेला देखकर पुलिस को सूचना दी। बाद में बाल कल्याण समिति के आदेश पर बच्ची को कंझावला स्थित बाल गृह भेज दिया गया। बाल गृह में दर्ज नाम अलग होने के कारण उसकी पहचान में कठिनाई हुई। इसके बावजूद अपराध शाखा के लगातार प्रयास से बच्ची की पहचान कर ली गई और उसे परिजनों के हवाले कर दिया। वहीं, दूसरा मामला भी थाना बुद्ध विहार का है। यहां 14 वर्षीय लड़के की गुमशुदगी की रिपोर्ट 27 सितंबर को दर्ज की गई थी। वह अपने दोस्त के साथ रामलीला देखने गया और वहीं रुक गया था। काफी देर तक घर न लौटने पर परिवार ने पुलिस को सूचना दी। एसीपी सुरेश कुमार की निगरानी में क्राइम ब्रांच ने कॉल डिटेल और तकनीकी जांच के साथ-साथ इलाके में तलाशी अभियान चलाकर नाबालिग को रिठाला गांव से बरामद कर लिया।

महिला को सम्मोहित कर नाबालिगों ने गहने उड़ाए, पुलिस ने दो को दबोचा

दिल्ली। सुल्तानपुरी इलाके में नाबालिगों ने एक महिला को सम्मोहित कर उसके गहने ठग लिए। शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच कर दोनों आरोपी की पहचान कर उन्हें घर से पकड़ लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने सोने का लॉकेट बरामद किया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 3 अगस्त को एक महिला ने ठगी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि वह सेक्टर 24 रोहिणी में ब्यूटी पार्लर चलाती है। रात में घर जाने के लिए बस स्टैंड पर खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक आया और आनंद विहार जाने का रास्ता पूछा। फिर उसने बताया कि उसके ठेकेदार ने नौकरी से निकाल दिया है। उसके पास पैसे नहीं हैं। उसे भूख लगी है और खाना खिलाने के लिए कहा। इसी दौरान एक और युवक आ गया और वह लड़के की मदद करने के लिए कहा। फिर दोनों पीड़िता को लेकर होटल की तलाश करने लगे। इसी दौरान दूसरे युवक ने महिला से कहा कि इलाका ठीक नहीं है। वह रुमाल निकालकर दिखाया कि वह अपने पैसे रुमाल में रखता है। फिर उसने महिला से सारे गहने को एक रुमाल में डालने के लिए कहा। उसके बाद पीड़िता कान के दोनों टॉप्स, मोती का माला और एक सोने का लॉकेट रुमाल में रख दिया। युवक ने उसमें गांठ लगाकर पीड़िता को सौंप दिया। उसके बाद दोनों युवक वहां से भाग गए। जांच करने पर रुमाल से गहने गायब पाया। महिला ने पुलिस से इसकी शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने फुटेज के जरिए आरोपियों की पहचान कर ली। दोनों आरोपी के बी और सी ब्लॉक में मौजूद होने की जानकारी पर पुलिस ने वहां दबिश देकर दोनों को पकड़ लिया।

निजी स्कूल की बस ने लॉ स्टूडेंट को रौंदा, दस मीटर तक घिसटता रहा

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में मोदी मिल फ्लाईओवर पर एक प्राइवेट स्कूल बस ने 24 साल के लॉ स्टूडेंट विनम्र कुमार को रौंद दिया। बस ड्राइवर के ब्रेक लगाने से पहले छात्र करीब 10 मीटर तक बस के नीचे घिसटता रहा। किसी के बस के नीचे फंसे होने को महसूस कर ड्राइवर ने गाड़ी रोकी तब देखा। ड्राइवर खुद पीड़ित को अस्पताल ले गया। जहां उसकी हालत गंभीर है। न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। आरोपी की पहचान 32 साल के विजेंद्र कुमार के रूप में हुई है, जो कनॉट प्लेस के एक प्राइवेट स्कूल की बस चलाता है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार कोटला मुबारकपुर के रहने वाले विनम्र कुमार चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी में तीसरे साल के लॉ स्टूडेंट थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम को दोपहर करीब 3:30 बजे मोदी मिल फ्लाईओवर पर एक जानलेवा हादसे की सूचना मिली। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो उन्हें एक बस और एक बाइक दुर्घटनाग्रस्त हालत में मिली। उन्हें बताया गया कि घायल छात्र को बस ड्राइवर एम्स ट्रॉमा सेंटर ले गया था। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो उन्हें बताया गया कि युवक को मृत घोषित कर दिया था। पुलिस ने विजेंद्र को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। विनम्र अपनी बहन को उसके ससुराल गढ़ी गांव छोड़ने गया था और मथुरा रोड की तरफ जा रहा था, तभी पीछे से बस ने उसे टक्कर मार दी। अधिकारी ने कहा कि पीड़ित ने हेलमेट पहना था। हादसे के बाद वह करीब 10 मीटर तक घिसटता रहा, जिसके बाद ड्राइवर को एहसास हुआ और उसने ब्रेक लगाए। ड्राइवर खुद पीड़ित को अस्पताल ले गया।

ई-रिक्शा चोरी करने वाले गिरोह के चार आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद। सिहानी गेट पुलिस ने ई-रिक्शा चोरी करने वाले गिरोह के चार लोगों को गिरफ्तार कर उनसे दो ई-रिक्शा, ई-रिक्शा की दो बैटरी और अन्य उपकरण बरामद किए हैं। आरोपियों के खिलाफ चोरी के कई मुकदमे पहले भी दर्ज हैं। कार्यवाहक एसीपी प्रियाश्री पाल ने बताया कि हाल ही में ई-रिक्शा चोरी की कई घटनाएं हुईं थीं। इनके खुलासे के लिए पुलिस टीम लगातार काम कर रही थी। मुखबिर और मोबाइल सर्विलांस के जरिये पुलिस टीम को इनपुट मिला तो मेरठ रोड पर दबिश देकर चार संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उन्होंने ई-रिक्शा चोरी की बात कबूली। उनकी पहचान रिंकू व दीपक निवासी नंदग्राम, आसिफ निवासी मलिकनगर मुरादनगर व अनस निवासी जस्सीपुरा कोतवाली के रूप में हुई। पूछताछ में पता चला कि रिंकू ई-रिक्शा चोरी करता था। दीपक उसका इस काम में सहयोग करता था और आसिफ ई-रिक्शों को स्क्रैप बनाने व अनस ई-रिक्शों की बैटरी को खरीदने में शामिल रहा। रिंकू, दीपक और आसिफ पर ई-रिक्शा चोरी के कई मुकदमे दर्ज हैं। आरोपियों की निशानदेही पर दो ई-रिक्शा, बैटरी, 42 हजार की नकदी बरामद की गई।

कोर्ट ने कहा- पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना मानसिक क्रूरता

दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पति की वैधता पर सवाल उठाकर उन्हें अपशब्द कहना और उनकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना वैवाहिक क्रूरता माना है। अदालत ने कहा पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना तलाक का आधार है। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ ने फैमिली कोर्ट द्वारा प्रतिवादी-पति के पक्ष में दी गई तलाक की डिक्री को बरकरार रखा। याचिकाकर्ता-पत्नी ने हाईकोर्ट में अपील दायर करके उनका अपमान किया, पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके खिलाफ झूठी और तुच्छ मुकदमेबाजी की। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी द्वारा क्रूरता के जवाबी दावे करने मात्र से उनके द्वारा की गई सिद्ध क्रूरता के कृत्य स्वत: समाप्त नहीं हो जाते। कोर्ट ने कहा, दो गलतियां मिलकर सही नहीं हो जातीं। याचिकाकर्ता के सिद्ध क्रूरता के कृत्य, जिसमें अपमानजनक भाषा का कर दावा किया था कि फैमिली कोर्ट ने उनके खिलाफ की गई क्रूरता के कृत्यों पर विचार नहीं किया और पति को गलत तरीके से तलाक दे दिया। उन्होंने दावा किया कि प्रतिवादी ने जाति-आधारित टिप्पणियां करके उनका अपमान किया, पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके खिलाफ झूठी और तुच्छ मुकदमेबाजी की। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी द्वारा क्रूरता के जवाबी दावे करने मात्र से उनके द्वारा की गई सिद्ध क्रूरता के कृत्य स्वत: समाप्त नहीं हो जाते। कोर्ट ने कहा, दो गलतियां मिलकर सही नहीं हो जातीं। याचिकाकर्ता के सिद्ध क्रूरता के कृत्य, जिसमें अपमानजनक भाषा का उपयोग, शारीरिक हिंसा और सामाजिक अलगाव शामिल है, अपने आप में इतने गंभीर हैं कि विवाह को भंग करने की मांग को उचित ठहराते हैं। कोर्ट ने नोट किया कि याचिकाकर्ता ने प्रतिवादी को घृणित, अपमानजनक और निंदनीय संदेश भेजे, जिसमें उनकी वैधता पर सवाल उठाए गए और उनकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाए गए। कोर्ट ने कहा, नौ मई 2011, 15 मई 2011 और 27 जून 2011 को भेजे गए विशिष्ट संदेशों में 'बास्टर्ड', 'सन ऑफ बिच' जैसे शब्द और यह सुझाव कि उनकी मां को वेश्यावृत्ति के माध्यम से कमाई करनी चाहिए, अपने आप में सबसे गंभीर प्रकार की मानसिक क्रूरता को दर्शाते हैं।

रंजिश में युवक पर चलाई गोली

नई दिल्ली। महेंद्र पार्क में बृहस्पतिवार रात रंजिश में एक युवक पर स्कूटी सवार नाबालिगों ने गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पीड़ित की पहचान निखिल सक्सेना (22) के रूप में हुई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने तीन नाबालिग लड़कों पर आरोप लगाया है जिनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात पुलिस को महेंद्र पार्क स्थित हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससे रंजिश रखते हैं। पुलिस ने मौके पर क्राइम और फोरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने वहां से कुछ साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि पीड़ित दसवीं तक पढ़ा है और फिलहाल कोई काम नहीं करता है। वहीं, गोलीबारी करने वाले सभी आरोपी नाबालिग हैं। जिस जगह पर घटना हुई है वहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है। घटना के बाद से नामजद सभी आरोपी अपने घर से गायब हैं। पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए इनके ठिकानों पर दबिश दे रही है।

डीजीपी को प्रतिवेदन सौंपा उन्होंने डीजीपी के कार्यकाल और बढ़ाने पर शुभकामनाएं भी दी: वकील डॉ. ए पी सिंह

पश्चिम बंगाल राज्य से नागेन्द्र अनंत राय महाराज, जो कि भाजपा के राज्य सभा सदस्य है, कूचबेहर जनपद में कोतवाली थाना में दर्ज मामले में देश के जाने माने वकील डॉ. ए पी सिंह को केस सौंपा है वे अपनी लीगल टीम के साथ डॉ. सिंह के दिल्ली स्थित कार्यालय पर पहुँच कर अपने केस से जुड़े हुए सभी दस्तावेजों के साथ क़ानूनी विषयों पर मंथन किया एवं डॉ. ए पी सिंह को अपना वकील नियुक्त किया जिसके उपरांत सुप्रीम कोर्ट के जाने-माने अधिवक्ता डॉ. ए.पी. सिंह ने आज पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक (छ्तक्क), कोलकाता और पुलिस अधीक्षक, कोचबिहार को एक विस्तृत संवैधानिक कानूनी प्रतिवेदन डॉ. ए पी सिंह ने पश्चिम बंगाल, कोलकाता, पुलिस मुख्यालय में सौंपा। यह एफ़ आई आर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 196(1)(ए) व (बी), 197(1)(सी), 299, 352, 353(2) व 356 के तहत दर्ज की गई है। मशहूर वकील डॉ. ए.पी. सिंह ने डी जी पी को सौंपे गए अपने प्रतिवेदन में कहा है कि – यह एफ़ आई आर तथ्यों को गलत समझने और कथित बयान की गलत व्याख्या पर पूरी तरह से आधारित है।उक्त धाराओं के अपराधों के आवश्यक तत्वों का पूर्ण अभाव है।भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कोई जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण इरादा नहीं है। किसी विशेष समुदाय, जाति या धर्म को लक्षित करने का अभाव है। किसी प्रकार के उकसावे, भड़काऊ भाषण या लोक अशांति का अभाव है। कथित बयान संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में आता है। प्रतिवेदन में निष्पक्ष, वस्तुनिष्ठ और संवैधानिक तरीके से जांच करने और अपराध न बनने पर नियमानुसार क्लोजर / फाइनल रिपोर्ट दाखिल करने की बात कही गई है। प्रख्यात वकील डॉ. ए पी सिंह ने बताया कि नागेन्द्र अनंत राय महाराज एक कानून का पालन करने वाले वरिष्ठ नागरिक हैं, संविधान और सांप्रदायिक सद्भाव का पूरा सम्मान करते हैं और जांच में पूरा सहयोग कर रहे हैं। वकील डॉ. ए पी सिंह ने पश्चिम बंगाल के डी जी पी सिद्धनाथ गुप्ता के कार्यकाल को और बढ़ाये जाने पर राज्य के मुख्यमंत्री का धन्यवाद भी प्रकट किया। विदित रहे सांसद नागेंद्र अनंत राय महाराज ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को लेकर विवादित टिप्पणी की थी वे कूचबेहर को अलग राज्य बनाने की भी पैरवी करते रहे है, उनकी बनायी हुई नारायणी सेना पर भी कई आरोप लगते रहे है, और कहा जाता रहा है कि इसे बीएसएफ ट्रेनिंग देती है, हालाकि बाद में बीएसएफ ने इसका पूरी तरह से खंडन किया।

जिम की फीस चुकाने के लिए कारोबारी को लूटा

गाजियाबाद। जिम की फीस चुकाने और सप्लीमेंट खरीदने में हुए कर्ज को चुकाने के लिए लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में मार्बल्स व्यापारी से लूटपाट की गई। मामले में खुलासा करते हुए पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में दो आरोपियों ने बताया कि उन्होंने कई महीने से जिम की फीस नहीं दी थी। उसके लिए वह इस वारदात में शामिल हुए थे। उनके पास से 67500 रुपये, दो डंडे और दो बाइक बरामद की गई हैं। इस वारदात में शामिल तीन अन्य आरोपी फरार हैं। डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि 16 जनवरी 2026 की शाम आठ बजे इस गिरोह ने दयालपुर दिल्ली निवासी केसरी सिंह से लूटपाट की थी। इसमें कार्रवाई करते हुए बुधवार को लोनी से अमन गुर्जर निवासी लोनी, मोनू गुप्ता निवासी न्यू विकास नगर लोनी, वसीम निवासी ग्राम फकरपुर थाना खेकड़ा जनपद बागपत हाल पता न्यू विकास नगर लोनी, हर्ष निवासी लोनी, फैसल निवासी लोनी और मयंक निवासी न्यू विकास नगर लोनी गिरफ्तार किया गया है। इनके तीन साथी निखिल, अनमोल व एक अन्य फरार हैं। पुलिस के अनुसार हर्ष और उसके पिता कारोबारी के शोरूम के पास ही सैलून चलाते हैं। हर्ष ने कारोबारी पर नजर रखी। इसमें सामने आया है कि वह नकदी को लेकर दिल्ली जाता है। 16 जनवरी को बदमाशों ने लालबाग सब्जी मंडी में मार्बल्स कारोबारी केसरी सिंह की रेकी की और नौकर रवि के साथ स्कूटी पर घर जाते समय रोक लिया। डंडों से रवि के सिर पर प्रहार किया और ढाई लाख रुपये से भरा बैग लेकर भाग गए।

मुस्लिम युवक ने पवित्र सरोवर में किया था कुल्ला, वीडियो हुई थी वायरल

गाजियाबाद। अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल के पवित्र सरोवर में कुल्ला करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अंकुर विहार थानाक्षेत्र की एक कॉलोनी का रहने वाला सुव्हान है। पुलिस के अनुसार आरोपी सुव्हान कॉलोनी में ही संचालित अपने भाई के मेडिकल स्टोर पर काम करता है। 15 जनवरी को वह अमृतसर घूमने गया था। इस दौरान उसकी एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई। वीडियो में युवक गोल्डन टेंपल के पवित्र सरोवर में कुल्ला करता दिखाई दे रहा था। इसके बाद सिक्ख समुदाय के लोगों ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए पुलिस से शिकायत की थी। साथ ही जानबूझकर धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया था। एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया आरोपी को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर एसीपी कोर्ट में पेश किया गया और जेल भेज दिया गया है।

युवक के खिलाफ फिलहाल कोई प्राथमिकी कहीं दर्ज नहीं है।

NAME CHANGE
I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE
I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE
I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR - 2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE
I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE
I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE
I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE
I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

NAME CHANGE
I Tajinder Kaur W/o Jaspreet Singh Baweja R/o 52/43 Ramjas Road Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Tajinder Kaur Baweja For All Purpose.

NAME CHANGE
I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANITA BANSAL W/O PAWAN BANSAL residing at B-504, MAYURDHWAJ APARTMENT, I.P EXTN. EAST DELHI-110092 have Change my name to ANITA RANI BANSAL for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE
I, PUNNAM DEVI Wife of No-14913053K Rank-HAV Name-NARENDER SINGH R/O C-7, LAXMI GARDEN, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name from PUNNAM DEVI to POONAM DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, NEETAS DEVI Wife of No-3204848W Rank-HAV Name-DHARMENDRA SINGH R/O VILL-BISHUNDAS, PO-MURSAN, DISTT-HATHRAS, U.P-204213 have changed my name from NEETAS DEVI to NITESH DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ASHISH KUMAR RATHOR S/O PURAN LAL R/O Q-48, RAJEEV NAGAR BEGUM PUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086, have changed my name and shall hereafter be known as RAZA AHMED.

NAME CHANGE
I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/o LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SANTOSH KUMAR S/O VISHVA NATH PRASAD residing at PLOT NO-58&59, FLAT NO-B-2, STREET NO-5, HAVENS GARDEN MATIALA, DELHI-110059 have changed my name to SANTOSH KUMAR GUPTA for all future purposes

NAME CHANGE
I, Anil Balakrishna Panicker s/o Angakattil Narayan Balakrishna Panicker R/o A-6/334-A, Janta Flats, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to Anil Bala Panicker permanently.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NIDHI AGGARWAL YADAV D/o VIRENDER KUMAR AGGARWAL, and Ex. Wife of AMIT YADAV, R/o H.No E-12, Hauz Khas, South West Delhi-110016, declare that I got divorce from my Ex. Husband AMIT YADAV vide Court Decree HMA No. 603/2019 dated 30 - 04-2019, further I have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI AGGARWAL. I also have changed the name of my minor Son namely AAYAN YADAV, aged 16 years and my minor daughter namely ARSHIYA YADAV, aged 13 years and they shall hereafter be known as AAYAN AGGARWAL and ARSHIYA AGGARWAL respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE
I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

लाडो लक्ष्मी योजना से कविता को मिल रहा आर्थिक सहारा

एजेंसी

पलवल। हरियाणा सरकार द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और जरूरतमंद परिवारों को सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित जनकल्याणकारी योजनाएं लाभार्थियों के लिए सहायक साबित हो रही हैं। आर्थिक सहायता मिलने से महिलाएं अपनी छोटी-मोटी जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ परिवार के घरेलू खर्चों में भी योगदान दे पा रही हैं। पलवल जिले के गांव बंचारी निवासी कविता की कहानी भी इसी बदलाव को दर्शाती है। कविता ने लाडो लक्ष्मी योजना का लाभ मिलने पर हरियाणा सरकार का धन्यवाद किया है। गांव बंचारी निवासी कविता ने बताया कि उनके पति का नाम देव सिंह है। उन्हें हरियाणा सरकार की लाडो लक्ष्मी योजना के तहत आर्थिक सहायता का लाभ मिल रहा है। कविता के अनुसार, उनके परिवार में रोजगार का कोई अन्य साधन नहीं है। ऐसे में योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता उनके लिए काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि इस सहायता से वह अपनी छोटी-मोटी जरूरतों को पूरा कर पा रही हैं।

एडीसी ने अनाज मंडी का दौरा कर खरीद प्रक्रिया का लिया जायजा

रेवाड़ी। एडीसी राहुल मोदी ने अनाज मंडी रेवाड़ी का दौरा किया और बाजरा खरीद प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने किसानों और आढ़तियों की समस्याएं सुनी तथा अधिकारियों को निर्धारित नियमों के अनुसार समयबद्ध तरीके से खरीद करने तथा उठान में तेजी लाने के निर्देश दिए। एडीसी राहुल मोदी ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि किसानों की फसल की समय पर खरीद, उठान और भुगतान हो, इसी लक्ष्य को लेकर सभी संबंधित एजेंसियों के अधिकारी कार्य करें। सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के आधार पर न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की जाए। किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और सभी व्यवस्थाएं चौक चौबंद हों। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एडीसी ने सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए मंडी में स्थापित कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। इसके साथ उन्होंने मंडी में साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय और अटल कैन्टीन सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीद प्रक्रिया की लगातार निगरानी रखें और संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाएं।

आयुष विभाग ने लगाया आउटरीच शिविर

सिरसा। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयुष विभाग की ओर से गांव शेखुपुरिया में आउटरीच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों तक आयुष पद्धति से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना तथा उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। जिला आयुष अधिकारी डॉ. आशु शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को आयुष चिकित्सा पद्धतियों के महत्व के बारे में जानकारी देने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया गया। सेवा संकल्प अभियान के तहत इस प्रकार के शिविरों का उद्देश्य आमजन तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है।

रक्तदान शिविर में 33 यूनिट रक्त एकत्रित

सिरसा। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला रेडक्रॉस सोसायटी सिरसा की ओर से शाह सतनाम जी बॉयज कॉलेज, सिरसा में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्तदाताओं ने कुल 33 यूनिट रक्तदान किया। जिला रेडक्रॉस

सोसायटी के सहायक सचिव गुरमीत सिंह ने बताया कि शिविर का आयोजन सरकारी अस्पताल के ब्लड बैंक की टीम के सहयोग से किया गया। शिविर का उद्देश्य स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देना तथा जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में योगदान देना था। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक पुनीत कार्य है, जिससे जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध करवाकर उनकी मदद की जा सकती है। ऐसे शिविर समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मुख्यमंत्री सैनी ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

'दूसरे राज्यों से आने वाली फसलों पर हो कड़ी निगरानी'

'निर्धारित नॉर्म अनुसार 17 प्रतिशत नमी वाले धान की खरीद अवश्य सुनिश्चित की जाए।'

एजेंसी

चण्डीगढ : हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने जिला के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे राज्य में चल रही फसल खरीद प्रक्रिया पर फोकस रखें और दूसरे राज्यों की सीमा से आने वाले बाजरा एवं धान पर कड़ी निगरानी रखें।

मुख्यमंत्री चंडीगढ़ में समाधान प्रकोष्ठ समीक्षा बैठक के बाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला के अधिकारियों को निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि निर्धारित नॉर्म अनुसार 17 प्रतिशत नमी वाले धान की खरीद अवश्य सुनिश्चित की जाए। राज्य सरकार किसानों का एक–एक दाना एमएसपी पर खरीदने का कार्य करेगी और किसानों को फसल की राशि का भी समय पर भुगतान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जिले में मंडियों की निगरानी के लिए नोडल अधिकारी लगाए गए हैं। वे फिजिकल वेरिफिकेशन जांच कर रहें हैं। सभी नोडल अधिकारी किसानों की सुविधा के लिए तत्पर हैं तथा फसल खरीद प्रक्रिया के लिए जारी दिशा–निर्देशों की पालना भी सुनिश्चित की जाए। खरीद प्रक्रिया को सुचारू ढंग से चलाने के लिए मंडियों में जियो टैगिंग की गई है तथा सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। उन्होंने दूसरे राज्यों से बिक्री के लिए

धान व बाजरे की फसल लाने वाले वाहनों को जब्त करने तथा इंटर स्टेट वाहन मूवमेंट पर पूरी निगरानी रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि फसल खरीद के दौरान उठान कार्य भी समय पर पूरा किया जाए। विशेषकर कैथल मंडियों में उठान कार्य में तेजी लाई जाए ताकि किसानों को मंडियों में धान लाने में कोई दिक्कत न हो। मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने बताया कि चीका मंडी में धान डालने के लिए चार स्थान निर्धारित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि धान डालने के लिए एक ही स्थान निर्धारित करने हेतु उचित समाधान किया जाए।

मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव डॉ. यशपाल ने बताया कि धान के अलावा प्रदेश में लगभग पौने दो लाख बाजरे की आवक हो रही है।

राज्य की मंडियों में रबी फसल की खरीद एमएसपी पर की जा रही है तथा समय पर किसानों को भुगतान किया जा रहा है। इसके अलावा फसल उठान के कार्य के लिए भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज का कांग्रेस और विदेशी ताकतों पर तीखा हमला

कहा- देश में अराजकता फैलाना चाहती है कांग्रेस

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान बने लॉकडाउन जैसे हालातों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि देश के विकास को रोकने और यहां अराजकता फैलाने के लिए कुछ नेताओं, पार्टियों और लोगों ने दुश्मन विदेशी ताकतों से सुपारी ले रखी है, क्योंकि वे तर्कसंगत बात करने के बजाय माहौल बिगाड़ना चाहते हैं। प्रदर्शन करने का हक, लेकिन कानून की पालना जरूरी पत्रकारों से बातचीत के दौरान मंत्री अनिल विज ने स्पष्ट किया कि देश में प्रदर्शन करना हर नागरिक का अधिकार है, लेकिन साथ ही कानून की पालना करना भी उतना ही अनिवार्य है।

उच्चतम न्यायालय की गाइडलाइनः उन्होंने कहा कि माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार, किसी भी प्रदर्शन से

कम से कम 10 दिन पहले नोटिस देना होता है ताकि सरकार आवश्यक व्यवस्था कर सके और आम जनता को परेशानी न हो।

आम नागरिकों के अधिकारः बिना पर्याप्त नोटिस के अचानक किए जाने वाले प्रदर्शनों से आम लोगों की शांति और उनके कारोबार करने के मौलिक अधिकारों पर आंच आती है, जिसे सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी। सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह आम जनजीवन की शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करे।

राहुल गांधी के आरोपों पर पलटवार

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस बयान पर जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति द्वारा चुनावी धोखाधड़ी के आरोपों से इंकार न किए जाने पर 'हैरानी' जताई थी, विज ने कड़ा पलटवार किया।

जनता द्वारा नकारा जानाः विज ने कहा कि देश में अब राहुल गांधी की बातों को कोई गंभीरता से नहीं ले रहा है और वे केवल बातों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहे हैं।

झूठे आरोपः उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वे कहते हैं कि चुनाव आयोग प्रमुख उनसे नहीं मिल रहे, लेकिन वे कभी यह नहीं बताते कि उन्होंने मिलने का समय कब मांगा था। कांग्रेस केवल देश में अराजकता और भ्रम का माहौल फैलाना चाहती है। भाजपा द्वारा नंदीग्राम उपचुनाव में दर्ज की गई रिकॉर्ड जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए ऊर्जा मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में असली मालिक जनता होती है। कांग्रेस पार्टी द्वारा तमाम राजनीतिक उठक-पटक और ऊहापोह करने के बाद भी जनता ने उन्हें करारी शिकस्त दी है। इस चुनाव में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुला और एनडीए ने चार सीटें जीतकर यह साबित कर दिया कि देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के साथ खड़ी है।

महिला समर्थ संस्थान पुरस्कार के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर तक बढ़ाई

पात्र संस्थान अब 15 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन कर सकेंगे आवेदन

एजेंसी

फरीदाबाद। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से 'महिला समर्थ संस्थान पुरस्कार' योजना के तहत पात्र संस्थानों को आवेदन करने का एक और अवसर प्रदान किया गया है। इस योजना के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन जमा करवाने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर अब 15 अक्टूबर 2026 कर दिया गया है।

महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि विभाग द्वारा पूर्व में जारी सुचना के माध्यम से 'महिला समर्थ संस्थान पुरस्कार' योजना के लिए पात्र संस्थानों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। इसके तहत आवेदन जमा करवाने की अंतिम तिथि 20 सितंबर 2026 निर्धारित की गई थी। उन्होंने बताया कि संस्थानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। अब सभी इच्छुक एवं पात्र संस्थान 15 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन माध्यम से अपने आवेदन जमा करवा सकते हैं। उन्होंने पात्र संस्थानों से अपील की कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूरी करें और योजना का लाभ उठाने के लिए समय रहते आवेदन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूर्व में जारी विज्ञापन की अन्य सभी शर्तें, नियम एवं प्रावधान पहले की तरह लागू रहेंगे।

राज्य स्तरीय महिला पुरस्कारों के लिए 5 नवंबर तक जमा करवाएं सिफारिशें : उपायुक्त

- **महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए कृतसंकल्प हरियाणा सरकार**
- **प्रत्येक वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 8 मार्च को प्रदान किए जाते हैं पुरस्कार**

एजेंसी

पलवल। हरियाणा सरकार महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए कृतसंकल्प है। इसी उद्देश्य से हरियाणा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली एवं उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं से राज्य स्तरीय पुरस्कारों के लिए 5 नवंबर तक सिफारिशें आमंत्रित की गई हैं।

उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने जानकारी देते हुए बताया कि महिला एवं बाल विकास की ओर से प्रतिवर्ष विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं को अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है और यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 8 मार्च को प्रदान किए जाते हैं। इन पुरस्कारों में सुषमा स्वराज पुरस्कार के तहत 5 लाख रुपए एवं प्रशस्ति पत्र, इंदिरा गांधी महिला शक्ति पुरस्कार के तहत 1 लाख 50 हजार रुपए एवं प्रशस्ति पत्र, कल्पना चावला शौर्य पुरस्कार तथा बहन शन्नो देवी पंचायती राज पुरस्कार के तहत 1-1 लाख रुपए एवं प्रशस्ति पत्र, लाइफ टाइम अचीवर्स पुरस्कार के तहत 51 हजार रुपए तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

उन्होंने बताया कि सरकारी कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ता और महिला उद्यमी को (दो-दो पुरस्कार) के तहत 21-21 हजार रुपए व प्रशस्ति पत्र दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इन पुरस्कारों के संदर्भ में अधिक जानकारी के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग की वेबसाइट wcdhry.gov.in/ पर देखी जा सकती है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत विद्यार्थियों ने रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से दिया सामाजिक जागरूकता का संदेश

- **चित्रकला, कविता और अन्य गतिविधियों के जरिए विद्यार्थियों ने किया सेवा, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक**

एजेंसी

फरीदाबाद। प्रदेश सरकार द्वारा आमजन को जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं से जोड़ने तथा सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान-2026' के तहत फरीदाबाद जिले के विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए रचनात्मक एवं जागरूकता आधारित गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को जनसेवा, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारी के महत्व से अवगत कराया गया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। अभियान के अंतर्गत सेक्टर-75 स्थित न्यू दिल्ली पब्लिक स्कूल में 'एक पेड़ मां के नाम' विषय पर कविता गतिविधि का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने कविताओं के माध्यम से मां के प्रति सम्मान और प्रकृति के साथ मानवीय संबंधों को अभिव्यक्त किया। साथ ही, विद्यार्थियों ने पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी

देखभाल करने का संदेश दिया। इसी क्रम में एसपी मॉडर्न स्कूल में विद्यार्थियों के लिए ड्रॉइंग गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने चित्रों के माध्यम से विभिन्न सामाजिक विषयों को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया। वहीं, सेक्टर-16 स्थित के.एल. मेहता दयानंद पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पेंटिंग गतिविधि आयोजित की गई।

जिम्मेदार अधिकारी समाधान शिविर में मौजूद रहकर मौके पर निपटाएं शिकायतें: विश्राम कुमार मीणा

शिकायत के बाद बिजली विभाग द्वारा तुरंत मीटर लगाने पर रामनगर कॉलोनी के शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री और उपायुक्त का जताया आभार

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि समाधान शिविरों में विभिन्न विभागों के जिम्मेदार अधिकारी बैठक में हिस्सा लें और मौके पर ही फैसला लेकर शिकायतों का समाधान करें। समाधान शिविर प्रदेश सरकार का प्रमुख कार्यक्रम है। इन शिविर में नागरिकों की शिकायतों का समाधान होने पर उन्हें किसी बड़े अधिकारी, मंत्री और मुख्यमंत्री के पास नहीं जाना पड़ेगा। समाधान शिविर में रामनगर कॉलोनी निवासी की शिकायत पर बिजली विभाग के कर्मचारियों ने तुरंत मौके जाकर मीटर लगाया। इस त्वरित कार्रवाई पर शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा का आभार

व्यक्त किया।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा लघु सचिवालय के सभागार में समाधान प्रकोष्ठ की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में सीएम विंडो, जनसंवाद, समाधान शिवर, एसएमजीटी, सीपीग्राम पर आने वाली शिकायतों की समीक्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से सभी उपायुक्तों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने सभी उपमंडलों के एसडीएम को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में कार्यालय से बाहर जाने पर सक्षम अधिकारी को नियुक्त करें और इसकी सूचना उपायुक्त कार्यालय में रिपोर्ट करें। उन्होंने कहा कि जिन विभागों की शिकायतें आती है, ऐसे विभाग के जिम्मेदार अधिकारी का शिविर में होना जरुरी है। जिन शिकायतों का समाधान नहीं होता, ऐसे नागरिक मुख्यमंत्री के पास शिकायत लेकर पहुंचा है। यदि उनकी शिकायतों का समाधान हो जाएगी तो वो आगे शिकायत नहीं करेंगे। कार्यालय में आने वाले नागरिकों का वहीं पर समाधान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ अधिकारी इन शिकायतों को लेकर गंभीर नहीं है और लंबे समय तक एटीआर तक नहीं भेजते। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सरकार में जीरो टॉलरेंस को लेकर काम कर रहे है।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि सीएम विंडो पर कुल 12465 शिकायतें आई है, इनमें से 146 शिकायतें ओवरडयू, 191 शिकायत इन-एक्शन, 78 शिकायतों की एटीआर भेजी जा चुकी है और 12177 शिकायतों को बंद किया जा चुका है।

समाधान शिविरों में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें अधिकारी : डीसी आयुष सिन्हा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की समाधान शिविरों की लंबित शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा

एजेंसी

फरीदाबाद। हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा में समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। इसके लिए शिकायतों की नियमित समीक्षा के साथ-साथ लंबित मामलों की विभागवार निगरानी की जाए और जिन मामलों में अनावश्यक देरी हो रही है, उनमें संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी की जिम्मेदारी तय की जाए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से सभी जिला उपायुक्तों के साथ समाधान शिविर पोर्टल पर लंबित शिकायतों को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के उपरान्त उपायुक्त

(डीसी) आयुष सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशों की अनुपालना में फरीदाबाद जिले में समाधान शिविरों की कार्यप्रणाली को और प्रभावी बनाया जाएगा। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए जाएंगे कि प्रत्येक शिकायत की नियमित निगरानी करें और शिकायतकर्ता को कार्रवाई की वास्तविक स्थिति से अवगत कराएं। जिन मामलों में जांच आवश्यक है, उनमें जांच के कारणों और निस्तारण में लगने वाले समय की स्पष्ट जानकारी रखी जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का केवल औपचारिक निस्तारण करने के बजाय समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। डीसी आयुष सिन्हा ने समाधान शिविरों में संबंधित अधिकारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी अधिकारी के अनुपस्थित रहने की स्थिति में उसके स्थान पर सक्षम अधिकारी को लिखित रूप से जिम्मेदारी सौंपी जाए। शिविरों में प्राप्त शिकायतों, उनके समाधान और लंबित मामलों का विवरण नियमित रूप से अपडेट किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई भी शिकायत ओवरड्यू नहीं होनी चाहिए। शिकायत के निपटारे के बाद एटीआर को सभी आवश्यक तथ्यों एवं दस्तावेजों के साथ सही तरीके से अपलोड किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि कोई भी डीडीओ बिना हस्ताक्षर एवं मुहर के एटीआर अपलोड न करे। एटीआर पर संबंधित सक्षम अधिकारी अथवा एमिनेंट पर्सन के हस्ताक्षर सुनिश्चित किए जाएं।

जिला में धान खरीद सीजन 2026-27 के लिए मंडियों में किए गए हैं पुख्ता प्रबंध, किसानों को नहीं होगी परेशानी : उपायुक्त

एजेंसी

पलवल। धान खरीद सीजन 2026-27 के मद्देनजर जिला पलवल में सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चत किए गए हैं। जिला में धान खरीद का कार्य हरियाणा राज्य भंडारण निगम द्वारा किया जा रहा है। किसानों को मंडियों में अपनी फसल बेचने के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों द्वारा व्यापक प्रबंध किए गए हैं।उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने जानकारी देते हुए बताया कि धान खरीद प्रक्रिया को सुचारू एवं पारदर्शी ढंग से संचालित करने के लिए संबंधित कर्मचारियों की विभिन्न मंडियों में ड्यूटी लगाई गई है। प्रदेश के खाद्य एवं आपूर्ति राज्य मंत्री राजेश नागर तथा खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम द्वारा पलवल एवं होडल अनाज मंडियों का निरीक्षण कर खरीद व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा चुका है। निरीक्षण के दौरान धान खरीद से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। उपायुक्त ने बताया कि वे स्वयं भी पलवल, होडल सहित अनाज मंडियों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा ले चुके हैं तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं की फसल खरीद सीजन के दौरान किसानों को कोई परेशानी न आए। इसके अतिरिक्त, जिला विपणन प्रवर्तन अधिकारी (डीएमईओ) एवं मार्केट कमेटियों के सभी सचिवों को निर्देश दिए गए हैं कि मंडियों में धान खरीद का कार्य व्यवस्थित एवं सुचारू रूप से सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है कि किसानों को मंडियों में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों और खरीद प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी या बाधा का सामना न करना पड़े। संबंधित विभागों और अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध तरीके से पूरी रखने तथा मंडियों में खरीद कार्य की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। किसानों से खरीदे गए धान को बिना अनावश्यक देरी के निर्धारित मिलों तक पहुंचाने के लिए आवंटित एमएलसी एवं एमटीसी ठेकेदारों को आवश्यक निर्देश जारी किए जा चुके हैं।

पूनावाला फिनकॉर्प का लाभ पांच गुना होकर 375 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली ।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) पूनावाला फिनकॉर्प का सितंबर तिमाही में मुनाफा पांच गुना होकर 375 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से ब्याज आय में वृद्धि के कारण कंपनी का लाभ बढ़ा है। कंपनी ने एक साल पहले की समान तिमाही में 74 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। पूनावाला फिनकॉर्प ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 2,625 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले की समान तिमाही में 1,543 करोड़ रुपये थी। कंपनी की ब्याज आय भी जुलाई-सितंबर तिमाही में उल्लेखनीय रूप से बढ़कर 2,416 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की इसी अवधि में 1,402 करोड़ रुपये थी। कंपनी की प्रबंधन अधीन परिसंपत्ति (एयूएम) 30 सितंबर, 2026 तक बढ़कर 74,008 करोड़ रुपये हो गईं।

केनरा एचएसबीसी लाइफ का लाभ पांच प्रतिशत बढ़कर 43 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में पांच प्रतिशत बढ़कर 43 करोड़ रुपये रहा। बीमा कंपनी ने पिछले वित्तवर्ष की समान तिमाही में 41 करोड़ रुपये का मुनाफा अर्जित किया था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि केनरा बैंक प्रवर्तित बीमा कंपनी की कुल आय आलोच्य तिमाही में बढ़कर 2,511 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 2,349 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 2,553 करोड़ रुपये का प्रीमियम जुटाया, जबकि पिछले वित्तवर्ष की समान तिमाही में यह 2,260 करोड़ रुपये था।

यूपी सरकार ने बढ़ाया धान खरीद का लक्ष्य, एमएसपी भी रिकॉर्ड स्तर पर

- अक्टूबर से शुरू होगी खरीद, 48 घंटे में भुगतान के निर्देश; ऐसे करें रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली ।

उत्तर प्रदेश सरकार ने खरीफ सीजन 2026-27 के लिए धान खरीद नीति को मंजूरी दे दी है, जिससे किसानों को इस बार अपनी उपज का अधिक दाम मिलेगा। सरकार ने न केवल समर्थन मूल्य (एमसएपी) में वृद्धि की है, बल्कि खरीद का लक्ष्य भी बढ़ाया है, जिससे अधिक किसानों को लाभ मिल सके। धान की फसल तैयार होने के साथ ही किसानों की नजरें अब सरकारी खरीद पर टिकी हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस साल 65 लाख मीट्रिक टन धान खरीदने का लक्ष्य रखा है, जो पिछले सीजन के 62 लाख मीट्रिक टन से 3 लाख मीट्रिक टन अधिक है। इसके लिए प्रदेशभर में 4,500 खरीद केंद्र बनाए जाएंगे, जहां आठ सरकारी एजेंसियां धान की खरीद करेंगी। खरीद प्रक्रिया दो चरणों में चलेगी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 12 अक्टूबर 2026 से 15 फरवरी 2027 तक और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 1 नवंबर 2026 से 28 फरवरी 2027 तक धान खरीदा जाएगा। समर्थन मूल्य की बात करें तो, सामान्य धान का एमएसपी 2,441 रुपये प्रति क्विंटल और ग्रेड-ए धान का 2,461 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है, जो पिछले साल से 72 रुपये प्रति क्विंटल अधिक है। किसान खाद्य एवं रसद विभाग की वेबसाइट एफसीएसडाटअपडाटजीओवीडाटइन पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन के लिए आधार कार्ड, आधार से जुड़ा मोबाइल नंबर, बैंक खाते का विवरण और जमीन के कागजात आवश्यक होंगे।

यूबॉन ने किया नया सीएच-285 2-इन-1 पार्टी ड्राइव एफएम कार मॉड्यूलेटर लॉन्च

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड यूबॉन ने एक नया सीएच-285 2-इन-1 पार्टी ड्राइव एफएम कार मॉड्यूलेटर लॉन्च किया है। कंपनी द्वारा यह डिवाइस खासतौर पर रोड ट्रिप और पारिवारिक यात्राओं के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो म्यूजिक और मनोरंजन को बेहतर बनाता है। इसकी सबसे खास बात इसमें मिलने वाले दो वायरलेस माइक्रोफोन हैं, जो कार के एफएम सिस्टम के साथ मिलकर उपयोगकर्ताओं को कार के अंदर ही कराओके का अनुभव देते हैं। यह डिवाइस किसी भी स्मार्टफोन या अन्य संगत डिवाइस से वायरलेस तरीके से कनेक्ट हो सकता है, जिससे म्यूजिक को कार के एफएम ऑडियो सिस्टम पर सुना जा सकता है। कराओके के अनुभव को और मजेदार बनाने के लिए, यूबॉन ने इसमें 6 अलग-अलग वॉयस इफेक्ट्स दिए हैं, जिनकी मदद से उपयोगकर्ता अपनी आवाज में विभिन्न तरह के प्रभाव जोड़ सकते हैं।

भारतीय शेयर बाजार अन्य क्षेत्रीय बाजारों की तुलना में कर सकता है अच्छा प्रदर्शन, कॉरपोरेट आय 17 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद - रिपोर्ट

नई दिल्ली।

भारतीय शेयर बाजार इस साल डॉलर में 15.6 प्रतिशत गिरने के बाद भी अन्य क्षेत्रीय बाजारों की तुलना में अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। साथ ही, अगले वित्त वर्ष में कॉरपोरेट आय में 17 प्रतिशत तक की बढ़त हो सकती है। जेफरीज के इक्विटी स्ट्रैटेजी के ग्लोबल हेड क्रिस वुड द्वारा तैयार की गई %एशिया मैक्सिमा% रिपोर्ट में एमएससीआई एसी एशिया पैसिफिक (जापान को छोड़कर) इंडेक्स में 10.5 प्रतिशत के वेटेज के मुकाबले भारत के लिए 12 प्रतिशत आवंटन की सिफारिश की गई थी।

स्थानीय मुद्रा में निफ्टी 13.4 प्रतिशत नीचे है और इंडोनेशिया (जिसमें 42.3 प्रतिशत की गिरावट आई है) के बाद दूसरा सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला मार्केट है।

रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की संरचनात्मक विकास की कहानी बरकरार है और डेटा भी मजबूत बना हुआ है।

वुड का मानना है कि वित्त वर्ष 27 में भारत की रियल जीडीपी वृद्धि दर 6.5-7 प्रतिशत के बीच रह सकती है। वहीं, नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर 11-12 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

इसके अलावा, चालू वित्त वर्ष में कॉरपोरेट आय वृद्धि दर 14 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष में यह 17 प्रतिशत रहने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि सितंबर के मध्य तक बैंक क्रेडिट में साल-दर-साल 18.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, अगस्त में कॉर्पोरेट लोन 21.6 प्रतिशत बढ़े,

छोटे, मध्यम और सूक्ष्म उद्यमों (एमएसएमई) को दिए गए लोन में 25.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई और जमा राशि में 17.3 प्रतिशत का इजाफा हुआ।

रिपोर्ट के अनुसार, कॉर्पोरेट लोन में बढ़ोतरी से संकेत मिलता है कि निजी क्षेत्र का लंबे समय से प्रतीक्षित पूंजीगत व्यय चक्र आखिरकार शुरू हो सकता है।

इसके अलावा, अगस्त में समाप्त 12 महीनों में मशीनरी का आयात कुल 66 अरब डॉलर रहा, जबकि वित्त वर्ष 2021 में यह 29 अरब डॉलर था।

वुड ने यह भी बताया कि 2025 की शुरुआत से 10.7 प्रतिशत की गिरावट के बाद भारतीय रुपया शायद अपने निचले स्तर पर पहुंच गया है।

बीते सप्ताह सोने में हल्की तेजी, चांदी में गिरावट रही

सोना 1829 रुपये प्रति 10 ग्राम बढ़कर 149430 रुपए, चांदी में 3048 की गिरावट

नई दिल्ली।

बीते सप्ताह भारतीय सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों में मामूली तेजी दर्ज की गई, हालांकि यह 1.50 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर से नीचे बना हुआ है। वहीं चांदी के दाम में गिरावट देखने को मिली। वैश्विक अस्थिरता, बढ़ती ब्याज दरें और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल जैसे कारक सोने के बाजार पर दबाव बनाए हुए हैं। इंडियन बुलियंस ज्वैलर्स एसोसिएशन की रिपोर्ट के अनुसार 24 कैरेट सोने का भाव बीते सप्ताह 1829 रुपये प्रति 10 ग्राम बढ़कर 149430 रुपये पर पहुंच गया है। इसके बावजूद यह 1.50 लाख रुपये के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे बना हुआ है। दूसरी ओर चांदी के दाम में 3048 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई है और यह शुक्रवार को 221109 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। अमेरिकी फेड रिजर्व और आरबीआई द्वारा हाल ही में ब्याज दरों में बढ़ोतरी, वैश्विक बॉन्ड यील्ड में लगातार तेजी और भू-राजनीतिक अस्थिरता ने सोने पर नकारात्मक प्रभाव डाला है। विश्लेषकों का मानना है कि निवेशक सोने की बजाय बॉन्ड बाजार का रुख कर रहे हैं, जिससे कीमती धातु करेक्शन के दौर से गुजर रही है। हालांकि, कुछ सकारात्मक संकेत भी हैं। चीन का केंद्रीय बैंक लगातार सोने की खरीदारी कर रहा है, और भारत सहित दुनिया भर में ईटीएफ की मांग में तेजी देखी जा रही है। अमेरिकी वित्तीय चिंताएं भी सोने को समर्थन दे सकती हैं।

उपग्रह ब्रॉडबैंड- भारत में एकाधिकार नहीं, तीन कंपनियों को लाइसेंस जारी- सिंधिया

- संचार मंत्री ने मस्क के आरोपों को खारिज किया, स्पेक्ट्रम मूल्य निर्धारण पर ट्राई से चर्चा जारी

नई दिल्ली ।

संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उपग्रह ब्रॉडबैंड (सैटकॉम) सेवाओं के लाइसेंसिंग विवाद पर भारत का रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि देश किसी भी क्षेत्र में एकाधिकार की अनुमति नहीं देगा। उन्होंने इंडिया मोबाइल कांग्रेस में बताया कि रिलायंस जियो, वनवेब और एलन मस्क की स्टारलिंक सहित सभी तीन प्रमुख कंपनियों को लाइसेंस दिए जा चुके हैं। सिंधिया का यह बयान ऐसे समय आया है जब एलन मस्क ने भारत में स्टारलिंक की सेवाओं को बाधित करने के ताकतवर कारोबारियों पर आरोप लगाए थे। सरकार ने इन आरोपों को निराधार बताया है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि एमेजॉन कुइपर जैसी अन्य इच्छुक कंपनियों को भी निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होगा, क्योंकि भारत की दूरसंचार और उपग्रह सेवाओं की मंजूरी व्यवस्था निष्पक्ष और भेदभाव रहित है। सरकार उपग्रह स्पेक्ट्रम की कीमत तय करने के लिए भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के साथ चर्चा कर रही है। संचार मंत्री ने जोर देकर कहा कि सभी कंपनियों को सेवाएं शुरू करने से पहले सुरक्षा संबंधी शर्तों को पूरा करना होगा, जिसकी जांच और मंजूरी गृह मंत्रालय द्वारा की जाएगी। सरकार का प्राथमिक लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि भारतीय उपभोक्ताओं को विविध सेवाएं मिलें और वे अपनी पसंद का सेवा प्रदाता चुन सकें।

सेंसेक्स-निफ्टी में एक फीसदी से अधिक की तेजी रही

आठ हफ्तों की गिरावट से राहत, फिर बिकवाली और शुक्रवार को जोरदार वापसी

मुंबई ।

लगातार आठ हफ्तों की गिरावट के बाद भारतीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। निवेशकों को सप्ताह की शुरुआत में जहां कुछ राहत मिली, वहीं मध्य सप्ताह में अचानक आई तेज बिकवाली ने बाजार को झकझोर दिया। हालांकि, सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन जोरदार वापसी के साथ बाजार ने सकारात्मक नोट पर समापन किया, जिससे पिछली कुछ हानियों की भरपाई हुई। राहत भरी तेजी सप्ताह की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार के लिए आशावादी रही। आठ हफ्तों की लगातार गिरावट के बाद निवेशकों को राहत मिली। सोमवार को प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान पर कारोबार करते दिखे, जहां सेंसेक्स 355.14 अंक बढ़कर 72,264.84 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 101.00 अंक की बढ़त के साथ 22,522.95 पर बंद हुआ। यह तेजी मंगलवार को भी जारी रही। बैंकिंग और कुछ चुनिंदा शेयरों में खरीदारी के दम पर सेंसेक्स 685.34 अंक की मजबूत बढ़त के साथ 73,067.81 पर और निफ्टी 220.35 अंक उछलकर 22,776.10 पर पहुंच गया। इस शुरुआती उछाल से निवेशकों में सकारात्मक धारणा बनी। हालांकि, सप्ताह के मध्य में बाजार की धारणा तेजी से बदली। बुधवार को दो दिन की राहत रैली पर विराम लग गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा नीतिगत दरों में बढ़ोतरी की आशंका, बढ़ती कच्चे तेल की कीमतें और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने बिकवाली को बढ़ावा दिया। सेंसेक्स 429.11 अंक गिरकर 72,638.70 पर और निफ्टी 173.05 अंक टूटकर 22,603.05 पर समाप्त हुआ। गुरुवार को स्थिति और बिगड़ गई, जब बाजार में चौतरफा बिकवाली देखी गई, जो सप्ताह की सबसे

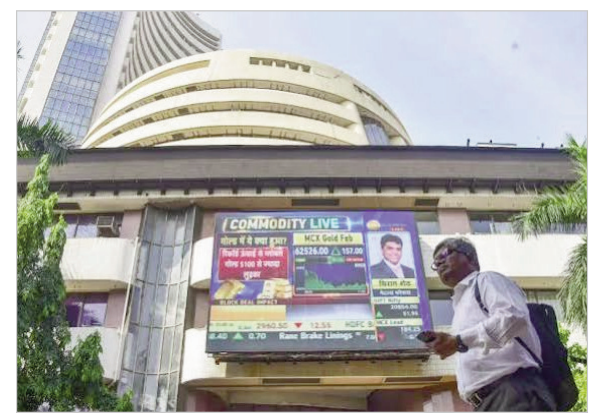

बड़ी गिरावट साबित हुई। सेंसेक्स 1,045.46 अंक से अधिक लुढ़ककर 71,593.24 पर और निफ्टी 371.25 अंक टूटकर 22,231.80 पर बंद हुआ। इस एक दिन की भारी गिरावट से निवेशकों को लगभग 11.37 लाख करोड़ रुपये का भारी नुकसान हुआ। दो दिन की लगातार गिरावट के बाद सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार ने एक बार फिर जबरदस्त वापसी करते हुए निवेशकों को बड़ी राहत दी। आईटी शेयरों में तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने बाजार को सहारा दिया। सेंसेक्स 879.09 अंक की जोरदार उछाल के साथ 72,472.33 पर और निफ्टी 288.65 अंक बढ़कर 22,520.45 पर बंद हुआ। इस मजबूत वापसी ने सप्ताह के मध्य में हुई अधिकांश हानियों की भरपाई कर दी और बाजार ने सकारात्मक नोट पर सप्ताह का समापन किया।

एयरटेल मनी लंदन शेयर बाजार में सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

अफ्रीका के डिजिटल वित्तीय सेवा मंच एयरटेल मनी ने लंदन शेयर बाजार (एलएसई) में सफलतापूर्वक कारोबार की शुरुआत की है, जो कई वर्षों का सबसे बड़ा आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बन गया है। इस सूचीबद्धता को भारती समूह के ब्रिटेन में दीर्घकालिक निवेश के विस्तार के रूप में देखा जा रहा है। भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक एवं चेयरमैन सुनील मित्तल ने एयरटेल मनी की सफल सूचीबद्धता का स्वागत करते हुए कहा कि यह ब्रिटेन पर वैश्विक निवेशकों के भरोसे को दर्शाता है, जहां स्थिर कारोबारी और नीतिगत माहौल है। उन्होंने 2019 में एयरटेल अफ्रीका की लिस्टिंग का हवाला देते हुए कहा कि इन्हीं परिस्थितियों के कारण लंदन इस नई लिस्टिंग के लिए स्वाभाविक विकल्प बना। एयरटेल मनी ने 1.96 पाउंड प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर कारोबार शुरू किया। हालांकि, शुरुआती कारोबार में शेयर 2.00 पाउंड तक पहुंचा, लेकिन बाद में 1.94 पाउंड पर बंद हुआ, जो निर्गम मूल्य से थोड़ा कम है। इस कीमत के आधार पर कंपनी का बाजार पूंजीकरण लगभग 7 अरब अमेरिकी डॉलर (5.3 अरब पाउंड) आंका गया, जो पहले के 8-9 अरब डॉलर के मूल्यांकन अनुमान से कम है। फिलहाल, शेयर में सशर्त कारोबार हो रहा है, और नियमित कारोबार 14 अक्टूबर, 2026 से शुरू होगा। भारती एयरटेल की एयरटेल मनी में अप्रत्यक्ष आर्थिक हिस्सेदारी लगभग 61.6 प्रतिशत है।

मोबाइल कंपनियों के समान हों सैटकॉम स्पेक्ट्रम के नियम- एयरटेल

नई दिल्ली ।

भारती एयरटेल ने उपग्रह संचार (सैटकॉम) कंपनियों द्वारा मोबाइल फोन पर सीधे सिग्नल भेजने वाली डायरेक्ट-टू-डिवाइस (डी2डी) सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम के प्रशासनिक आवंटन पर सवाल उठाया है। कंपनी ने मांग की है कि यदि उपग्रह कंपनियां उसी स्पेक्ट्रम का उपयोग करती हैं, जिसका उपयोग मोबाइल सेवा प्रदाता करते हैं, तो उन पर दूरसंचार कंपनियों के समान नियम लागू होने चाहिए। इंडिया मोबाइल कांग्रेस में एयरटेल के कॉरपोरेट मामलों के निदेशक राहुल वत्स ने जोर देकर कहा कि स्पेक्ट्रम के मूल्य निर्धारण, लाइसेंस की शर्तों और सुरक्षा सहित सभी नियम समान होने चाहिए। उन्होंने बताया कि जहां दूरसंचार कंपनियों को मोबाइल सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम नीलामी के जरिए मिलता है, वहीं सैटकॉम कंपनियों को प्रशासनिक प्रक्रिया से आवंटित किया जाता है। हाल ही में, एलन मस्क की स्टारलिंक ने भी अंतरिक्ष से मोबाइल सेवाएं देने के लिए 800 मेगाहर्ट्ज बैंड में स्पेक्ट्रम हासिल किया है। वत्स ने स्पष्ट किया कि डी2डी सेवाओं में मोबाइल फोन पर इस्तेमाल होने वाले स्पेक्ट्रम का उपयोग होता है, इसलिए ऐसे स्पेक्ट्रम का आवंटन नीलामी से ही होना चाहिए।

आम्रपाली धोखाधड़ी- ईडी ने दिल्ली में 54 करोड़ का आलीशान मकान किया कुर्क

घर खरीदारों से 5,000 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी के मामले में हुई कार्रवाई

नई दिल्ली ।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आम्रपाली समूह और उससे जुड़ी संस्थाओं के खिलाफ धनशोधन की चल रही जांच के तहत दिल्ली के पॉश महारानी बाग इलाके में 54.71 करोड़ रूपए मूल्य का एक मकान अस्थायी रूप से कुर्क किया है।

एजेंसी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्रवाई घर खरीदारों के साथ कथित धोखाधड़ी से जुड़े बड़े मामले का हिस्सा है। यह मामला धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया गया है और उत्तर प्रदेश व दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज 18 प्राथमिकियों से जुड़ा है। आरोप है कि आम्रपाली समूह ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा में कई आवासीय परियोजनाएं शुरू कर घर खरीदारों से 5,000 करोड़ रुपए से अधिक की बड़ी रकम जुटाई। समूह ने 36 महीने के भीतर फ्लैट देने या सुनिश्चित रिटर्न का वादा किया था, लेकिन परियोजनाओं को पूरा नहीं किया गया और न तो खरीदारों को फ्लैट का कब्जा मिला और न ही उनकी रकम वापस की गई। ईडी की जांच और फॉरेंसिक ऑडिट से पता चला कि घर खरीदारों से जुटाई गई 5,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि को मुखौटा कंपनियों और समूह की अन्य संस्थाओं में स्थानांतरित किया गया। इस रकम का एक हिस्सा समूह के प्रबंध निदेशक और उनके परिवार के सदस्यों के माध्यम से दिल्ली की सुरभी एडवरटाइजिंग को ऋण के रूप में भेजा गया था, जिसका उपयोग महारानी बाग स्थित कुर्क की गई संपत्ति के अधिग्रहण में किया गया। एजेंसी ने इस संपत्ति को अपराध से अर्जित आय के रूप में चिह्नित किया है। ईडी के लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय ने यह कार्रवाई की है। आम्रपाली समूह की ओर से इस मामले पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

पीएफ निकासी पर टीडीएस छूट के लिए अब फॉर्म 121

टैक्स ईयर 2026-27 से प्रभावी होगा यह नियम

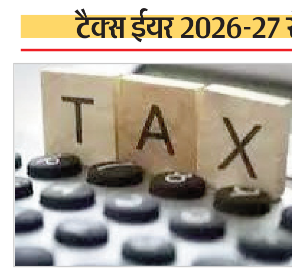

नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने पीएफ निकासी पर टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) छूट से जुड़े नियमों में एक महत्वपूर्ण बदलाव किया है। अब टैक्स ईयर 2026-27 से टीडीएस कटौती से बचने के लिए फॉर्म 15जी और फॉर्म 15एच की जगह एक नया फॉर्म 121 इस्तेमाल किया जाएगा। यह कदम कर्मचारियों के लिए टीडीएस छूट का दावा करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करेगा। अभी तक पीएफ निकासी पर टीडीएस से बचने के लिए कर्मचारी फॉर्म 15जी (60 से कम उम्र) या 15एच (वरिष्ठ नागरिक) जमा करते थे, जिसमें वे घोषणा करते थे कि उनकी अनुमानित वार्षिक आय पर कोई कर देनदारी नहीं बनती। लेकिन आयकर अधिनियम 2025 के नए नियमों के तहत, 1 अप्रैल 2026 से लागू टैक्स ईयर 2026-27 से, अब फॉर्म 121 का उपयोग होगा। ध्यान रहे, फॉर्म 121 भरने से पीएफ की रकम स्वतः कर-मुक्त नहीं होगी।

यह केवल उन पात्र कर्मचारियों को टीडीएस कटौती न करने का अनुरोध करने की सुविधा देगा, जिनकी अनुमानित कुल आय पर उस वित्त वर्ष में कोई कर देनदारी नहीं बनती। वैध पेन अनिवार्य है, और एनआरआई व कर देनदारी वाले व्यक्ति इस सुविधा के पात्र नहीं होंगे। ईपीएफओ ने क्षेत्रीय कार्यालयों को फॉर्म 121 के लिए यूनिक आइडेंटिफिकेशन नंबर जारी करने, साथ ही ऑनलाइन जमा और ई-साइन की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं, जिससे प्रक्रिया पारदर्शी बनेगी और आवेदन की स्थिति ट्रैक करना आसान होगा।

बिहार का मखाना वैश्विक पटल पर, निर्यात 30 हजार टन करने का लक्ष्य

'मखाना से समृद्धि अभियान' के तहत अंतरराष्ट्रीय पहचान बना रहा मिथिला मखाना

पटना ।

बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने घोषणा की कि राज्य का मखाना अब 20 से अधिक देशों में पहुंच चुका है। सरकार ने वित्त वर्ष 2030-31 तक मखाना का निर्यात बढ़ाकर 30,000 टन करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। जीआई टैग प्राप्त मिथिला मखाना को अंतरराष्ट्रीय बाजार में विशेष पहचान दिलाने के लिए एपीडा के सहयोग से मखाना से समृद्धि अभियान चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि करना है। कृषि विभाग के अनुसार देश के कुल मखाना उत्पादन में बिहार की हिस्सेदारी लगभग 80 से 85 प्रतिशत है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 20 से अधिक देशों को 7,200 टन से अधिक मखाना का निर्यात कर 2.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आय अर्जित की थी। अमेरिका, पश्चिम एशिया और अफ्रीका जैसे बाजारों में इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। हाल ही में, जीआई टैग प्राप्त मिथिला मखाना की खेप अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ग्रीस भेजी गई। पहली बार बियाडा के बिहटा औद्योगिक क्षेत्र से 18 टन मिथिला मखाना समुद्री मार्ग से ऑस्ट्रेलिया रवाना किया गया। सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक पांच साल के लिए 'मखाना से समृद्धि अभियान' शुरू किया है। इस अभियान का उद्देश्य मखाना की खेती का रकबा वित्त वर्ष 2025-26 के 41 हजार हेक्टेयर से बढ़ाकर 2030-31 तक 82 हजार हेक्टेयर करना, उत्पादन में वृद्धि करना और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बिहार की उपस्थिति को मजबूत करना है। मंत्री सिन्हा ने जोर दिया कि गुणवत्ता सुनिश्चित करने, जीआई टैग के माध्यम से पहचान बनाने और किसानों की बाजार तक पहुंच में सुधार से उनकी आय में वृद्धि के नए अवसर पैदा होंगे।

श्रीराम फाइनेंस ने बढ़ाई एफडी पर ब्याज दरें

11 अक्टूबर से लागू होंगी नई दरें

नई दिल्ली ।

वित्तीय सुरक्षा और भविष्य की जरूरतों के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) को एक भरोसेमंद निवेश विकल्प माना जाता है। इसी क्रम में श्रीराम फाइनेंस ने अपने एफडी निवेशकों को खुशखबरी देते हुए ब्याज दरों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह कदम ऐसे समय में आया है जब कई निवेशक सुरक्षित और बेहतर रिटर्न वाले विकल्पों की तलाश में हैं। श्रीराम फाइनेंस द्वारा बढ़ाई गई नई एफडी ब्याज दरें आगामी 11 अक्टूबर से लागू होंगी। कंपनी ने 10 करोड़ रुपये तक की जमा राशि पर विभिन्न अवधियों की एफडी पर ब्याज दरों में 0.15 फीसदी से 0.40 फीसदी तक की वृद्धि की है। इस बढ़ोतरी के बाद 36 से 60 महीने की एफडी पर अब सालाना 7.85 फीसदी ब्याज मिलेगा, जो पहले 7.5 फीसदी था। वहीं 15 महीने की डिजिटल एफडी पर ब्याज दर 7.1 फीसदी से बढ़कर 7.5 फीसदी कर दी गई है।

यह बदलाव निवेशकों को अपनी बचत पर अधिक रिटर्न कमाने का अवसर देगा। कंपनी ने वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष या उससे अधिक) के लिए सामान्य दर से 0.50 फीसदी (50 बेसिस पॉइंट) अधिक ब्याज का लाभ जारी रखा है।

हिमालय की प्रदूषण-मुक्ति भी हो पहाड़ी तीर्थयात्रा का उद्देश्य

ललित गर्ग

हिमालय हमें बहुत कुछ देता है-जल, वन, जैव विविधता, जलवायु संतुलन, संस्कृति और आध्यात्मिक ऊर्जा। बदले में हमारी जिम्मेदारी केवल वहां जाकर पूजा करना नहीं, बल्कि उस प्रकृति की रक्षा करना भी है। तीर्थयात्री यदि एक बोतल पानी लेकर पहाड़ पर जा सकता है तो खाली बोतल वापस भी ला सकता है। यह छोटा-सा संकल्प बड़े परिवर्तन का आधार बन सकता है।

हिमालय केवल पर्वतों की एक श्रृंखला नहीं है, वह भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक आस्था और प्राकृतिक जीवन का आधार है। उसकी चोटियों में तप की स्मृतियां हैं, उसकी नदियों में करोड़ों लोगों की जीवनधारा बहती है और उसकी घाटियों में असंख्य धार्मिक स्थल सदियों से श्रद्धालुओं को आकर्षित करते रहे हैं। हिमाचल प्रदेश सहित पूरे हिमालयी क्षेत्र में हिंदू धर्म के अनेक प्रमुख तीर्थस्थल हैं। इन स्थानों पर पहुंचना श्रद्धालुओं के लिए आस्था का विषय है, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि पिछले कुछ वर्षों में तीर्थयात्रा और पर्यटन के बीच की सीमा धुंधली होती जा रही है। दर्शन और आध्यात्मिक अनुभूति के साथ मनोरंजन, मौज-मस्ती और उपभोक्तावादी जीवनशैली का प्रवेश पहाड़ों की संवेदनशीलता पर भारी पड़ रहा है। हिमालय की सबसे बड़ी विशेषता ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी भी है। यहां का पर्यावरण अत्यंत नाजुक है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मिट्टी की परत पतली है, वनस्पतियों की पुनरुत्पादन क्षमता सीमित है और कचरे के प्राकृतिक रूप से नष्ट होने की प्रक्रिया मैदानी क्षेत्रों की तुलना में बहुत धीमी है। इसके बावजूद हम हजारों-लाखों लोगों को एक साथ इन क्षेत्रों में पहुंचा रहे हैं। वाहनों की लंबी कतारें, पार्किंग का दबाव, होटल और ढाबों का अनियोजित विस्तार, प्लास्टिक की बोतलें, खाद्य पदार्थों के रैपर, पॉलीथिन और डिस्पोजेबल सामग्री पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यावरण को लगातार चोट पहुंचा रहे हैं।

चारधाम यात्रा के दौरान इस वर्ष सितंबर के मध्य तक 800 टन से अधिक कचरा एकत्र होने की सूचना इस संकट की गंभीरता को सामने रखती है। केदारनाथ जैसे अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र में अप्रैल से अगस्त के बीच 50.30 टन कचरा जमा होना विशेष चिंता का विषय है। यह तथ्य इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में फेंकी गई एक प्लास्टिक बोतल केवल एक बोतल नहीं रहती, वह लंबे समय तक पर्यावरण में मौजूद रहकर मिट्टी, जलस्त्रोतों और वन्यजीवन के लिए खतरा बन सकती है। विडंबना देखिए-जिस स्थान पर मनुष्य आत्मशुद्धि, संयम और त्याग की भावना लेकर जाता है, वहीं वह अपने पीछे कचरे का निशान छोड़ आता है। क्या ऐसी यात्रा को वास्तव में तीर्थयात्रा कहा जा सकता है? तीर्थ का अर्थ केवल किसी मंदिर तक पहुंच जाना नहीं है। तीर्थ मनुष्य के भीतर परिवर्तन की यात्रा है। यदि मंदिर में माथा टेकने के बाद हम उसी पर्वत की गोद में प्लास्टिक फेंक दें, जिसकी पवित्रता के नाम पर वहां पहुंचे हैं, तो हमारी आस्था अधूरी रह जाती है।

इस संदर्भ में ह्यकैरी मी बैकह्ल अभियान उम्मीद की एक महत्वपूर्ण किरण है। लगभग पांच हजार तीर्थयात्रियों द्वारा करीब 18 किलोमीटर के रास्ते से 12 टन से अधिक कंप्रेस्ड प्लास्टिक वापस नीचे लाना बताता है कि श्रद्धालुओं को सहभागी बनाया जाए तो वे पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यह केवल कचरा उठाने का अभियान नहीं, बल्कि तीर्थयात्रा की मानसिकता बदलने का प्रयास है। ऐसे अभियानों को व्यापक स्वरूप देकर हिमाचल, उत्तराखंड और अन्य हिमालयी तीर्थ क्षेत्रों में लागू किया जाना चाहिए। अमरनाथ यात्रा से मिला अनुभव भी सकारात्मक दिशा दिखाता है। पुनः उपयोग किए जाने वाले बर्तनों और पानी भरने की सुविधाओं के विस्तार के कारण यात्रियों की संख्या में 17 प्रतिशत वृद्धि के बावजूद प्रति यात्री कचरे में 15 प्रतिशत कमी आना इस बात का प्रमाण है कि सुविधाजनक और वैज्ञानिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए तो पर्यावरणीय दबाव कम किया जा सकता है। इसलिए केवल श्रद्धालुओं से अपील करना पर्याप्त नहीं है, प्रशासन को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार सबसे सहज विकल्प बने।

हिमाचल प्रदेश के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर भीड़ का अनियंत्रित बढ़ना इसी व्यापक संकट का हिस्सा है। शिमला, मनाली, धर्मशाला, चामुंडा, ज्वालाजी, चिंतपूर्णी, नैना देवी और अन्य धार्मिक-पर्यटन स्थलों पर मौसम विशेष में बढ़ने वाला दबाव यातायात, जलापूर्ति, सीवेज, ठोस कचरा और स्थानीय संसाधनों पर असर डालता है। पहाड़ों की वहन क्षमता मैदानी शहरों जैसी नहीं है। इसलिए किसी भी तीर्थ या पर्यटन स्थल की लोकप्रियता को केवल अधिकाधिक लोगों को वहां पहुंचाने की सफलता के रूप में नहीं देखा जा सकता। अब समय आ गया है कि ह्यजितने अधिक पर्यटक, उतना अधिक विकासह्ल की सोच को ह्यजितना संवेदनशील पर्यावरण, उतना जिम्मेदार पर्यटनह्ल में बदला जाए। तीर्थस्थलों की वहन क्षमता का वैज्ञानिक अध्ययन हो और उसके आधार पर प्रतिदिन या मौसम के अनुसार आगंतुकों की संख्या निर्धारित की जाए। सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रभावी नियंत्रण हो, पानी के रिफिल स्टेशन बढ़ाए जाएं, बोतलों और पैकेजिंग के लिए डिपॉजिट-रिटर्न व्यवस्था लागू की जाए तथा कचरे को स्रोत पर ही अलग करने की व्यवस्था हो। दुकानदारों, होटल संचालकों और वेंडरों को उनके द्वारा उत्पन्न कचरे के प्रति जवाबदेह बनाया जाना चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण है तीर्थयात्री की मानसिकता में परिवर्तन। पहाड़ हमारे मनोरंजन के मैदान नहीं हैं। वे हमारी आने वाली पीढ़ियों की प्राकृतिक विरासत हैं। जिस नदी के किनारे हम पूजा करते हैं, वही नदी नीचे बसे करोड़ों लोगों का जीवन है। जिस जंगल को हम कैमरे में कैद करते हैं, वही जंगल पहाड़ी पारिस्थितिकी को संतुलित करता है। जिस पर्वत को हम देवभूमि कहकर नमन करते हैं, उसकी ढलानों पर प्लास्टिक फेंकना हमारी अपनी श्रद्धा का अपमान है। नेपाल और हिमालयी क्षेत्र में समय-समय पर अत्यधिक वर्षा, बाढ़, भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं ने यह चेतावनी दी है कि पर्वतीय पारिस्थितिकी के साथ छेड़छाड़ के परिणाम गंभीर हो सकते हैं। हर आपदा को सीधे पर्यटन या प्रदूषण का परिणाम मानना वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं होगा, लेकिन इतना निश्चित है कि अनियोजित निर्माण, अत्यधिक मानवीय दबाव, वन क्षरण और कचरा प्रबंधन की कमजोरी पर्वतीय क्षेत्रों की संवेदनशीलता को बढ़ा सकती है।

संपादकीय

कैंसर इलाज में राहत

सही मायने में इसे एक अमानवीय कृत्य ही कहा जाएगा कि कैंसर जैसे घातक रोग से जूझ रहे मरीजों से दवाओं के मनमाने दाम वसूले जाएं। इस जानलेवा रोग से जूझ रहे मरीजों को यूं तो उपचार की अन्य मदों में भी काफी खर्च करना पड़ता है, लेकिन दवाओं की अधिक कीमतों पर नियंत्रण लगाया जाना किसी हद तक राहतकारी साबित हो सकता है। अब केंद्र सरकार ने नॉन-शेड्यूल्ड एंटी-कैंसर दवाइयों पर ट्रेड मार्जिन को तीस फीसदी तक सीमित करने का फैसला किया है। निस्संदेह, यह कदम उस हेल्थकेयर क्षेत्र में एक स्वागत योग्य पहल है, जहां मरीजों को अधिक पैसा चुकाने को मजबूर होना पड़ता है। दरअसल, कैंसर का त्रास झेल रहे व्यक्ति व उसके परिवार पर इस रोग का उपचार आर्थिक रूप से भारी बोझ डालता है। ऐसे में कैंसर रोग में काम आने वाले दवाइयों की कीमत में कमी लाने का प्रयास समय की जरूरत भी है। सरकार का अनुमान है कि दवाइयों की कीमतों में नये सिरे से नियमन के जरिये मरीजों को हर साल 2,500 करोड़ रुपये तक की बचत होगी। इस बाबत दावा किया जा रहा है कि कुछ दवाइयों की कीमतों में सत्तर फीसदी तक की कमी आ सकती है। हालांकि, मरीजों को लाभ के आंकड़े अनुमानित हैं और इनकी हकीकत प्रावधानों के लागू होने पर ही स्पष्ट हो पायेगी। वास्तव में सबसे पहले यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि दशार्यी जा रही राहत वास्तव में मरीजों तक भी पहुंचे। समय रहते अधिकारियों को तुरंत उन दवाओं की जानकारी मरीजों व तिमारदारों को देनी चाहिए, जिन पर यह कटौती लागू की गई है। साथ ही दर्ज की गई कीमतों में बदलाव को भी स्पष्ट करना चाहिए। इसके अलावा नियमों का पालन सुनिश्चित करने पर नजर रखी जानी चाहिए। दूसरी ओर ज्यादा कीमत वसूलने वालों पर जुमार्ना लगाया जाना चाहिए। सरकार को यह भरोसा भी कायम करना होगा कि नई कीमत नियमन के लागू होने के बाद दवा कंपनियां सप्लाई यथावत बनाये रखेंगी। सही मायने में कीमतों में आई असली कमी झ्रमरीजों की बचत और दवाइयों की उपलब्धता की समय-समय पर जानकारी देने से ही सुनिश्चित हो सकेगी। तभी पता चलेगा कि यह कदम वास्तव में कितना कारगर है। दरअसल, सरकार द्वारा कैंसर के मरीजों को राहत देने का यह प्रयास नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी के 2019 के उस फैसले को ही आगे बढ़ाता है, जिसमें 42 नॉन-शेड्यूल्ड कैंसर-रोधी दवाओं को शामिल किया गया था। दावा किया जाता रहा है कि उस पहल के उपरांत दवाइयों के 526 ब्रांड्स में वार्षिक रूप से 984 करोड़ रुपये की बचत मरीजों को हुई थी। अतः पिछला अनुभव बताता है कि ट्रेड मार्जिन को रेगुलेट करने से पूरी मार्केट में एक जैसी कीमतें लागू किए बिना भी मरीजों को वास्तविक लाभ जमीनी स्तर पर मिल सकता है। वास्तव में कैंसर के मरीजों को राहत देने के उपायों के क्रम में और अधिक दवाइयों को इस राहत के दायरे में लाना होगा। जिसमें विदेशों से आयातित और पेटेंटेड दवाइयां भी शामिल हैं। तभी कैंसर रोगियों को वास्तव में अधिक राहत मिल सकेगी क्योंकि अभी भी उन्हें बहुत ज्यादा कीमत चुकानी पड़ रही है।

चिंतन-मनन

सुखी रहने के लिए लें धर्म की शरण!

दुनिया का हर व्यक्ति केवल सुख ही चाहता है। दुख से सब दूर भागते हैं। यदि हमें सुखी रहना है तो सबसे पहले धर्म से जुड़ना होगा। किसी के मन को दुखाना भी पाप है। भागदौड़ भरी जिंदगी में आज हर व्यक्ति विवेक नहीं रख पाता है। इसलिए पाप बंध को बांधता चला जाता है और पाप बंधने के कारण सुखी नहीं हो पाता। इसलिए सुखी रहने के लिए धर्म की शरण में जाकर धर्म के मर्म को समझना होगा। धर्म की शुरूआत व्यक्ति को सबसे पहले अपने घर से ही करना चाहिए। यदि हम विवेकपूर्ण जीवन जिएंगे तो पाप से बच पाएंगे और जो पाप से बच पाएगा, वहीं सही मायनों में धर्म से भी जुड़ पाएगा। मयार्दाओं को भंग करना पाप की श्रेणी में आता है। इसी तरह किसी के मन को दुखाना भी पाप है। हमें अपने जीवन काल में सुख प्राप्ति के लिए जिनवाणी को आचरण में उतारना होगा, क्योंकि जिनवाणी अमृत रूप है। हमारा सौभाग्य है कि हमें जिनवाणी श्रवण का सुअवसर मिला है। जीवन में यदि सुख प्राप्त करना है तो जिनवाणी को आचरण में उतारना होगा।

धर्म आधारित जीवन जीते हुए ही मनुष्य वैराग्य की ओर अग्रसर हो सकता है। संपूर्ण जीवन लोभ, मोह, मद, मान और माया में ही व्यतीत हो जाता है और प्रभु आराधना का समय ही नहीं मिल पाता तथा व्यक्ति संसार से प्रस्थान भी कर जाता है। संसार में रहते हुए वैराग्य के प्रसंग जीवन में आते हैं। फिर भी विरक्ति नहीं होती। इसलिए निरंतर साधना व स्वाध्याय करते रहना चाहिए। सुखी और सफल जीवन के लिए भौतिक सुख नहीं, आध्यात्मिक सुख ज्यादा जरूरी है, जो वैराग्य से ही प्राप्त हो सकता है। संसार के सभी जीव सुख चाहते हैं। सभी लोग सुख प्राप्त करने के लिए ही पुरुषार्थ करते हैं, लेकिन सच्चा सुख कहां है, इसका हमें ध्यान नहीं है। जो जीवात्मा अरिहंत परमात्मा की वाणी को आत्मसात करती है, उसकी सभी प्रकार की आधि-व्याधि नष्ट हो जाती है। जिसने आत्मस्वरूप की पहचान कर ली है, वही धर्मध्यान में लीन होगा। हमारे आर्तध्यान और रौद्रध्यान से जीवन भटक जाता है। धर्मध्यान को अपनाकर व्यक्ति प्रत्येक परिस्थिति में भी समभाव को धारण कर सकता है। आज धर्मध्यान की जगह धन का ध्यान ज्यादा किया जा रहा है। पैसा साधन जरूर है, पर वह साध्य नहीं है। विडंबना यह है कि आज व्यक्ति धन को ही साध्य मानने की भूल कर रहा है।

नवरात्र पर घर घर मे होती है साझी पूजा

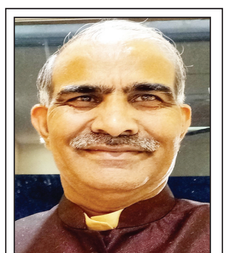

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

नवरात्र का पर्व देवी पूजा के विभिन्न रूपो की साधना का अवसर है। जिसमे आस्था, लोकसंस्कृति, शिल्प कला और बच्चों में कलात्मक गुणों का समावेश करने की पुरातन परम्परा है।इन्ही में से एक है,नवरात्र पर देवी रूप में सांझी की स्थापना और फिर पूरे नवरात्र सांझी की लोकगीतों के साथ पूजा।स्तुति रूपी इन लोकगीतों में, लिल्ली धोडी रे कौन फिरे सवार, मै था दुलीचन्द बोबो हे, सांझी का लेवणहार। बोबो थोडा पिला दे हे तेरा बीर प्यासा जाए। नवरात्रों पर हर घर में यह लोकगीत पुराने समय से गाया जाता है।सांझी की आरती के रूप में सुबह शाम गाये जाने वाले इस लोग गीत में कही न कही एक संदेश है,साथ ही भारतीय संस्कृति की अनूठी झलक भी इस गीत में देखने को मिलती है। श्राद्ध के अन्तिम दिन अमावस्या को देवी रूप में मिटटी से बनी मां सांझी को प्रतिष्ठित कर मां सांझी की पूरे नवरात्रों तक पूजा अर्चना की जाती है। पहले गांव हो या शहर, घर लडकियां कच्ची मिटटी से नई नई डिजाईन व नये नये साज श्रंगार के साथ सांझी तैयार करती थी। सांझी के साथ चांद तारे से लेकर कई आकृतियां सजाई जाती थी। जो शिल्पकला का अदभुत नमूना होता है।

श्राद्ध पक्ष आते ही सांझी बनाने का सिलसिला शुरू हो जाता है और नवरात्र से एक दिन पहले गोबर से चिपकाकर दिवारों पर सांझी लगाई जाती है।समय के साथ सांझी भी हाईटेक हो गई है। अब सांझी घरो में बनाने के बजाए बाजार से खरीदकर लगाई जाती है।एक सांझी 100 रुपए से 500 रुपए तक आसानी से मिल जाती है। ऐसे में सांझी को घर में बनाने की परम्परा अब खत्म प्रायः हो गई है।जिससे घर की लडकियां सांझी बनाने की शिल्पकला से वंचित हो गई है। एक बोध कथा के अनुसार, सांझी एक गरीब परिवार में जन्मी एक ऐसी लडकी थी, जिसे ससुराल भी गरीब ही मिली।

ससुराल में सांझी को कई झूठे इल्जाम और ताने सहन करने पडतें थे। यानि सांझी को ससुराल में प्रताडित किया गया। सांझी को मायके लिवाने जब उसका भाई दुलीचन्द उसकी ससुराल आया तो उससे सांझी की पीडा देखी नही गई। हद तो तब हो गई जब ससुराल वालों ने सांझी को उसके भाई के साथ भेजने से इंकार कर दिया।सांझी जिद पर अड गई और भाई दुलीचन्द के साथ मायके चली गई । जहां पहुंचने पर सांझी की आरती उतारकर पूरे गांव ने स्वागत किया। सांझी के मायके में स्वागत के दौरान चना जिसे चाब कहा जाता है,का प्रसाद बाटा गया । तभी से यह पर्व मनाने और पर्व पर चाब के रूप में भीगे हुए चने बांटने की परम्परा है।

राधा बल्लभ संप्रदाय के अनुयायी सांझी को राधा कृष्ण की प्रेम भक्ति के रूप व्याख्यायित करते है तो कही कही सांझी की पूजा 16 दिनों तक किये जाने की भी परम्परा है। लोक कथाओं के साथ साथ लोक गीतों में कालजयी सांझी की कथा सहज ही समझ में आ जाती है। सांझी की आरती सुबह शाम करते समय प्रार्थना के रूप में जो लोक गीत गाए जाते है उन लोक गीतो की एक बानगी देखिए, चाब दे री चाब दे सांझी की मां चाब दे , तेरी सांझी जीवे चाब दे । इसी तरह आरता री आरता सांझी मां आरता । गाकर सांझी मां की पूजा की जाती है।

इसी सांझी मां की प्रतिमा के सामने सांझी स्थापना के अगले दिन कच्ची मिटटी में जौ बोये जाते है। प्रतिदिन सुबह शाम सांझी को स्नान कराते समय व भोग लगाते समय इन बोये गए जौ में नियमित पानी छिडकने से जौ अकुंरित होकर पौधा बनने लगता है जिसे नोरते कहते है। चूंकि दशहरे तक ये नोरते काफी बडे हो जाते है इस लिए इन्ही नोरतों से दशहरे की पूजाकर कर बहने अपने भाईयों के कानो पर नोरते रखकर उनकी दिधार्यु की कामना करती है और बदले में भाई अपनी बहन को सोगात देता है। हांलाकि सांझी प्रतिमा को दशहरे से एक दिन पूर्व ही श्राद्धाभाव से उतारकर किसी दरिया में विर्सजित कर दिया जाता है।घर की लडकिया सांझी प्रतिमा को विर्सजित करते समय उदास भी होती है क्योंकि उन्होने सांझी की प्रतिमा को बडे परिश्रम व उत्साह से बनाया था। परन्तु उन्हे यह ढांढस बंधाकर कि अगले साल फिर सांझी मां आएगी और उन्हे फिर से सांझी की एक अच्छी सी प्रतिमा बनाने का अवसर मिलेगा, लडकियों को मना लिया जाता है।सचमुच लडकियों में सांझी बनाने के नाम पर उनकी शिल्पकला प्रर्दशित करने का नवरात्र एक अच्छा अवसर

है। जिसमें कन्या की पूजा के साथ ही स्त्री शक्ति सम्मान के रूप में मां दुर्गा का भावपूर्ण स्मरण किया जाता हैऔर श्रद्धालु पूरे नवरात्र उपवास रखकर मां सांझी व मां दुर्गा की पूजा अर्चना करते है। साथ ही नन्ही मुन्नी बच्चियों को भोजन कराकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। है न भारतीय संस्कृति की यह अनूठी परम्परा ,जहां आधी दुनिया यानि स्त्री जाति के सम्मान का एक बडा अवसर है। शास्त्रों में भी उल्लेख मिलता है कि जहां नारी का सम्मान होता है वहां ईश्वर वास करते है और जहां ईश्वर वास करते है वह स्थान स्वर्ग बन जाता है।तो आइए इस धरा को भी स्वर्ग बनाए कन्या भ्रूण हत्या होने न दे,बेटी के जन्म पर फक्र करे और उन्हें बेटो के समान पोषण व संरक्षण दे।तभी नवरात्र की सार्थकता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

बेटियों को बचपन, अधिकार और उड़ान देने का समय

श्वेता गोयल

बाल विवाह मिटेगा, तभी बेटियों का भविष्य खिलेगा...

किसी समाज की प्रगति का वास्तविक आकलन उसकी ऊंची इमारतों, आर्थिक समृद्धि अथवा तकनीकी उपलब्धियों से ही नहीं, इस बात से भी होता है कि वहां जन्म लेने वाली प्रत्येक लड़की को अपने सपने चुनने, उन्हें पूरा करने और अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेने की कितनी स्वतंत्रता प्राप्त है। विडंबना है कि 21वीं सदी में विज्ञान और तकनीक नई ऊंचाइयां छू रहे हैं, महिलाएं अंतरिक्ष से लेकर संसद तक अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं लेकिन दुनिया के अनेक हिस्सों में लाखों लड़कियों का बचपन आज भी बाल विवाह जैसी कुप्रथा की भेंट चढ़ रहा है। उनके हाथों में किताबों के बजाय घरेलू जिम्मेदारियां थमा दी जाती हैं और उनके सपनों को सामाजिक परंपराओं की दुहाई देकर समय से पहले कुचल दिया जाता है। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं बल्कि उस व्यवस्था से सवाल करने का दिन है, जो लड़की के जन्म से ही उसके भविष्य की सीमाएं निर्धारित करने लगती है।

प्रतिवर्ष 11 अक्तूबर को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस की स्थापना संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 19 दिसंबर 2011 को प्रस्ताव 66/170 के माध्यम से की थी। वर्ष 2012 में पहली बार इस दिवस का आयोजन हुआ। वर्ष 2026 का विषय है 'बाल विवाह समाप्त करो और लड़कियों के अधिकारों में निवेश करो!' यह संदेश स्पष्ट करता है कि बालिकाओं के सामने मौजूद चुनौतियों का समाधान केवल कानून बनाने अथवा जागरूकता अभियान चलाने से नहीं होगा। इसके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा, कौशल विकास और आर्थिक स्वतंत्रता में निरंतर निवेश करना होगा। संयुक्त राष्ट्र और यूनिसेफ ने इस वर्ष लड़कियों की आवाज, नेतृत्व तथा अपने भविष्य के बारे में निर्णय लेने के अधिकार को विशेष महत्व दिया है। बाल विवाह वस्तुतः बचपन, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वतंत्रता का एक साथ हनन है। कम उम्र में विवाह होने से लड़कियों की पढ़ाई छूटने, कम उम्र में गर्भधारण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं, घरेलू हिंसा और आर्थिक निर्भरता का जोखिम बढ़ सकता है। इससे उनका व्यक्तित्व विकास बाधित होता है और निर्णय लेने की क्षमता सीमित रह जाती है। गरीबी, दहेज की चिंता, असुरक्षा, सामाजिक प्रतिष्ठा की गलत धारणाएं और पितृसत्तात्मक मानसिकता इस कुप्रथा को बनाए रखने में भूमिका निभाती हैं। कई परिवार आर्थिक कठिनाइयों से छुटकारा पाने अथवा लड़की की सुरक्षा सुनिश्चित करने के नाम पर कम उम्र में विवाह को उचित ठहराते हैं जबकि वास्तविक समाधान उसे शिक्षित, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाना है।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, दुनिया में हर वर्ष 1.2 करोड़ से अधिक लड़कियों का विवाह 18 वर्ष की आयु पूरी होने से पहले हो जाता है। यह आंकड़ा बताता है कि बाल विवाह कोई सीमित क्षेत्र की सामाजिक समस्या नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर बाल अधिकारों के सामने खड़ी गंभीर चुनौती है। यूनिसेफ के अनुसार, पिछले दशकों में बाल विवाह की व्यापकता घटाने में प्रगति हुई है लेकिन इसकी रफ्तार तेज करना जरूरी है। संघर्षग्रस्त क्षेत्रों, मानवीय संकटों और जलवायु आपदाओं से प्रभावित समुदायों में लड़कियों के सामने जोखिम और बढ़ जाते हैं। विस्थापन, गरीबी तथा शिक्षा और सुरक्षा सेवाओं की अनुपलब्धता उन्हें कम उम्र में विवाह के प्रति अधिक असुरक्षित बना सकती है। भारत में भी स्थिति संतोषजनक नहीं कही जा सकती। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के अनुसार, 20 से 24 वर्ष आयु वर्ग की 23.3 प्रतिशत महिलाओं का विवाह 18 वर्ष से पहले हो गया था। यह आंकड़ा पिछले सर्वेक्षण के 26.8 प्रतिशत से कम अवश्य है लेकिन अब भी लगभग हर चार में से एक महिला के बाल विवाह के अनुभव की ओर संकेत करता है। राज्यों और सामाजिक समूहों के बीच अंतर भी इस चुनौती को जटिल बनाता है। इसलिए राष्ट्रीय औसत में सुधार को समस्या का अंत मान लेना उचित नहीं होगा। ग्रामीण क्षेत्रों, वंचित समुदायों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों तक प्रभावी सहायता पहुंचाना अब भी आवश्यक है।

बाल विवाह के विरुद्ध भारत में कानूनी व्यवस्था मौजूद है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के अंतर्गत सामान्यतः लड़की के लिए 18 वर्ष और लड़के के लिए 21 वर्ष से कम आयु में विवाह बाल विवाह की श्रेणी में आता है। कानून का उद्देश्य केवल विवाह रोकना नहीं बल्कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना भी है। हालांकि, कानून की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि बाल विवाह की सूचना मिलने पर प्रशासन कितनी तत्परता से कार्रवाई करता है, बाल संरक्षण तंत्र कितना सक्रिय है और पीड़ित बालिका को विवाह रुकने के बाद शिक्षा, परामर्श, सुरक्षा तथा आर्थिक सहायता कितनी उपलब्ध होती है। किसी विवाह को रोक देना महत्वपूर्ण है लेकिन लड़की को उसके बाद सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन का अवसर देना उतना ही जरूरी है।

बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए भारत में कई महत्त्वपूर्ण पहलें की गई हैं। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान ने बालिका के जन्म, शिक्षा और सामाजिक सम्मान को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में लाने में भूमिका निभाई है। सुकन्या समृद्धि योजना परिवारों को बालिका के भविष्य के लिए बचत करने का अवसर देती है। शिक्षा के क्षेत्र में छात्रवृत्तियां, विद्यालयों में शौचालय, किशोरियों के स्वास्थ्य कार्यक्रम और कौशल विकास की पहलें उनकी निरंतर पढ़ाई तथा आत्मनिर्भरता के लिए उपयोगी हैं। पश्चिम बंगाल की कन्याश्री जैसी योजनाओं ने बालिकाओं की शिक्षा जारी रखने और बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया है। किंतु योजनाओं की वास्तविक उपलब्धि घोषणाओं अथवा लाभार्थियों की संख्या से नहीं, इस बात से मापी जानी चाहिए कि कितनी लड़कियां विद्यालय में बनी रही, कितनों का विवाह कानूनी आयु से पहले नहीं हुआ और कितनों को अपनी पसंद का जीवन चुनने की स्वतंत्रता मिली।

बालिका अधिकारों का प्रश्न शिक्षा और विवाह की आयु तक सीमित नहीं है। डिजिटल युग में इंटरनेट तक असमान पहुंच, ऑनलाइन उत्पीड़न, लैंगिक भेदभाव और सुरक्षित सार्वजनिक स्थानों की कमी भी लड़कियों की संभावनाओं को सीमित करती है। विद्यालयों में विज्ञान, तकनीक, गणित और उद्यमिता के अवसरों के साथ जीवन-कौशल, डिजिटल साक्षरता, आत्मरक्षा तथा स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। किशोरियों को मासिक धर्म, प्रजनन स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य पर बिना संकोच बात करने का वातावरण मिलना चाहिए। परिवारों को भी यह समझना होगा कि सुरक्षा के नाम पर लड़कियों की आवाजाही, मित्रता और शिक्षा पर अनावश्यक प्रतिबंध लगाना समाधान नहीं है। सुरक्षित वातावरण तैयार करना समाज और संस्थाओं की जिम्मेदारी है।

वैश्विक स्तर पर लैंगिक समानता की स्थिति भी बताती है कि अभी लंबा रास्ता तय करना बाकी है। विश्व आर्थिक मंच की ह्यग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025ह्ल में भारत 148 अर्थव्यवस्थाओं में 131वें स्थान पर रहा और उसका समग्र लैंगिक समानता स्कोर 64.4 प्रतिशत दर्ज किया गया। यह सूचकांक बालिकाओं की स्थिति का प्रत्यक्ष माप नहीं है लेकिन व्यापक लैंगिक असमानताओं की ओर संकेत करता है, जिनका प्रभाव लड़कियों के अवसरों और भविष्य पर पड़ सकता है। इसी प्रकार, संयुक्त राष्ट्र महिला संगठन और अंतर-संसदीय संघ की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, 1 जनवरी 2025 तक विश्वभर में मंत्रिमंडल स्तर के पदों पर महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 22.9 प्रतिशत थी। इससे स्पष्ट है कि शिक्षा और प्रतिभा के बावजूद निर्णय लेने वाली संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता बनी हुई है।

बाल विवाह समाप्त करने के लिए सरकार, प्रशासन, विद्यालयों, पंचायतों, धार्मिक-सामाजिक संगठनों और परिवारों को साझा जिम्मेदारी निभानी होगी। प्रत्येक बालिका का विद्यालय में नामांकन ही नहीं, उसकी नियमित उपस्थिति और माध्यमिक शिक्षा पूरी करना भी सुनिश्चित किया जाए। बाल विवाह की आशंका वाले क्षेत्रों में स्थानीय निगरानी समितियां सक्रिय हों, शिकायत तंत्र सुलभ बने और पीड़ित लड़कियों को संरक्षण तथा पुनर्वास मिले। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को ऐसी सहायता दी जाए, जिससे बेटी की पढ़ाई आर्थिक बोझ न बने। योजनाओं के बजट, लाभार्थियों और परिणामों का सार्वजनिक मूल्यांकन हो तथा बालिकाओं को प्रभावित करने वाले निर्णयों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जाए। सबसे बढ़कर, लड़कों और पुरुषों को भी समानता के इस अभियान का सहभागी बनाना होगा क्योंकि भेदभावपूर्ण सामाजिक मान्यताओं में बदलाव सामूहिक प्रयास से ही संभव है। किसी लड़की का भविष्य उसकी जन्मतिथि, आर्थिक स्थिति या सामाजिक रूढ़ियों से निर्धारित नहीं होना चाहिए। उसे बचपन में खेलने, शिक्षा प्राप्त करने, प्रश्न पूछने, अपनी राय रखने और अपनी राह चुनने का अधिकार है। बाल विवाह की समाप्ति केवल एक कुप्रथा का अंत नहीं बल्कि समानता, गरिमा और न्यायपूर्ण समाज की दिशा में निर्णायक कदम है। यदि हम बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और नेतृत्व में आज निवेश करेंगे तो उसका लाभ आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचेगा।

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

मैक्सिको की जेल में भीषण दंगा : 10 लोगों की मौत, 16 घायल; ड्रग कार्टेल के गढ़ सिनालोआ में भड़की हिंसा

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। मैक्सिको के कुख्यात और हिंसा प्रभावित राज्य सिनालोआ की एक जेल में गुरुवार को कैदियों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। इस भीषण दंगे में कम से कम 10 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 16 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, मारे गए 10 लोगों में नौ जेल के कैदी थे, जबकि एक व्यक्ति जेल में बंद किसी कैदी से मुलाकात करने आया हुआ परिजन/मुलाकाती था। नेशनल गार्ड ने संभाला मोर्चा हिंसा और झड़प की सूचना मिलते ही सुरक्षा बलों और नेशनल गार्ड की टुकड़ियों को तुरंत जेल परिसर में तैनात किया गया। सुरक्षा बलों के कड़े हस्तक्षेप के बाद अब हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं। हालांकि, जेल प्रशासन और स्थानीय पुलिस की ओर से अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि दंगे की मुख्य वजह क्या थी और संघर्ष किन गुटों के बीच शुरू हुआ। उल्लेखनीय है कि सिनालोआ राज्य को मैक्सिको के सबसे हिंसक और खतरनाक इलाकों में गिना जाता है। यह इलाका दुनिया के सबसे कुख्यात 'सिनालोआ ड्रग कार्टेल' का मुख्य गढ़ माना जाता है, जहां अक्सर विभिन्न आपराधिक गिरोहों के बीच वर्चस्व की जंग और हिंसक झड़पें देखने को मिलती रहती हैं।

अमेरिकी कांग्रेस में भारतीय पायलट स्मित को सम्मानित किया जाएगा

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के कांग्रेसनल रिकॉर्ड में सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने फ्लाईदुबई की उड़ान में एक साथी पायलट के कुल्हाड़ी से हमले के बाद 172 यात्रियों और चालक दल को बचाया था।भारतीय-अमेरिकी कांग्रेस सदस्य राजा कृष्णमूर्ति ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। शुक्रवार को कांग्रेसनल रिकॉर्ड में बयान दर्ज होगा। यह घटना 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई उड़ान 1073 में हुई। कृष्णमूर्ति के बयान के अनुसार, विमान 30 सेकंड में करीब 16,000 फीट नीचे आ गया। गंभीर चोटों के बावजूद, कैप्टन मच्छर ने कॉकपिट का दरवाजा खोला। इससे यात्री और चालक दल हमलावर को काबू कर सके। विमान में सवार दो आरक्षित फ्लाईदुबई पायलटों ने नियंत्रण संभालकर उसे सऊदी अरब के तबुक में सुरक्षित उतारा। उड़ान में 4 अमेरिकी नागरिक और 27 बच्चों सहित 172 यात्री थे। कृष्णमूर्ति ने कैप्टन की त्वरित सोच और दृढ़ता की प्रशंसा की।

भारत के साथ जल बंटवारा विवाद वार्ता से ही सुलझेगा : बांग्लादेश

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने कहा है कि भारत के साथ लंबे समय से चले आ रहे जल बंटवारे के मुद्दों को केवल बातचीत और कूटनीति के जरिये ही सुलझाया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस दिशा में प्रगति तभी संभव है जब दोनों देशों का शीर्ष नेतृत्व सहयोग की मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाए। कबीर ने बृहस्पतिवार को यहां एक सेमिनार के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि साझा नदियों और गंगा जल बंटवारा संधि के भविष्य को लेकर दोनों पक्षों के बीच चर्चा जारी है।

अमेरिका में 2 लाख भारतवंशी वोटर्स के नाम कटे :मिडटर्म चुनाव में ट्रम्प को हार का डर; 2024 में 65% ने विपक्ष को वोट दिया था

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका की वोटर लिस्ट से 2 लाख भारतीय मूल के वोटर्स का नाम कट गया है। इन लोगों के नाम उन 26 राज्यों में काटे गए हैं, जहां ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी की सरकार है। अमेरिका में करीब 21 लाख भारतवंशी वोटर्स हैं। 3 नवंबर को मिडटर्म चुनाव होने हैं। इन चुनावों में ट्रम्प की पार्टी को हार का डर सता रहा है। इसकी एक वजह भारतीय मूल के वोटरों का रुझान है, जो हमेशा से उनकी विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर रहा है। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में करीब 65% भारतीय मूल के लोगों ने डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस को वोट दिया था। वोटर लिस्ट की जांच क्यों हो रही अमेरिका में ट्रम्प प्रशासन वोटर लिस्ट की जांच कर रहा है, ताकि अयोग्य वोटर्स के नाम हटाए जा सकें। सरकार का कहना है कि इससे चुनाव में गड़बड़ी रोकने और वोटिंग प्रक्रिया को ज्यादा सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी। इसी मकसद से ट्रम्प 'सेव अमेरिका एक्ट' का समर्थन कर रहे हैं। फरवरी में अमेरिकी संसद के निचले सदन ने इस बिल को मंजूरी दी थी।

अमेरिकी सांसदों की चेतावनी : 6जी और सैटेलाइट नियमों में चीन से पिछड़ सकता है अमेरिका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के दो सीनेटरों ने चेतावनी दी है कि अगर ट्रंप प्रशासन ने जल्द कदम नहीं उठाए, तो चीन वैश्विक 6जी और सैटेलाइट संचार से जुड़े नियम तय करने में रणनीतिक बढ़त हासिल कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगले साल होने वाले एक अहम अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार सम्मेलन के लिए अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख की जल्द नियुक्ति जरूरी है। एरिजोना से डेमोक्रेटिक सीनेटर रूबेन गैलेगो और इंडियाना से रिपब्लिकन सीनेटर जिम बैंक्स ने विदेश मंत्री मार्को रुबियो से अपील की है कि 30 नवंबर से पहले अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख को नियुक्त किया जाए। 30 नवंबर से बोगोटा (कोलंबिया) में क्षेत्रीय वार्ताएं शुरू होने वाली हैं।

इस सप्ताह जारी एक द्विदलीय पत्र में दोनों सीनेटरों ने कहा कि 2027 का वर्ल्ड रेडियोकम्युनिकेशन कॉन्फ्रेंस (डब्ल्यूआरसी-27) अगली पीढ़ी के वायरलेस नेटवर्क और सैटेलाइट संचार में इस्तेमाल होने वाले रेडियो स्पेक्ट्रम से जुड़े अहम अंतरराष्ट्रीय नियम तय करेगा। यह सम्मेलन अक्टूबर और नवंबर 2027 में चीन के शंघाई शहर में आयोजित होगा, जिसमें अमेरिका समेत 194 सदस्य देश हिस्सा लेंगे।

सीनेटरों ने कहा कि मेजबान देश होने के नाते चीन बातचीत को अपनी घरेलू तकनीकी कंपनियों, खासकर हुआवेई, के पक्ष में मोड़ने की कोशिश

कर सकता है। उन्होंने पत्र में लिखा, 'मेजबान होने के कारण चीन को घरेलू मैदान का फायदा मिलेगा और वह स्पेक्ट्रम तथा तकनीकी मानकों को ऐसी दिशा में ले जाने की कोशिश कर सकता है, जिससे चीनी कम्युनिस्ट पार्टी और उससे जुड़ी कंपनियों, जैसे हुआवेई, के हितों को लाभ पहुंचे। दोनों सांसदों का कहना है कि सम्मेलन से काफी पहले अमेरिका को अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर रणनीति और बातचीत की साझा तैयारी करनी होगी। उन्होंने कहा, 'मजबूत अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल और समान सोच वाले सहयोगियों के साथ पहले से किया गया समन्वय, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के एजेंडे का सबसे प्रभावी जवाब होगा।'

29 सितंबर को लिखे गए इस पत्र में प्रतिनिधिमंडल प्रमुख की नियुक्ति को तत्काल प्राथमिकता बताया गया है। गैलेगो और बैंक्स ने 2023 के वर्ल्ड रेडियोकम्युनिकेशन कॉन्फ्रेंस की तैयारियों के दौरान आई समस्याओं को दोहराने के खिलाफ चेतावनी दी। उस समय अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख को आखिरी समय में बदल दिया गया था। सीनेटरों के अनुसार, पूर्व प्रतिनिधिमंडल सदस्यों ने बताया था कि इस बदलाव के कारण अमेरिका का काफी समय बर्बाद हुआ, जो क्षेत्रीय सहयोग और साझेदारियां बनाने में काम आ सकता था। उन्होंने लिखा, 'हम डब्ल्यूआरसी-27 में ऐसी ही परिस्थितियों के साथ प्रवेश करने का जोखिम नहीं उठा सकते। सांसदों ने कहा कि 6जी से जुड़े फैसले खास तौर पर महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि अगली पीढ़ी की वायरलेस तकनीक के मानक अभी विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि हुआवेई के समर्थन वाले प्रस्ताव इन मानकों को प्रभावित कर सकते हैं, इससे पहले कि अमेरिका और उसके साझेदार कोई साझा विकल्प तैयार कर पाएं। सीनेटरों ने गैर-भूस्थिर सैटेलाइट नेटवर्क के तेजी से विस्तार का भी जिक्र किया। उनका कहना है कि इससे रेडियो स्पेक्ट्रम के अंतरराष्ट्रीय समन्वय की अहमियत और बढ़ गई है। हालांकि उन्होंने प्रशासन द्वारा अब तक उठाए गए कुछ कदमों की सराहना भी की। नेशनल टेलीकम्युनिकेशंस एंड इंफॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन (एनटीआईए) और फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन पहले ही इंटर-अमेरिकन टेलीकम्युनिकेशन कमीशन (सीआईटीईएल) को अमेरिकी प्रस्ताव सौंप चुके हैं। अमेरिका अपनी बाकी रणनीतिक स्थितियां 30 नवंबर से बोगोटा में शुरू होने वाली सीआईटीईएल की स्थायी परामर्श समिति-II की अगली बैठक में पेश करने की योजना बना रहा है। गैलेगो और बैंक्स ने मांग की कि उस बैठक से पहले प्रतिनिधिमंडल प्रमुख की नियुक्ति कर दी जाए, ताकि दोनों अमेरिका के आधिकारिक रुख को तैयार करने की प्रक्रिया में हिस्सा ले सकें। उन्होंने जानकारी मांगी कि अमेरिका अपने अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ मिलकर भरोसेमंद दूरसंचार आपूर्ति श्रृंखलाएं (टेलीकॉम सप्लाई चेन) कैसे विकसित करेगा। पत्र में खास तौर पर कहा गया है कि ग्लोबल साउथ के देशों के लिए हुआवेई और अन्य चीनी कंपनियों के विकल्प उपलब्ध कराए जाने चाहिए। दोनों सीनेटरों ने 23 अक्टूबर तक लिखित जवाब या ब्रीफिंग और 2027 की वसंत ऋतु तक चीन के प्रभाव का मुकाबला करने की अमेरिकी रणनीति पर एक ब्रीफिंग की भी मांग की है। वर्ल्ड रेडियोकम्युनिकेशन कॉन्फ्रेंस का आयोजन अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ करता है, जो संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है। यह संस्था वैश्विक दूरसंचार समन्वय का काम करती है।

पाकिस्तान और सऊदी अरब ने फिर से किया मिलिट्री पैक्ट, यमन के हूतियों का करेंगे मुकाबला

इस्लामाबाद , एजेंसी। यमन के हूतियों का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान, तुर्की और सऊदी अरब ने एक समझौता किया है। समझौता पांच अक्टूबर 2026 को किया गया। इसके तहत वे खाड़ी देश में तेजी से सेना तैनात करने पर सहमत हुए हैं। वैसे इन तीनों देशों के बीच आपसी समझौता पहले ही हो चुका है। सात अगस्त, 2026 को सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के बीच जॉइंट डिफेंस एग्रीमेंट (संयुक्त रक्षा समझौते) पर हस्ताक्षर किए गए थे. यह क्षेत्रीय और वैश्विक जियोपॉलिटिकल समीकरणों में एक बहुत ही अहम घटना है.पश्चिम और दक्षिण एशिया में एक न्यूक्लियर पावर, एक नाटो सदस्य और तेल से मालामाल खाड़ी देश एक साथ आए हैं, और वह भी नाटो-स्टाइल की इस शर्त के साथ कि समझौते में शामिल किसी भी देश पर हमला सभी पर हमला माना जाएगा. यह सितंबर 2025 में सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुए सिक्योरिटी पैक्ट (सुरक्षा समझौते) का ही एक बढ़ा हुआ और अनोखा रूप है.इसमें पाकिस्तान शामिल है, जो एक न्यूक्लियर पावर है और डेटरेंस (हमले को रोकने की क्षमता) दे सकता है. तुर्की मिलिट्री इक्विपमेंट और टेक्नोलॉजी दे सकता है, और सऊदी अरब, जिसके पास बहुत पैसा है, इस सिक्योरिटी आर्किटेक्चर (सुरक्षा ढांचे) को फंड कर सकता है. आइए पहले यह देखते हैं कि सऊदी और पाकिस्तान के बीच डिफेंस पैक्ट कितना पुराना है.

1951: दोनों देशों के बीच दोस्ती की एक संधि पर हस्ताक्षर किए गए, जिसने आपसी सहयोग की नींव रखी.

1967: पाकिस्तान की सेना द्वारा केएसए (सऊदी अरब) की सेना को ट्रेनिंग देने के लिए 'म्यूचुअल कोऑपरेशन प्रोग्राम (1967)' नाम के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए. 'म्यूचुअल कोऑपरेशन प्रोग्राम (1967)' नाम के पुराने समझौते में बदलाव किया गया, जिसमें केएसए की सेना को ट्रेनिंग देने से जुड़ी शर्तों का दायरा बढ़ाया गया.

1979: 1979 में मक्का की घेराबंदी के दौरान पाकिस्तान ने सऊदी स्पेशल फोर्सेज की मदद की और घेराबंदी के ठीक बाद पवित्र स्थलों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सऊदी अरब में और सैनिक (लगभग 15,000 सैनिक) भेजे.

1979: सऊदी अरब में पाकिस्तानी सेना की टुकड़ी को तैनात करने के लिए एक प्रोटोकॉल समझौते (1979) पर हस्ताक्षर किए गए. केएसए को हथियारों के उत्पादन और सप्लाई के लिए डिफेंस से जुड़े साइंस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में व्यापक सहयोग के लिए प्रोटोकॉल समझौते (1979) में भी बदलाव किया गया।

नेपाल: पोखरा के पास सड़क से फिसलकर नीचे जा गिरी स्कूल बस, हादसे में पांच लोगों की मौत

काठमांडू , एजेंसी। नेपाल के पश्चिमी शहर पोखरा में शुक्रवार सुबह एक स्कूल बस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने दी। बस सुबह करीब 6:20 बजे कास्की जिले के पोखरा महानगरपालिका के वार्ड नंबर 28 स्थित ओखलेको भीर इलाके में सड़क से फिसलकर नीचे जा गिरी। नेपाली अधिकारियों के अनुसार, यह बस कालिका इंग्लिश बोर्डिंग स्कूल की है। कास्की जिला पुलिस कार्यालय के प्रमुख पुलिस अधीक्षक नवीन कार्की ने आईएएनएस को बताया कि हादसे में पांच लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। जानकारी के अनुसार हादसे के समय बस में 17 छात्र, एक अन्य यात्री और चालक सवार थे। दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। कास्की के मुख्य जिला अधिकारी कुमान सिंह गुरुंग ने बताया कि बस में ज्यादातर 10वीं कक्षा के छात्र थे। हादसे के समय वे ट्यूशन क्लास में जाने के लिए यात्रा कर रहे थे। पिछले कुछ वर्षों में नेपाल में सड़क हादसों की संख्या बढ़ी है। इसके साथ ही सड़कों पर वाहनों की संख्या में भी लगातार इजाफा हुआ है। करीब दस साल पहले नेपाल ट्रैफिक पुलिस ने 4,999 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की थीं।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में नेपाल में 7,669 सड़क हादसे हुए, जिनमें 1,900 लोगों की मौत हुई। कुल दुर्घटनाओं में से 278 को गंभीर श्रेणी में रखा गया था। सड़क सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं का दुष्प्रभाव केवल लोगों की जान खोने तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि इससे अर्थव्यवस्था पर भी बड़ा बोझ पड़ता है।

विश्व बैंक के एक अध्ययन के अनुसार, नेपाल में सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली चोटों की आर्थिक लागत 2007 के बाद से तीन गुना बढ़ चुकी है और यह देश की सकल राष्ट्रीय आय (जीएनपी) के 1.5 प्रतिशत के बराबर पहुंच गई है। सड़क हादसों का सबसे ज्यादा असर गरीब और कमजोर वर्गों पर पड़ता है।

अमेरिका ने माइक्रोसॉफ्ट को ग्रीन कार्ड कार्यक्रम से निलंबित किया

वॉशिंगटन, एजेंसी। डेमोक्रेटिक सांसद प्रमिला जयपाल ने माइक्रोसॉफ्ट के लिए ग्रीन कार्ड का रास्ता रोकने के ट्रंप प्रशासन के फैसले की आलोचना की है। करते हुए कहा कि यह कानूनी इमिग्रेशन सिस्टम (आप्रवासन तंत्र) पर हमला करने जैसा है।

ट्रंप प्रशासन ने गुरुवार को माइक्रोसॉफ्ट, टाटा, इंफोसिस और विप्रो समेत आठ आईटी फर्मों को विदेशी वर्कर के लिए ग्रीन कार्ड अप्लाई करने के कार्यक्रम से सस्पेंड कर दिया। उनका कहना है कि इस कदम ने अमेरिकियों को जॉब मार्केट से बाहर कर दिया है. जयपाल माइक्रोसॉफ्ट के होमटाउन वाशिंगटन स्टेट से हैं. उन्होंने गुरुवार को कहा कि यह टेक बड़ी कंपनी बड़े इमिग्रेशन सुधारों की वकालत करने में अग्रिणी है.

जयपाल की बातों को माइक्रोसॉफ्ट के बचाव के तौर पर देखा गया, जिस पर उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने मजाक उड़ाया. उन्होंने

हैरानी जताई कि क्यासमाजवाद का मतलब मेगाकॉरपोरेशन के लिए कभी न खत्म होने वाला सस्ता मजदूर उपलब्ध कराना है. वेंस ने कहा, समाजवाद का मतलब साफ तौर पर यह पक्का करने के लिए जी-जान से लड़ना है कि मेगाकॉर्पोरेशन को सस्ते लेबर का कभी न खत्म होने वाला प्रवाह मिलता रहे. वेंस ने गुरुवार को निलंबन की घोषणा की और बड़ी टेक कंपनियों और आउटसोर्सिंग कंपनियों पर अमेरिकी वर्कर की कीमत पर वीजा सिस्टम का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया.

जयपाल ने कहा कि ट्रंप प्रशासन लगातार अप्रवासियों के लिए अमेरिका में अपना टैलेंट देने के कानूनी रास्ते छीनने की कोशिश कर रहा है. यह उन हमलों में से एक और है. बता दें कि माइक्रोसॉफ्ट का मुख्यालय वाशिंगटन राज्य के रेडमंड में है. जयपाल ने कहा, 'आप लीगल इमिग्रेशन पर हथौड़ा चलाकर टूटे हुए इमिग्रेशन सिस्टम को ठीक नहीं कर सकते।

उन्होंने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट बड़े इमिग्रेशन सुधारों की वकालत करने में लीडर रहा है, जो पुराने इमिग्रेशन सिस्टम को मॉडर्न बनाते हैं और दुनिया भर के इमिग्रेंट्स को यहां काम करने और अपने परिवारों के साथ रहने के लिए ज्यादा कम नहीं, कानूनी रास्ते देते हैं. जयपाल ने कहा कि परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन प्रोग्राम प्रोग्राम उन अनगिनत वर्कर के लिए रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड की ओर पहला कदम है जो इस देश में योगदान देना चाहते हैं. यह एक साफ प्रक्रिया बताता है जिसमें यह पक्का करने के लिए कदम उठाए गए हैं कि इससे हमारी अर्थव्यवस्था को शुद्ध लाभ हो और अमेरिकी नौकरियों को नुकसान न हो.

जयपाल ने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था, हमारे समुदाय और हमारे परिवार कई सेक्टर में अप्रवासियों पर निर्भर हैं, जिसमें टेक सेक्टर भी शामिल है. उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन के इस कदम से इस सिर्फ उन वर्कर का एक मजबूत, स्थिर और अलग-अलग तरह का बेस बनाने की कोशिशों को नुकसान पहुंचाते हैं जिनके पास अमेरिका में आने और रहने के लिए कानूनी रास्ते हैं. साथ ही अमेरिकी वर्कर को बेईमान नियोक्ता से भी बचाते हैं. उन्होंने कहा कि इस तरह से माइक्रोसॉफ्ट या परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन प्रोग्राम को टारगेट करने से कानूनी आव्रजन कमजोर होता है और अमेरिका की नया करने की क्षमता कमजोर होती है.

अमेरिका फोर्ट हुड नरसंहार के दोषी को मौत की सजा, होगा लाइव टेलीकास्ट

पेंटागन , एजेंसी। पेंटागन के एक अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि दोषी मिलिट्री बेस शूटर निदाल हसन को फायरिंग स्क्वाड द्वारा दी जाने वाली फांसी का लाइवस्ट्रीम किया जाएगा. इससे पहले रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा था कि यह फांसी 'पब्लिक' में दी जाएगी. हसन अमेरिकी आर्मी के साइकेट्रिस्ट था.उसने 2009 में फोर्ट हुड में 13 लोगों को गोली मार दी थी. उसे 1961 के बाद अमेरिकी सेना द्वारा दी गई पहली फांसी होगी और दूसरे विश्व युद्ध के बाद फायरिंग स्क्वाड द्वारा दी गई पहली फांसी होगी. पेंटागन के अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर एएफपी को बताया, 'इसे लाइवस्ट्रीम किया जाएगा. डिटेल्स बाद में दी जाएंगी' हेगसेथ ने गुरुवार को पेंटागन के ऑफिशियल अकाउंट्स से एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा था कि हसन

'सैनिकों की एक फायरिंग स्क्वाड लाने जा रहा है, जैसा कि होना चाहिए और हम यह पक्का करेंगे कि लोग इसे देख सकें, कि यह सार्वजनिक हो. हेगसेथ ने यूएसएस अब्राहम लिंकन एयरक्राफ्ट कैरियर पर राइट-विंग इन्फ्लुएंसर जैक पोसोबिएक से कहा, 'लोगों को यह समझने की जरूरत है कि इस तरह की चीजों के गंभीर नतीजे होते हैं.' हेगसेथ ने कहा कि यह दूसरे विश्व युद्ध के बाद मिलिट्री की पहली फायरिंग स्क्वाड फांसी होगी. यह एडी स्लोविक के मामले का जिक्र है, जिसे 1945 में भागने के लिए मौत की सजा दी गई थी. हेगसेथ ने कहा, 'मुझे दूसरे विश्व युद्ध की हमारी सोच कुछ-कुछ पसंद है, जो जीतने की थी, जो यह समझती थी कि जब दुश्मन आप पर हमला करे तो आपको अपनी जगह पर डटे रहना चाहिए.' एक अलग क्लिप में पोसोबिएक ने पेंटागन चीफ से पूछा कि क्या हसन ने कोई आखिरी रिक्वेस्ट की है. हेगसेथ ने कहा, 'कोई बात नहीं. हम उसे 3 दिसंबर को देखेंगे,' जिस दिन हसन को मौत की सजा मिलनी है. आखिरी अमेरिकी मिलिट्री फांसी 1961 में दी गई थी, जब जॉन बेनेट को रेप और हत्या की कोशिश के लिए फांसी दी गई थी.

अधिकार समूह एमनेस्टी इंटरनेशनल के अनुसार 2025 में कम से कम 17 लोगों को सार्वजनिक रूप से फांसी दी गई है. छह अफगानिस्तान में और 11 ईरान में.डेथ पेनल्टी इन्फॉर्मेशन सेंटर का कहना है कि 1916 से अब तक अमेरिकी सेना ने 135 सैनिकों को फांसी दी है. पेंटागन ने इस हफ्ते की शुरुआत में बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अल-कायदा से प्रेरित हमला करने के लिए हसन को फांसी देने की मंजूरी दे दी है. उसने जिन 12 लोगों को मारा और 30 घायल हुए. वह एक सैनिक था।

नेपाल में बाढ़ से 1.66 अरब डॉलर का नुकसान, सबसे ज्यादा बुनियादी ढांचा प्रभावित : विश्व बैंक

काठमांडू , एजेंसी। 26 अगस्त को नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ से भौतिक संपत्तियों को करीब 1.66 अरब अमेरिकी डॉलर का सीधा आर्थिक नुकसान हुआ। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस कुल नुकसान का 83 प्रतिशत हिस्सा बुनियादी ढांचे से जुड़ा है। भौतिक नुकसान को लेकर विश्व बैंक का अनुमान नेपाल सरकार की प्रारंभिक 'रैपिड डैमेज एंड नीड्स असेसमेंट' (आरडीएनए) रिपोर्ट के आंकड़ों से काफी मिलता-जुलता है। सरकार ने अपने शुरुआती आकलन में नुकसान करीब 1.81 अरब अमेरिकी डॉलर बताया था। आरडीएनए के अनुसार, भौतिक संपत्तियों के नुकसान के अलावा करीब 883.32 मिलियन डॉलर का अतिरिक्त नुकसान भी हुआ। इस तरह आपदा का कुल प्रभाव लगभग 2.7 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। इस सप्ताह जारी 'नेपाल डेवलपमेंट अपडेट' में शामिल विश्व बैंक के 'ग्लोबल रैपिड पोस्ट-डिजास्टर डैमेज एस्टिमेशन' (जीआरएडीई) के अनुसार, सबसे ज्यादा 1.38 अरब डॉलर (83 प्रतिशत) का नुकसान बुनियादी ढांचे को हुआ। इसके बाद आवासीय भवनों को 185 मिलियन डॉलर (11 प्रतिशत) और गैर-आवासीय भवनों को 101 मिलियन डॉलर (6 प्रतिशत) का नुकसान हुआ। भोटेकोशी और त्रिशूली नदियों में आई बाढ़ से जलविद्युत परियोजनाओं, सौर ऊर्जा सुविधाओं, बिजली ट्रांसमिशन नेटवर्क और परिवहन व्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचा। ऊर्जा क्षेत्र, खासकर जलविद्युत परियोजनाएं, सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में शामिल रहीं। अगस्त 2026 की बाढ़ से 12 जलविद्युत परियोजनाएं और एक सौर ऊर्जा परियोजना प्रभावित हुईं। इनमें 281.1 मेगावाट की चालू क्षमता और 395.02 मेगावाट की निर्माणाधीन क्षमता शामिल थी। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रांसमिशन लाइनों और सबस्टेशनों को हुए नुकसान के कारण 149.6 मेगावाट बिजली राष्ट्रीय ग्रिड तक नहीं पहुंच पाई। इस तरह कुल प्रभावित क्षमता लगभग 430.7 मेगावाट रही, जो वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक नेपाल की कुल स्थापित जलविद्युत और सौर ऊर्जा क्षमता का लगभग 10.6 प्रतिशत है। बाढ़ से 82 किलोमीटर लंबे रसुवा व्यापार गलियारे (ट्रेड कॉरिडोर) के 55 किलोमीटर से अधिक हिस्से को नुकसान हुआ, जबकि करीब 40 किलोमीटर सड़क पूरी तरह तबाह हो गई।

दुर्गा पूजा से पहले बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा पर चिंता, अवामी लीग ने सरकार को घेरा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अवामी लीग ने गुरुवार को देशभर में रह रहे अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई। पार्टी ने सवाल उठाया कि जब एक पूरे हिंदू परिवार की हत्या हो सकती है और डेढ़ महीने बाद भी मामले में स्पष्ट जवाब नहीं मिलते, तो अल्पसंख्यकों की जिंदगी की क्या कीमत रह जाती है। पार्टी ने कहा कि ऐसे भय और असुरक्षा के माहौल में लोगों से कहा जा रहा है कि दुर्गा पूजा मनाई जाएगी, जबकि बांग्लादेश के मंदिरों में सजावट तक नहीं हो रही है। अवामी लीग के अनुसार, बच्चों ने नए कपड़े तक नहीं खरीदे हैं। पार्टी ने एक बुजुर्ग महिला के हवाले से कहा, 'भगवान ही जानते हैं कि आगे क्या होने वाला है।' पार्टी ने कहा कि ऐसे माहौल में उत्सव की बात करना लोगों को भरोसा नहीं देता, बल्कि यह शर्म की बात है। अवामी लीग ने अगस्त में रंगपुर शहर में सेवानिवृत्त हिंदू शिक्षक गणपति चक्रवर्ती और उनके पूरे परिवार की हत्या का उल्लेख करते हुए कहा कि पुलिस के अनुसार यह मामला अब तक लगभग सुलझ जाना चाहिए था। पार्टी ने कहा, 'लेकिन अब तक डीएनए जांच की रिपोर्ट नहीं आई है और घटनास्थल से जुटाए गए 35 अलग-अलग साक्ष्यों में से किसी की भी रिपोर्ट नहीं मिली है। वहीं, इलाके के लोग पुलिस की जांच

पर भरोसा नहीं जता रहे हैं। पीड़ित परिवार के रिश्तेदार भी इस बात को नहीं मानते कि केवल दो लोग परिवार के चार सदस्यों की एक-एक करके गला घोंटकर हत्या कर सकते थे। अवामी लीग ने सत्तारूढ़ बीएनपी सरकार और विपक्षी जमात-ए-इस्लामी को निशाने पर लेते हुए जांच की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। पार्टी ने पूछा कि अगर मामला सुलझ गया है तो लोग अब भी डरे हुए क्यों हैं, और अगर मामला नहीं सुलझा है तो डेढ़ महीने बाद भी प्रयोगशाला की एक भी रिपोर्ट क्यों नहीं आई।

पार्टी ने कहा कि जिस घर में हत्याएं हुई थीं वहां अब पुलिस तैनात है और वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति के बिना किसी को अंदर जाने की इजाजत नहीं है। इसके बावजूद जिला प्रशासन का कहना है कि सभी जरूरी सुरक्षा उपाय किए जा चुके हैं। अवामी लीग के मुताबिक, एक स्थानीय हिंदू गृहिणी ने कहा कि उन्हें प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर पूरा भरोसा नहीं है। वहीं, एक स्थानीय निवासी ने कहा कि शुरुआत में इलाके में पुलिस और मीडिया की लगातार मौजूदगी थी, लेकिन अब सब चुप हो गए हैं और यही खामोशी सबसे बड़े सवाल खड़े करती है। पिछले सप्ताह अवामी लीग ने दावा किया था कि पिछले छह महीनों में अल्पसंख्यक समुदाय के 44 लोगों की मौत, मंदिरों और घरों पर हमले, सैकड़ों कथित मानवाधिकार उल्लंघन और रंगपुर में हिंदू परिवार के चार सदस्यों की हत्या जैसी घटनाओं ने अल्पसंख्यकों के बीच भय को और बढ़ा दिया है।

पार्टी ने कहा, 'प्रधानमंत्री तारिक रहमान की नई सरकार के लिए समानता के वादों की असली परीक्षा यह है कि कमजोर और संवेदनशील नागरिकों के साथ जमीन पर क्या हो रहा है। बांग्लादेश के धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यक 2026 में भी अपनी सुरक्षा को लेकर चिंताओं के साथ प्रवेश कर चुके हैं। सरकार बदलने से उनकी आशंकाएं खत्म नहीं हुई हैं।

कैसी शॉपर हैं आप

कुछ महिलाओं को शॉपिंग करने में बहुत दिक्कत होती है। उससे भी ज्यादा दिक्कत उनके साथ शॉपिंग कर रहे लोगों को होती है। दरअसल वे ऐसी शॉपर होती हैं, जिनको पता ही नहीं कि आखिर वे क्या खरीदना चाहती हैं और उनकी क्या जरूरतें हैं। इसलिए शॉपिंग करने के दौरान वे इस दुकान से उस दुकान तक बस चक्कर लगाती रह जाती हैं। ये 'थिंकर शॉपर' होती हैं, जो अच्छी बात नहीं है। क्योंकि उनके इस बर्ताव से उनके साथ के लोगों को चिड़चिड़ाहट होती है। इस की तरह कई महिलाएं होती हैं तो कुछ इनडिसिसिव शॉपर भी होती हैं, कुछ इंपल्सिव तो कुछ स्मार्ट शॉपर। हम आपको इन सबके बारे में बताते हैं–

थिकर शॉपर

ये महिलाएं शॉपिंग करने के लिए निकल तो पड़ती हैं लेकिन इन्हें पता नहीं होता कि आखिर वे क्या खरीदना चाहती हैं। खरीदारी से संबंधित उनमें निर्णय लेने की क्षमता नहीं होती, अपना और अपने साथ वालों का समय बर्बाद करती हैं। साथ ही दुकान वाले भी इनसे उकता जाते हैं।

इपल्सिव शॉपर

इस तरह की महिलाएं दुकान वालों को बहुत पसंद आती हैं। चीजों को देखते ही वे खरीदने का मन बना लेती हैं लेकिन जैसे ही उन्हें अपनी गलती का भान होता है, वे वापस लौटाने पहुंच जाती हैं।

इनडिसिसिव शॉपर

इस तरह की महिलाओं को पता होता है कि उन्हें क्या चाहिए लेकिन कैसा चाहिए यह नहीं पता होता। जैसे, उन्हें पता है कि वे कंगन खरीदना चाहती हैं लेकिन किस डिजाइन का, इसके बारे में उन्हें कोई आइडिया नहीं होता।

स्मार्ट शॉपर

इस तरह की महिलाएं पूरी तरह से सोचकर ही दुकान में पहुंचती हैं। उन्हें पता होता है कि वे क्या, कैसा, कितने बजट का खरीदना चाहती हैं। अन्य लोगों से खरीदारी करने में आधा समय लगाती हैं।

अरहर दाल के पकौड़े

सामग्री : 1 कप अरहर की दाल, 1 बारीक कटा हुआ प्याज, 1 टेबलस्पून कलौंजी, 4–6 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, 1 टुकड़ा कद्दूकस किया हुआ अदरक, 1 टीस्पून चाट मसाला, 1 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादानुसार, तलने के लिए तेल।

विधि : अरहर की दाल को 4–5 घंटे तक भिगोकर रखें। मिक्सर में पीसकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। सभी सामग्रियां मिला लें। तेल गर्म करके पकौड़ियां उतार लें।

मीठी व हरी चटनी के साथ गरमा गरम सर्व करें।

करें बच्चों की हौंसला अफजाई

पहले कहा जाता था कि बेशक आपको सब कुछ दूसरों का ही अच्छा लगता हो लेकिन बच्चें हमेशा ही अपने अच्छे लगते हैं फिर भी आप अपने बच्चे की तुलना दूसरों से करते हैं कि देखों पड़ोसी का लड़का क्लास में प्रथम आया है , वह ऑल राउंडर है, वह यह है, वह वह है और न जाने क्या–क्या। इसी तुलना में आप अपने बच्चें की अच्छाइयों को नकार देते हैं और न जाने उसमें कितनी कमियां निकाल देते हैं लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि उस समय आपके बच्चे के दिमाग पर इन सभी बातों का कितना गलत असर पड़ता होगा।

प्रत्येक इंसान में एक जैसा दिमाग नहीं होता, किसी की ग्रहण करने की क्षमता अधिक होती है तो किसी की कम। कोई बातों को बहुत जल्दी समझ लेता है तो कोई थोडे प्रैशर के बाद ही समझ पाता है। कुछ बच्चे ऐसे होते हैं जो प्रतियोगिता के कारण पढ़ते हैं। कुछ अपने आप ही पढ़ते हैं तो कुछ प्रोत्साहन के बाद ही पढ़ते हैं। इसके लिए बच्चा दूर–दूर तक जिम्मेदार नहीं होता।

बच्चे को आपसे ज्यादा कोई नहीं जानता इसलिए उसे आगे बढ़ाने के लिए आपको क्या करना चाहिए यह आपको ही तय करना है। वह कुछ भी हो सकता है लेकिन यह रास्ता तो बिल्कुल भी नहीं है कि आप अपने बच्चे के पीछे रहने के कारण उसकी तुलना दूसरे बच्चों से करें या उसे किसी भी प्रकार का ताना मारे। अक्सर ऐसा होता है कि आपके दो बच्चों में ही एक तो बहुत तेज यानी हर बात में आगे होता है और दूसरा काफी सुस्त होता है। जिस कारण आप उन दोनों में भी तुलना करते हैं और बजाय उसकी ग्रहण क्षमता के स्तर को जानने के उस पर होशियार बच्चें की तरह बनने के लिए प्रैशर डालते हैं। इससे बच्चा मानसिक तौर पर बिमार हो सकता है, जिसका आपको पता तक नहीं चल पाता। आप उसकी बिमारी को उसका ढीठपना और नालायकी समझते हैं। यह नहीं जानते कि आपका बच्चा ऐसे हालात में दिमागी तौर से कितना बीमार है। जिस बिमारी के चलते उसमें हीन भावना आ सकती है। कई बार तो यह हीन भावना बच्चों पर इतनी ज्यादा हावी हो जाती है कि वह गलत कदम उठा सकता है।

बच्चे को नकारना ही आपको बच्चों से अलग करता है। जिस कारण वह आपसे खुलकर बात तक नहीं कर पाते और अपनी परेशानी भी शेयर नहीं कर पाते कि वह ठीक से क्यों काम नहीं कर पा रहे। हर बच्चा या हर इंसान हर काम में परफैक्ट हो, यह संभव नहीं। प्रत्येक इंसान में ही कोई न कोई कमी होती है और वह कमी तभी दूर की जा सकती है, जब उसके अपने बजाय ताना मारने के उसका साथ दें। बच्चे को प्रोत्साहित करें कि वह भी आगे बढ़ सकता है और वह किसी से कम नहीं है बस उसे थोड़ी सी कोशिश करनी होगी। कई बार अपनों का विश्वास ही बच्चों को आगे बढ़ने के लिए काफी होता है। उसकी सुने की उसे किस तरह की परेशानी होती है और यदि वह आपके पूरे साथ देने के बाद भी सही से परफोर्म नहीं कर पा रहा है तो आप उस पर किसी तरह का बोझ नहीं डाले बल्कि किसी मनोचिकित्सक से सलाह लें।

सर्दियों मे बगिया रहे खिली–खिली...

यदि फूल–पौधों से आपको प्यार हैं और आप स्वयं बागवानी करके अपनी बगिया को हरा–भरा तथा रंग–बिरंगे फूलों से महकाना चाहती हैं तो यह मौसम इस काम के लिए सर्वश्रेष्ट है। हरियाली तथा आपकी बगिया में खिले फूल आपके घर में चार–चांद लगाने के साथ ही आपके जीवन को भी महकाते हैं। क्यों न इस मौसम का फायदा उठाते हुए अपने घर को फूलों की महक से तरो–ताजा कर दिया जाए–

किस तरह लगाएं पौधे

पौधे लगाने से पहले इस बात पर जरूर ध्यान दें कि जिस जगह आप पौधा लगा रहे वहां मिट्टी की मात्रा अधिक और खाद की मात्रा कम रखें। आप जब नर्सरी से पौधा लेने जाएं तो इस बात का ख्याल रखे कि पौधा कम से कम 6 इंच का हो। तभी इसे क्यारियों तथा गमलों मे लगाया जा सकेगा और यह अच्छी तरह पनपेगा। जब आप पौधा लगा लें तो गमलों को ऐसी जगह रखें जहां इन्हें फलता–फूलता और बड़ा होता देखा जा सके।

कैसी हो गमले की सामग्री

एक अच्छा गमला तैयार करने के लिए गमले में दो हिस्सा मिट्टी और एक हिस्सा खाद मिलाएं। इस मिश्रण में एक बड़ा चम्मच नीमखली और एक चम्मच बोनीमील मिलाएं। यह आपको किसी भी नर्सरी में मिल जायेगा। कीड़ो से बचाने के लिए आप मेलेथिएन स्प्रे का प्रयोग कर सकती हैं। यह ऐसी कीटनाशक दवा है जो हर तरह के कीड़ों को मारने में कारगर है।

खास बातें

सर्दियों के मौसम में यह न सोचें कि पौधों को पानी की आवश्यकता नहीं पड़ती। लेकिन ध्यान रखें कि यह जरूरत से ज्यादा न हो क्योकि सर्दियों मे पौधों को कम पानी की आवश्यकता पड़ती है।

सर्दियों में शाम को पौधों को पानी देने से बचें। शाम की जगह पौधों में सुबह और दोपहर में पानी दे सकती है।

पौधों के आस–पास के कचरे को नियमित रूप से साफ करें। अन्यथा पौधों को आक्सीजन नहीं मिल पायेगी जिससे पौधे मुरझा भी सकते हैं। पौधों की खराब टहनियों को समय–समय पर हटाती रहें। फूल–पौधों को समूह में रखने अच्छी तरह विकसित होंगे। पौधा लगाते समय पौधों के बीच थोड़ी दूरी बनाए रखें।

जहां तक हो सके इस मौसम में पौधे लगाएं क्योकि अधिक सर्दियों में बीज पनप नहीं पाते हैं और जमीन के अन्दर ही सड़कर नष्ठ हो जाते है।

(हार्टिकल्चर विभाग के अध्यक्ष आर.एन वशष्ठि से जया द्विवेदी की बातचीत पर आधारित)

क्या–क्या लगाएं बगिया में

नवम्बर–दिसम्बर ऐसे माह हैं जब आप 50 किस्म के फूल लगा सकती हैं। सब्जियों के कहने ही क्या, गाजर, मूली, करेला, बैंगन, सेम, टमाटर, हरी धनिया और न जाने कितनी तरह की सब्जियां लगाकर आप अपनी बगिया को हरा–भरा बना सकती हैं। इन दिनों माली की आवश्कता अधिक नहीं पड़ती है, फूल खुद–व–खुद खिल उठते है। आप इन दिनों बोगनबेलिया भी लगा कर अपनी बगिया को नयापन दे सकती है। बोगनबेलिया एक ऐसा पौधा है जो बारह महीने खिला रहता है।

नींबू के छिलकों से रंगत निखारें

- त्वचा की रंगत को निखारने के लिए नींबू के छिलकों को पिसकर कच्चे दूध में मिलाकर त्वचा पर लगाएं।
- चेहरे पर धब्बे हो गए हों तो थोड़े से कच्चे दूध में गाजर का रस, 8–10 बूंद संतरे का रस और एक छोटा चम्मच बादाम पाउडर मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 15–20 मिनट बाद चेहरे को साफ पानी से धो लें।
- होंठ अक्सर फटते हों तो स्नान करते समय नाभि में दो–तीन बूंद सरसों का तेल नियमित लगाएं।
- चेहरे पर बहुत ज्यादा चिकनाई रहती हो तो चेहरे की त्वचा पर नींबू के छिलके रगड़ें।
- टमाटर को काटकर चेहरे पर धीरे–धीरे रगड़ने से चेहरे के रोमछिद्रों में छिपी गंदगी व धूल–मिट्टी साफ हो जाएगी और त्वचा पर लाली आएगी।
- यदि आपकी त्वचा ज्यादा ऑयली है, तो त्वचा पर किसी भी तरह के मॉइश्चराइजर का प्रयोग करने के बजाय त्वचा को दिन में कम से कम 3–4 बार साफ पानी से अच्छी तरह अवश्य धोएं।
- यदि आपकी त्वचा नॉर्मल है तो त्वचा में और अधिक निखार लाने के लिए कच्चे दूध में रुई भिगोकर त्वचा को उससे साफ करें और चेहरा साफ पानी से धो लें।
- चेहरे पर खुले रोमछिद्र दिखाई देते हों तो त्वचा को गुलाब जल में नियमित रूप से दिन में 2–3 बार धोएं और रुई में एस्ट्रिन्जेंट लगाकर चेहरा साफ करें। उसके बाद चेहरे पर दो–तीन मिनट तक आइस क्यूब रगड़ें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

सुबह–सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन–भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प–परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक–1–5–7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका–टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक–2–5–6

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा

विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान–सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक–5–7–9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से कार्य सफल होगें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ङ्कचता रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक–1–3–6

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मङ्कचतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन–पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान–पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक–5–7–9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह–सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक–3–5–7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंग। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। शुभांक–4–6–7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई–बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक–4–6–8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक–3–5–7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

शनैः–शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल–मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक–2–4–6

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक–5–7–9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढ़ग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देगें। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक–1–5–8

काकुरो पहेली - 2613

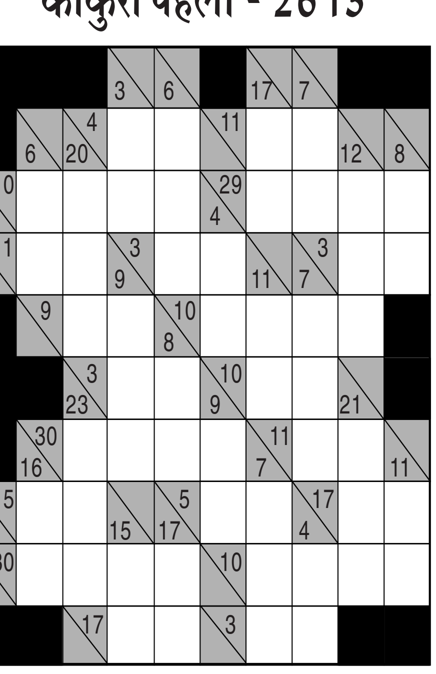

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

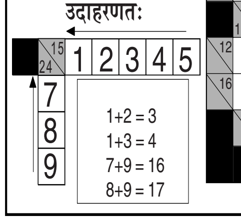

काकुरो - 2612 का हल

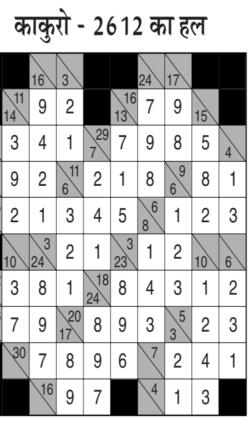

लॉफिंग ज़ोन

अपने पति की हत्या के मामले में कटघरे में खड़ी महिला से न्यायाधिश ने कहा– आपको अपनी सफाई में क्या कहना है?

महिला : मैं क्या कह सकती हूँ, मेरे यहाँ सफाई तो नौकरानी करती है। इस विषय में इससे ज्यादा जानकारी तो वही दे सकती है।

□ □ □

रमन (प्रेमिका) से– गीता, प्लीज मुझसे शादी के लिए हाँ कर दो ना....! मैं तुम्हारी हर छोटी–छोटी इच्छाओं को पूरी करूँगा।

प्रेमिका बोली– ये सब तो ठीक है, परंतु मेरी उन बड़ी इच्छाओं का क्या होगा? उसे कौन पूरा करेगा दूसरा पति।

□ □ □

एक बार तीन नीग्रो जंगल में जा रहे थे। घने जंगल के रास्ते में उन्हें भगवान मिले। भगवान ने उन्हें एक–एक वरदान माँगने के लिए कहा।

पहला बोला– मुझे गोरा बना दो।

भगवान– तथास्तु।

दूसरा बोला– मुझे भी गोरा बना दो।

भगवान ने कहा– तथास्तु।

अब तीसरे नीग्रो के माँगने की बारी थी। उसने वरदान माँगा– इन दोनों को फिर से काला–काला बना दो।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2613

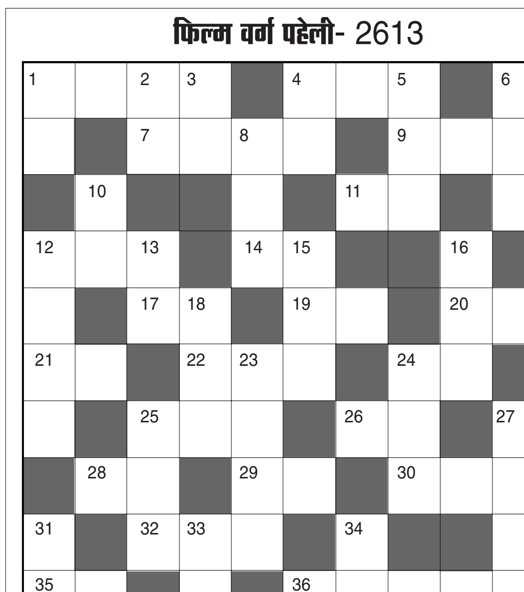

बायें से दायें:–

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म–४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म–३
७. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म–४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म–३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म–२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म–३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म–२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म–२
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म–२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म–२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन–२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म–३
२४. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म–२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक–३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म–२
२८. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका–२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म–२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म–३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म–३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म–२
३६. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म–५

ऊपर से नीचे:–

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म–२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म–२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म–२
४. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म–२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म–३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म–३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म–३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी ?–२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म–४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म–२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म–३
१६. आफताब, लिसा रे की फिल्म–३
१८. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म–३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म–४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म–३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म–३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म–४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म–२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म–२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नही' गीत वाली फिल्म–२

फिल्म वर्ग पहेली- 2612

सूडोकु -2613

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2612 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

शब्द पहेली - 2613

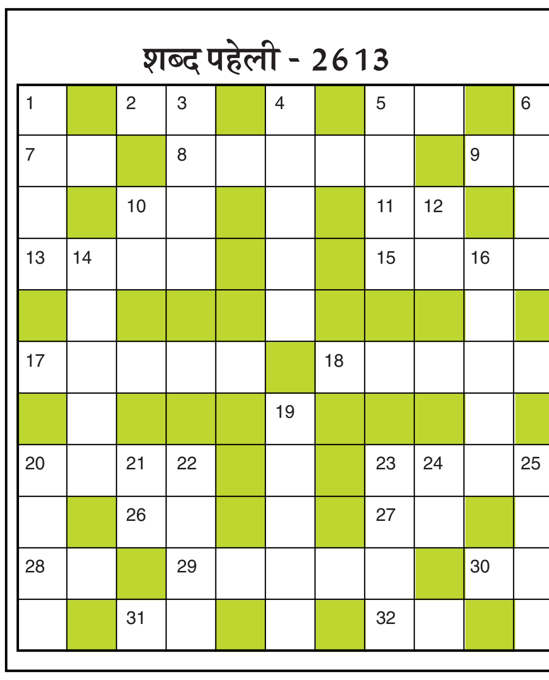

बाएँ से दाएँ

2.पिता की बहन-2
5.कठोर-2
7.खून,रुधिर-2
8.मशरुम,फफूंद-3,2
9.इसे मकड़ी बुनती है-2
10.अपशिष्ट पदार्थ-2
11.धैर्य,संयम-2
13.स्फूर्ति,चंचलता-4
15.ओस,निशाजल-4
17.राशि निर्धारण-5
18.हलकापन-5
20.खालीपन,रिक्तता-4
23.स्नान करवाना-4
26.दंड-2
27.कार्य-2
28.कुर्बानी-2
29.कहानी का लेखक-5
30.प्रतिबिंब-2
31.गाना,नगमा-2
32.मां की मां-2

ऊपर से नीचे

1.बंदूक की गोली-4
3.व्याकुलता-4
4.दौरान,मध्य में-5
5.सत्ताधारी-4
6.नरम,अकठोर-4
10.शराब,सुरा-2
12.ईश्वर-2
14.गतिशीलता-5
16.नवीन,नया -2,3
19.उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20.प्रतिपूर्त व अनुपुर्त करना (अंग्रेजी-4)
21.मवाद-2
22.नाजुकता-4
23.मना करना-4
24.मैं का बहुवचन -2
25.नाकारा,बेकार-4

शब्द पहेली -2612 का हल

सिद्धबली जनशताब्दी एक्सप्रेस का दिल्ली के शाहदरा स्टेशन पर 12 अक्टूबर से होगा ठहराव

एजेंसी

नई दिल्ली। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए दिल्ली जंक्शन-कोटद्वार सिद्धबली जनशताब्दी एक्सप्रेस का दिल्ली के शाहदरा स्टेशन पर प्रायोगिक आधार पर ठहराव का निर्णय लिया है। यह व्यवस्था 12 अक्टूबर से लागू होगी। उत्तर रेलवे की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 12038 दिल्ली जंक्शन-कोटद्वार सिद्धबली जनशताब्दी एक्सप्रेस दिल्ली शाहदरा स्टेशन पर सुबह 7:16 बजे पहुंचेगी और 7:18 बजे रवाना होगी। इसी तरह, वापसी में ट्रेन संख्या 12037 कोटद्वार-दिल्ली जंक्शन सिद्धबली जनशताब्दी एक्सप्रेस दिल्ली शाहदरा स्टेशन पर रात 9:55 बजे पहुंचेगी और 9:57 बजे रवाना होगी। रेलवे ने यात्रियों को ट्रेनों के समय और अन्य जानकारी के लिए राष्ट्रीय ट्रेन पूछताछ प्रणाली (एनटीईएस) की वेबसाइट देखने या रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर संपर्क करने की सलाह दी है।

उप्र, पुडुचेरी, बंगाल और असम में चुनावी जीत को भाजपा ने लोकतंत्र का जवाब बताया

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश के राज्यसभा चुनाव में जीत और पुडुचेरी में एनडीए के प्रतिनिधि की जीत पर खुशी जताई है। भाजपा महासचिव स्मृति ईरानी ने पत्रकार वार्ता में कहा कि पश्चिम बंगाल और असम से आ रहे चुनावी रुझानों में भाजपा को सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। उन्होंने इस जीत को लोकतंत्र की जीत बताते हुए मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। स्मृति ईरानी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के राज्यसभा चुनाव में पार्टी की जीत का समाचार कार्यकर्ताओं को हर्षित करने वाला है। वहीं, पुडुचेरी में एनडीए के प्रतिनिधि की जीत पर भी पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता जताई। उन्होंने कहा कि नंदीग्राम कभी वामपंथी विचारधारा, हिंसा और औद्योगिक विकास में बाधाओं के खिलाफ संघर्ष का प्रतीक रहा है। अब वहां भाजपा सुशासन के संकल्प के साथ जीत की ओर बढ़ रही है। पार्टी ने विभिन्न राज्यों के मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, आज भीड़तंत्र को लोकतंत्र ने जवाब दिया है।

यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे कांग्रेस सांसद अकोइजम जेएनयू से बर्खास्त

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) प्रशासन ने गंभीर कदम उठाते हुए स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज के प्रोफेसर एवं मणिपुर से कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमोल अकोइजम जेएनयू से तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर दिया है। जेएनयू की विज्ञप्ति के अनुसार यह आदेश आंतरिक समिति की ओर से यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच पूरी होने और उनकी सिफारिश के आधार पर जारी किया गया है। आंतरिक समिति की जांच रिपोर्ट और निष्कर्षों के आधार पर यूजीसी सेवा नियमों और सेंट्रल सिविल सर्विसेज (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियमावली के नियम के तहत प्रोफेसर अकोइजम को 'कड़ी सजा' देने की सिफारिश की गई थी। प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल अकोइजम के खिलाफ कई छात्राओं ने यौन उत्पीड़न की औपचारिक शिकायतें दर्ज कराई थीं। इसके बाद विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति ने मामले की जांच शुरू की थी। जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रशासन ने यह कड़ा अनुशासनात्मक फैसला लिया है।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की राष्ट्रीय महामंत्रियों के साथ बैठक, संगठन और चुनावी रणनीति पर मंथन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी के केंद्रीय मुख्यालय में नवनियुक्त राष्ट्रीय महामंत्रियों के साथ बैठक की। जिसमें संगठनात्मक तैयारियों की समीक्षा के साथ आगामी कार्ययोजनाओं और विभिन्न राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में पार्टी संगठन को और मजबूत बनाने, विभिन्न राज्यों में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने तथा बूथस्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने जैसे विषयों पर मंथन किया गया। इसके साथ ही पार्टी की पहुंच को व्यापक बनाने और संगठनात्मक कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। बैठक के बाद पार्टी अध्यक्ष ने फोटो साझा करते हुए कहा कि राष्ट्रीय महामंत्रियों के साथ बैठक कर विभिन्न संगठनात्मक विषयों एवं आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। कई राज्यों में होने वाले चुनावों के मद्देनजर संगठन की तैयारियों को धार देने और पार्टी की रणनीति को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बसपा संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि पर मायावती ने दी श्रद्धांजलि

दोहराई भारतरत्न की मांग- बोलीं, करोड़ों बहुजन ही मेरा परिवार

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज (बसपा) पार्टी के संस्थापक कांशीराम का महापरिनिर्वाण (पुण्यतिथि) पर पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने लखनऊ स्थित पार्टी के सेन्ट्रल कैम्प कार्यालय 9 माल एवेन्यू के खुले प्रांगण में लगी उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनन्द सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद रहे। उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि कांशीराम को देश के सर्वोच्च नागरिक अवार्ड 'भारतरत्न' से सम्मानित किया जाए। मायावती ने कहा कि बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को भारत के अनुपम संविधान का निर्माता होने के ऐतिहासिक भूमिका सम्मान के बावजूद कांग्रेस पार्टी की सरकार ने लम्बे समय तक उन्हें 'भारतरत्न' की उपाधि से सम्मानित नहीं किया। अन्ततः बसपा के मजबूत होने पर वीपी सिंह की सरकार में उन्हें 'भारतरत्न' से सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि उसी प्रकार कांशीराम को उनके सामाजिक परिवर्तन के ऐतिहासिक योगदान के लिए उन्हें भी 'भारतरत्न' ज़रूर मिल जाना चाहिये था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। इसीलिये बसपा की मांग है कि कांशीराम को 'भारतरत्न'

से सम्मानित किया जाए।

मायावती ने कहा कि कांशीराम के त्याग, समर्पण आदि की तरह ही, मेरे लिये भी 'बहुजन समाज' के करोड़ों लोग ही मेरे वृहद असली परिवार हैं। उनका हित, कल्याण, अस्मिता मेरे लिये सर्वोपरि है। देश में 'सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति आन्दोलन को लेकर यही वह मेरा आत्मविश्वास, प्रतिज्ञा, शक्ति व ऊर्जा है, जिसके बल पर उत्तर प्रदेश में बसपा की सरकारों में अनेकों ऐतिहासिक कार्य किए। मायावती ने कहा कि महापुरुषों की प्रतिज्ञा को मंजिल तक पहुंचाने के लिये सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करके 'शोषित वर्ग' को 'शासक वर्ग' बनाना बहुत ज़रूरी है। इसलिए अभी कुछ ही माह में उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व पंजाब में होने वाले विधानसभा आमचुनाव में सभी लोगों को और भी अधिक तन, मन, धन की तन्मयता से लगना है, ताकि कांशीराम जी को सही मायने में उनके जीवन उद्देश्य के हिसाब से परिपूर्ण भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित हो सके। मायावती ने कहा कि सत्ता प्राप्ति का मार्ग बहुत कठिन, जातिवादी व विषैला है। खासकर ऐसे समय में जबकि संविधान की मानवतावादी व कल्याणकारी पवित्र मंशा को काफी हद तक भुलाकर हर सेवा का विशुद्ध लाभ-हानि के हिसाब से कारोबारी बना दिया गया है, तो फिर लोकतंत्र का चौथे स्तंभ कहलाने वाला मीडिया इससे कैसे अछूता रह सकता है। विरोधियों के साम, दाम, दण्ड, भेद आदि अनेकों हथकण्डों में अब एकज्युल मीडिया, सोशल मीडिया व एआई भी उनका नया हथियार है, जिसके फेक न्यूज़, पेड न्यूज़, प्रायोजित न्यूज़ व मिथ्या प्रचार आदि से अति-सावधान रहना है, क्योंकि इनकी नीति बसपा की एकाग्रता एवं ध्यान को आगामी विधानसभा आमचुनाव से भटकाकर सत्ता से दूर रखने का है।

राहुल गांधी और इंडी गठबंधन के झूठ और दुष्प्रचार के बावजूद भाजपा लगातार चुनाव जीत रही है : अमित शाह

'लोगों ने एक बार फिर जनादेश देकर भाजपा पर अपना विश्वास व्यक्त किया है।'

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्षी 'इंडी' गठबंधन पर झूठ, भ्रम और दुष्प्रचार फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि इसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लगातार चुनाव जीत रही है। उन्होंने पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी के उपचुनावों तथा राजस्थान और त्रिपुरा के हालिया निकाय चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत को विपक्षी गठबंधन के प्रति जनता की अस्वीकृति का संकेत बताया। शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इन चुनावों के नतीजे दर्शाते हैं कि जनता ने 'इंडी' गठबंधन को पूरी

तरह नकार दिया है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा को मिल रहा जनसमर्थन लगातार कायम है।

गृह मंत्री ने विपक्षी दलों पर चुनाव में हार के बाद संस्थाओं पर सवाल उठाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि जनाधार खो चुके ये दल हर हार के बाद संस्थाओं पर सवाल उठाते हैं, लेकिन जनता इनके इस रवैये को पहचान चुकी है। शाह ने दावा किया कि लोगों ने एक बार फिर जनादेश देकर भाजपा पर अपना विश्वास व्यक्त किया है। शाह ने चुनावों में जीत के लिए पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन. रंगासामी को बधाई दी। उन्होंने संबंधित राज्यों के भाजपा अध्यक्षों और पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत की भी सराहना की। असम के नगांव लोकसभा क्षेत्र तथा पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा क्षेत्रों में हुए उपचुनावों में भाजपा उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की। वहीं, पुडुचेरी के थट्टानचावडी विधानसभा क्षेत्र में राजग की सहयोगी ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस (एआईएनआरसी) ने जीत हासिल की। शाह ने इन नतीजों के साथ राजस्थान और त्रिपुरा के हालिया निकाय चुनावों में राजग के प्रदर्शन का भी उल्लेख किया और इसे मोदी के नेतृत्व के प्रति जनता के समर्थन से जोड़ा।

ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस को सशक्त करना मप्र सरकार की प्राथमिकताः डॉ. इलैया राजा टी.

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड के प्रबंध संचालक डॉ. इलैयाराजा टी. ने कहा कि ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस को सशक्त करना मध्य प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश निवेश, नवाचार और व्यावसायिक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

डॉ. इलैया राजा भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में चल रहे चार दिवसीय मध्य प्रदेश ट्रैवल मार्ट (एमपीटीएम) 2026 के तीसरे दिन बीटूबी मीटिंग्स को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2028 के लिए एक सशक्त पर्यटन रोडमैप तैयार किया जाएगा, ताकि मध्य प्रदेश पर्यटन निवेश, सुगम व्यावसायिक प्रक्रियाओं और विविध पर्यटन अनुभवों के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान बनाए। प्रबंध संचालक डॉ. राजा ने बताया कि हम '3जी' पर काम कर रहे है, जिनमें गाइड, गाइडलाइंस और गियर शामिल हैं। प्रक्रियाओं को सरल बनाना और निवेशकों को अनुकूल नीतिगत वातावरण उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। मध्य प्रदेश पर्यटन नीति का उद्देश्य बड़े निवेशकों के साथ-साथ स्थानीय उद्यमियों, ग्रामीण समुदायों और होमस्टे संचालकों को भी पर्यटन अर्थव्यवस्था से जोड़ना है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और पर्यटन का लाभ प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचेगा।

एमपीटीएम- 2026 के तीसरे दिन बीटूबी मीटिंग्स के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों एवं संस्थानों को सम्मानित किया गया। इसका उद्देश्य प्रदर्शकों की रचनात्मकता, नवाचार और पर्यावरण-अनुकूल पहलों के साथ-साथ मध्य प्रदेश की पर्यटन विरासत, कला एवं शिल्प के प्रभावी प्रदर्शन को प्रोत्साहित करना रहा।

एनएचआरसी के 33वें स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे सीजेआई सूर्यकांत

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) 12 अक्टूबर को दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में अपना 33वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित करेगा। इस कार्यक्रम में मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। आयोग के अनुसार समारोह की अध्यक्षता आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी. रामासुब्रमणियन करेंगे। इस अवसर पर आयोग के सदस्य न्यायमूर्ति बिद्युत रंजन सारंगी, विजया भारती सयानी, प्रियांक कानूनगो और महासचिव पीयूष गोयल सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक एवं न्यायिक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। स्थापना दिवस समारोह के उपरांत आयोग की ओर से 'जल जीवन का अमृत: जल के अधिकार के माध्यम से मानवीय गरिमा को बढ़ावा देना' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में दो तकनीकी सत्र होंगे। इनमें पहला जल के अधिकार की नींव की रक्षा और दूसरा पेयजल स्रोतों का संरक्षण करना शामिल है। इस विचार-विमर्श में शिक्षाविद, शोधकर्ता, नागरिक समाज के प्रतिनिधि और मानवाधिकार विशेषज्ञ सुरक्षित जल तक पहुंच को मानवीय गरिमा के अधिकार के रूप में रेखांकित करेंगे। एनएचआरसी ने अपने 33 वर्षों के कार्यकाल में मानवाधिकारों की रक्षा और कानूनी सुधारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनमें निपटाए गए मामले में 3,100 स्वतः संज्ञान मामलों सहित कुल 24,33,716 मामलों का सफल निपटारा किया गया। मानवाधिकार उल्लंघन के पीड़ितों को 9,085 मामलों में 274 करोड़ रुपये से अधिक की आर्थिक क्षतिपूर्ति की सिफारिश की गई। समाज के वंचित वर्गों, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों, कैदियों, ट्रक चालकों, अनौपचारिक श्रमिकों और मानसिक स्वास्थ्य के अधिकारों पर अब तक 35 महत्वपूर्ण परामर्श जारी किए गए। कुष्ठ रोग से ग्रसित व्यक्तियों के साथ भेदभाव करने वाले 97 कानूनों में संशोधन की सिफारिश आयोग की प्रमुख उपलब्धियों में शामिल है।

उत्तराखंड से भाजपा के दिनेश आर्य निर्विरोध राज्यसभा सदस्य निर्वाचित

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड से राज्यसभा सीट के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार दिनेश आर्य निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। देहरादून स्थित विधानसभा भवन में प्रभारी सचिव एवं रिटर्निंग ऑफिसर हेम चन्द्र पंत ने उन्हें निर्वाचन प्रमाण पत्र सौंपा।

इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम सहित विधानसभा सचिवालय के अधिकारी, भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। दिनेश आर्य के निर्विरोध निर्वाचन के साथ ही उत्तराखंड से राज्यसभा सीट पर भाजपा का प्रतिनिधित्व तय हो गया है। निर्वाचन प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें औपचारिक रूप से निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। निर्वाचन प्रमाण पत्र

सौंपे जाने के दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम, मस्तू दास तथा विधानसभा सचिवालय के अधिकारी लक्ष्मीकान्त उनियाल, दीनदयाल बिष्ट, हीरा सिंह और संदीप ढैला उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भाजपा के विभिन्न पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार के निर्विरोध निर्वाचित होने की स्थिति में मतदान की आवश्यकता नहीं होती। निर्वाचन अधिकारी की ओर से निर्धारित प्रक्रिया पूरी किए जाने के बाद निर्वाचित प्रत्याशी को प्रमाण पत्र सौंपा जाता है।

कपूरथला में बनी वंदे भारत ट्रेन का मथुरा-नागदा खंड पर 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से सफल परीक्षण

वंदे भारत ट्रेन का सफल उच्च गति परीक्षण इसी दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब के कपूरथला स्थित रेल कोच फैक्टरी (आरसीएफ) में निर्मित 16 डिब्बों वाली वंदे भारत ट्रेन का मथुरा-नागदा रेलखंड पर 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सफल परीक्षण किया गया है। रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीसीआरएस) की निगरानी में गुरुवार को हुए इस परीक्षण में ट्रेन की तेज गति पर प्रदर्शन क्षमता, परिचालन दक्षता और सुरक्षा मानकों का आकलन किया गया। रेल मंत्रालय के अनुसार, परीक्षण की सफलता आधुनिक वंदे भारत ट्रेनसेट के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे देश

में आधुनिक रेलगाड़ियों के निर्माण और उन्नत रेल तकनीक के क्षेत्र में विकसित हो रही क्षमताओं को भी रेखांकित किया गया है। कपूरथला रेल कोच फैक्टरी में निर्मित इस वंदे भारत ट्रेन में 16 डिब्बे हैं और यह उन्नत प्रणोदन प्रणाली से लैस है। परीक्षण के दौरान ट्रेन के उच्च गति पर प्रदर्शन और निर्धारित सुरक्षा मानकों का मूल्यांकन किया गया। हालांकि, परीक्षण सफल होने का अर्थ अपने आप में इस ट्रेनसेट को नियमित यात्री सेवा के लिए मंजूरी मिलना नहीं है।आरसीएफ कपूरथला आधुनिक रेल डिब्बों के निर्माण का प्रमुख केंद्र है। यहां वंदे भारत और अमृत भारत जैसी आधुनिक रेलगाड़ियों के लिए डिब्बे तैयार किए जाते हैं। फैक्टरी की विनिर्माण क्षमता ने भारतीय रेलवे के आधुनिक रेल बेड़े के विस्तार में योगदान दिया है। रेल कोच फैक्टरी ने वित्त वर्ष 2025-26 में कुल 2,383 डिब्बों का उत्पादन किया, जो उसके इतिहास में अब तक का सर्वाधिक वार्षिक उत्पादन है। यह उपलब्धि फैक्टरी की उत्पादन क्षमता और आधुनिक रेल डिब्बों की बढ़ती विनिर्माण गतिविधियों को दर्शाती है। आरसीएफ में निर्मित रेल डिब्बों का एशिया और अफ्रीका के विभिन्न देशों में निर्यात भी किया गया है। इससे भारतीय रेल विनिर्माण क्षेत्र की अंतरराष्ट्रीय बाजार में मौजूदगी बढ़ाने में मदद मिली है। रेलवे विनिर्माण में स्वदेशी क्षमता को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत कपूरथला स्थित यह फैक्टरी आधुनिक यात्री रेलगाड़ियों के निर्माण में योगदान दे रही है।

पारंपरिक चिकित्सा वैश्विक स्तर पर निवारक स्वास्थ्य सेवा को दे सकती है मजबूतीः प्रतापराव जाधव

मारेंगो एशिया हॉस्पिटल्स और बैंयियो ट्रेनिंग अकादमी द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम की थीम 'ब्रिजिंग हेल्थकेयर, एजुकेशन एंड इनोवेशन' है।

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने कहा कि वैज्ञानिक अनुसंधान, उपयुक्त नैदानिक प्रमाण, गुणवत्ता मानकों और जिम्मेदार एकीकरण के समर्थन से पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियां दुनियाभर में निवारक स्वास्थ्य सेवा और समग्र कल्याण को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। इंडो-यूके हेल्थ कॉन्क्लेव 2026 के दूसरे संस्करण का उद्घाटन करते हुए प्रतापराव जाधव ने कहा कि क्लिनिकल गवर्नेंस, मरीजों की सुरक्षा और गुणवत्ता आश्वासन के क्षेत्र में ब्रिटेन का अनुभव तथा भारत की नैदानिक विशेषज्ञता, तकनीकी नवाचार और स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की क्षमता मिलकर अधिक प्रभावी और

जवाबदेह स्वास्थ्य प्रणालियों के निर्माण में मदद कर सकती है। जाधव ने आयोजकों और भाग लेने वाले संस्थानों को बधाई दी। उन्होंने विश्वास जताया कि यह सम्मेलन विचार-विमर्श को दोनों देशों की स्वास्थ्य प्रणालियों के लिए दीर्घकालिक साझेदारियों और ठोस परिणामों में बदलने में सहायक होगा। जाधव ने कहा कि वैज्ञानिक शोध, उपयुक्त नैदानिक प्रमाण, गुणवत्ता मानक और जिम्मेदार एकीकरण पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को निवारक स्वास्थ्य सेवा और समग्र कल्याण में प्रभावी भूमिका निभाने में सक्षम बना सकते हैं। मारेंगो एशिया हॉस्पिटल्स और बैंयियो ट्रेनिंग अकादमी द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम की थीम 'ब्रिजिंग हेल्थकेयर, एजुकेशन एंड इनोवेशन' है। इसमें भारत और यूनाइटेड किंगडम के स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े पेशेवर, शिक्षाविद और संस्थागत प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इस पहल के तहत आयुष स्नातकों और स्नातकोत्तरों के लिए छह-छह महीने की अवधि वाले दो प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। इनमें 'सर्टिफिकेट इन एक्यूट केयर एंड इमरजेंसी सपोर्ट' तथा 'सर्टिफिकेट इन लाइफस्टाइल हेल्थ एंड वेल-बीइंग काउंसलिंग एंड प्रैक्टिस' शामिल हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य संरचित शिक्षण और पर्यवेक्षित व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से नैदानिक सहयोग संबंधी कौशल तथा निवारक स्वास्थ्य परामर्श को मजबूत करना है।

महाराष्ट्र के सूखा प्रभावित इलाकों में केंद्रीय टीम ने फसलों के नुकसान का लिया जायजा

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा और विदर्भ में सूखे की स्थिति तथा फसलों को हुए नुकसान का जायजा लेने पहुंची केंद्र सरकार की अंतर-मंत्रालयीन टीम ने सूखे के विभिन्न जिलों के प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया। टीम ने खेतों में जाकर फसलों की स्थिति देखी और किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं। मुख्यमंत्री सचिवालय से मिली जानकारी के अनुसार छत्रपति संभाजीनगर जिले के देमनी इलाके में टीम ने किसान विलास देवीदास शिंदे के गट नंबर 84 में स्थित एक हेक्टेयर 20 आर क्षेत्र में लगी सोयाबीन की फसल का निरीक्षण किया। बारिश नहीं होने के कारण पूरी फसल बर्बाद हो गई है। टीम ने किसानों से चर्चा कर फसल नुकसान और सूखे के प्रभाव की जानकारी ली। जालना जिले में टीम ने बदनापुर तालुका के नानेगांव तथा अंबाड तहसील के किंगगांववाड़ी और जामखेड़ में फसलों का निरीक्षण किया। टीम ने बारिश की कमी, फसलों की वृद्धि, सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता और संभावित नुकसान का आकलन किया। किसानों ने बढ़ती उत्पादन लागत, पानी की कमी और फसल बर्बादी से जुड़ी समस्याएं रखीं। उन्होंने उचित मुआवजे, आर्थिक सहायता और सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने की मांग की। इसी तरह वाशिम में केंद्रीय टीम ने अमरावती संभाग के पांच जिलों में सूखे और फसल नुकसान की स्थिति की समीक्षा की। इसके बाद वाशिम तहसील के सुपखेला, मंगरूलपीर तहसील के स्वासिन और कोठारी, मनोरा तालुका के कुप्टा तथा कारंजा तहसील के कलिकरांजा और पनवढिए गांवों में खेतों का निरीक्षण किया। टीम ने किसानों से संवाद कर नुकसान की जानकारी ली और स्वासिन में लघु सिंचाई परियोजना का भी जायजा लिया। दौरा पूरा करने के बाद केंद्रीय टीम यवतमाल जिले के लिए रवाना हो गई। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त सचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुक्तानंद अग्रवाल के नेतृत्व वाली टीम में महालनोबिस राष्ट्रीय फसल पूर्वानुमान केंद्र के उपनिदेशक सुनील कुमार दुबे, नीति आयोग के सलाहकार डॉ. जसपाल सिंह और पशुपालन एवं डेयरी विभाग की पशुधन अधिकारी डॉ. साक्षी भदौरिया, राज्य कृषि सचिव परिमल सिंह, जिलाधिकारी विनय गौड़ा जी. सी. और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी भी मौजूद रहे।

एनरिक नॉर्टजे ने कहा-मेरा समय और हालात सही नहीं रहे

नई दिल्ली । तीन साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्टजे ने अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किंग्समीड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद नॉर्टजे ने टेस्ट क्रिकेट को खेल का सबसे बेहतरीन और चुनौतीपूर्ण फॉर्मेट बताया। नॉर्टजे ने आखिरी बार 2023 में सेंचुरियन में वेस्टइंडीज के खिलाफ साउथ अफ्रीका के लिए टेस्ट मैच खेला था। पहले टेस्ट के शुरुआती दिन उन्होंने दो विकेट लिए और मेजबान टीम को ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 187/6 पर रोकने में मदद की, जिसके बाद शुक्रवार को खराब रोशनी और बारिश के कारण खेल जल्दी खत्म करना पड़ा। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने एक ही ओवर में एलेक्स कैरी (14) और ब्यू वेबस्टर

(4) को आउट किया, जिससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 124/6 हो गया। फिटनेस की समस्याओं और मौकों के हाथ से निकल जाने के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद नॉर्टजे टेस्ट टीम में लौटे हैं। 'क्रिकइन्फो' के अनुसार, नॉर्टजे ने कहा, 'मैं हमेशा से टेस्ट खेलना चाहता था। मगर मौके, समय और हालात हमेशा सही नहीं रहे। जाहिर है कि कुछ समस्याओं के कारण चीजें हमेशा वैसी नहीं हुई जैसी होनी चाहिए थीं। '

टेस्ट क्रिकेट में वापसी की अपनी पिछली कोशिशों को याद करते हुए एनरिक नॉर्टजे ने उस चोट का जिक्र किया, जिसने उनकी राह मुश्किल बना दी थी। तेज गेंदबाज ने बताया कि पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के दौरान लगी चोट की वजह से वह लंबे समय तक मैदान से दूर रहे और टेस्ट टीम में वापसी की उनकी योजनाएं प्रभावित हुई।उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज के सबसे करीब पहुंचा था। वनडे मैचों के दौरान मेरे पैर की उंगली टूट गई थी, जब डेविड नेट्स में मुझे रिवर्स स्विंग गेंदें फेंक रहे थे। तो हां, अतीत में ऐसा मौका आया था। आखिरकार सब कुछ ठीक हो गया और मैं मैदान पर वापस आ सका, देश के लिए फिर से खेल सका, खासकर टेस्ट कैप पहनकर। घर पर रखे-रखे यह थोड़ी पुरानी हो गई है।' नॉर्टजे ने कहा कि उन्हें टेस्ट क्रिकेट की शारीरिक चुनौतियों का सामना करना पसंद है, खासकर लंबे समय तक लगातार गेंदबाजी करते हुए विकेट लेने की चुनौती। उन्होंने कहा, 'मुझे कड़ी मेहनत करना पसंद है।

बीबीएल मैच की टिकट ब्रिकी शुरू

पर्थ स्कॉर्चर्स से होगी मेलबर्न रेनगेड्स की भिड़ंत

मेलबर्न । मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होने वाले ऐतिहासिक बिग बैश लीग (बीबीएल) सीजन 16 के ओपनिंग मैच के टिकट शनिवार से बिक्री के लिए उपलब्ध हो गए हैं। शुरुआती दौर के टिकट भारत में 'डिस्ट्रिक्ट बाय जोमैटो' वेबसाइट पर उपलब्ध हैं और आने वाले दिनों में और टिकट भी जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, 4 या 12 दिन के इंटरनेशनल ट्रैवल पैकेज भी बिक्री के लिए उपलब्ध हैं, जिनमें मैच के टिकट और बिग बैश लीग का मर्चेंडाइज शामिल है। इन पैकेजों को खास तौर पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ट्रैवल ऑफिस ने तैयार किया है। 12 दिसंबर को होने वाला यह मैच ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला मैच बन सकता है। बिग बैश लीग एक ऐसे स्टेडियम में फैंस के लिए शानदार अनुभव पेश करने की तैयारी कर रही है, जिसने पहले भी कई यादगार क्रिकेटिंग पल देखे हैं।क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बिग बैश लीग्स के एग्जीक्यूटिव जनरल मैनेजर एलिस्टर डॉब्सन ने शनिवार को एक बयान में कहा, 'खचाखच भरा स्टेडियम ही बीबीएल की असली पहचान है, और हम चेन्नई में बिग बैश का एक हिस्सा लाने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

होप के कायल हुए पीटरसन

आईपीएल नीलामी को लेकर दी सलाह, जमकर की सराहना

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने शुक्रवार को रांची में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में भारत के बनाए 249 रन के जवाब में 252 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीत लिया। कप्तान शाई होप ने 45 गेंद पर नाबाद 102 रन की पारी खेल इस जीत में अहम और यादगार भूमिका निभाई। टी20 में वेस्टइंडीज का यह सबसे बड़ा रन चेज था। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने होप की विस्फोटक शतकीय पारी की जमकर तारीफ की और कहा कि अब उन्हें आईपीएल नीलामी में शामिल होना चाहिए।

केविन पीटरसन ने होप के लिए ये लिखा...

पीटरसन ने एक्स पर लिखा, 'अगर शाई होप अपना नाम मिनी आईपीएल ऑक्शन में डालते हैं, तो उनके लिए कुछ अच्छा हो सकता है।' होप के 45 गेंदों पर नाबाद 102 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने 18.3 ओवर में चार विकेट पर 252 रन बनाए। इस जीत के साथ सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। वेस्टइंडीज के कप्तान होप अपनी पारी में आक्रामक होने के साथ ही काफी नियंत्रित दिखे। उन्हें शेरफेन रदरफोर्ड का बहुत अच्छा साथ मिला। रदरफोर्ड ने 37 गेंदों पर 84 रन बनाए और होप के साथ 120 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी ने मैच का रुख बदल दिया। होप के प्रदर्शन ने टी20 क्रिकेट की जरूरतों के हिसाब से अपने खेल को ढालने की उनकी काबिलियत की याद दिलाई। रदरफोर्ड ने बीच के ओवरों में जबरदस्त हिटिंग की, लेकिन कप्तान ने आखिरी समय में कमान संभालने से पहले यह पक्का किया कि टीम सही रास्ते पर रहे। भारत ने पांच विकेट पर 249 रन बनाए थे, जिसमें संजू सैमसन ने 41 गेंदों पर 82 और तिलक वर्मा ने 44 और श्रेयस अय्यर ने 40 रन बनाए थे। ईशान ने भी 43 रन की पारी खेली थी।

होनी है आईपीएल की नीलामी

आईपीएल के अगले सीजन के लिए खिलाड़ियों की मिनी नीलामी भारत में होगी। पिछले तीन वर्षों से यह आयोजन देश से बाहर हो रहा था, लेकिन अब ये भारत में ही होगी। पिछले तीन संस्करणों की नीलामी दुबई, जेद्दा (मेगा नीलामी) और आबू धाबी में आयोजित की गई थी।

भारत बनाम वेस्टइंडीज: मयंक यादव को लेकर गावस्कर ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने टीम प्रबंधन के फैसले पर सवाल उठाए हैं। गावस्कर का मानना है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ रांची में खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत ने तेज गेंदबाज मयंक यादव या बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के बजाय कुलदीप यादव को महत्वपूर्ण 17वां ओवर सौंपकर बड़ी गलती की। कुलदीप ने इस ओवर में 24 रन लुटाए, जिसमें तीन छक्के, एक चौका और एक वाइड शामिल थी। इससे 250 रन के लक्ष्य का पीछा कर रहे वेस्टइंडीज का पलड़ा भारी हो गया। वेस्टइंडीज ने यह मैच छह विकेट से जीतकर पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली।

मयंक को लेकर ये बोले सुनील गावस्कर....

गावस्कर ने कहा, मैं 17वें ओवर में अर्शदीप या मयंक में से किसी एक को गेंदबाजी के लिए बुलाता। अर्शदीप ने अपने आखिरी ओवर (18वें ओवर) में खूब रन लुटाए, लेकिन मयंक ने शुरुआती झटके दिए थे। मयंक का इकॉनोमी रेट लगभग 12 रन प्रति ओवर था और उस समय वेस्टइंडीज को इससे अधिक रन चाहिए थे। इसलिए अगर उन्होंने विकेट ले लिया होता तो मैच आपके पक्ष में जा सकता था। गावस्कर का मानना था कि उस महत्वपूर्ण मोड़ पर मयंक का एक और विकेट वेस्टइंडीज पर भारी दबाव डाल सकता था और उसके लिए मुश्किल पैदा कर सकता था। उन्होंने कहा, जब एक बार विकेट मिल जाए तो विपक्षी टीम अचानक बैकफुट पर आ जाती है। एक नए बल्लेबाज को आना पड़ता है। इसलिए उस समय मयंक को आजमाया जाना चाहिए था। इसके अलावा मुझे लगता है कि नौवें ओवर में शिवम दुबे को गेंदबाजी के लिए बुलाना सही फैसला नहीं था। तब बल्लेबाज लय हासिल करने की कोशिश कर रहे थे और इसलिए तब कुलदीप को लाना शायद बेहतर विकल्प होता।वेस्टइंडीज ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज सफलतापूर्वक हासिल किया। क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में सबसे बड़ा रन चेज दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ हासिल किया था, जब टीम ने 259 रन बनाकर जीत दर्ज की थी। टी20 क्रिकेट में यह महज सातवां मौका है, जब किसी मुकाबले में 250 या उससे ज्यादा का रन चेज सफलतापूर्वक किया गया है।

गंभीर ने श्रेयस से पहले शिवम को भेजने का बचाव किया

भारत और वेस्टइंडीज के बीच टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबले में श्रेयस अय्यर से पहले शिवम दुबे को भेजा गया। इस फैसले के लिए गौतम गंभीर को आलोचना का सामना करना पड़ा, लेकिन मैच के बाद भारतीय कोच ने दुबे को अय्यर से पहले भेजने के फैसले का बचाव किया। भारत को इस मैच में हार का सामना करना पड़ा। शिवम दुबे बल्लेबाजी के लिए चौथे नंबर पर आए थे। उन्हें बल्लेबाजी के लिए आने को तैयार कप्तान श्रेयस अय्यर की जगह भेजा गया था। दुबे जब बल्लेबाजी के लिए आए तो स्कोर 11.1 ओवर में 139 रन था। दुबे उम्मीद के अनुरूप बल्लेबाजी नहीं कर सके और 10 गेंदों पर सात रन बनाकर आउट हो गए। इसका असर टीम के कुल स्कोर पर भी पड़ा। दुबे की जगह अगर श्रेयस अय्यर को भेजा गया होता, तो शायद परिणाम कुछ और होता। पहले मैच में शतक लगाने वाले अय्यर ने बाद में आकर 18 गेंदों पर 40 रन की पारी खेली। गौतम गंभीर ने कहा, हमने शिवम को लंबे समय तक ऐसे ही इस्तेमाल किया है, विश्व कप में भी और उससे पहले भी। यह सिर्फ एक बार नहीं हुआ। इस मैच में हमने मोमेंटम खो दिया था। यह इंटरनेशनल क्रिकेट है, कभी-कभी यह आपके हिसाब से होता है, कभी-कभी नहीं। सबसे जरूरी बात हम हमेशा अपनी बैटिंग लाइन-अप के साथ लचीले रहे हैं और हम इसे जारी रखेंगे।

रहाणे ने की 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम को आईपीएल से हटाने की मांग

नई दिल्ली । भारत के पूर्व क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के विवादित 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम की आलोचना की है। रहाणे ने इस नियम को लीग से हटाने की वकालत भी की है। रहाणे उन कई क्रिकेटरों में शामिल हो गए हैं जो इस नियम की आलोचना कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस नियम से भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडर्स का विकास रुक रहा है और यह किसी काम का नहीं है। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर चुके रहाणे ने 'क्रिकबज' से कहा, 'मुझे लगता है कि इसे हटा दिया जाना चाहिए। मुझे याद है कि पिछले साल आईपीएल कप्तानों की बैठक से पहले, ज्यादातर कप्तानों ने कहा था कि उन्हें 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम नहीं चाहिए। मुझे लगता है कि यह नियम या गाइडलाइंस 2027 तक लागू हैं। इसलिए हमें नहीं पता कि वे इसे इस साल हटाएंगे या इस साल के बाद होने वाले बड़े ऑक्शन (नीलामी) में हटाएंगे। हालांकि, असल में मुझे लगता है कि 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम का कोई मतलब या फायदा नहीं है।' रहाणे ने आगे कहा, 'यह नियम भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडर्स के विकास में भी बाधा डाल रहा है, क्योंकि फ्रेंचाइजी बल्लेबाज की जगह गेंदबाज और गेंदबाज की जगह बल्लेबाज को लाकर बल्ले या गेंद से बेहतर नतीजा पाने की कोशिश करती हैं। '

भारतीय टीम में हार्दिक पांड्या की कमी के कारण टीम को अक्सर उनके विकल्प की तलाश करनी पड़ती है। हालांकि, शिवम दुबे और नीतीश रेड्डी सामने आए हैं, लेकिन वे अभी भी हार्दिक की काबिलियत के स्तर तक नहीं पहुंच पाए हैं। इसके अलावा, भविष्य के लिए बहुत ज्यादा ऑलराउंडर्स तैयार होते नहीं दिख रहे हैं, खासकर तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर्स, जो अब भारतीय क्रिकेट में बहुत कम देखने को मिलते हैं।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने कहा, 'खासकर आईपीएल में ऑलराउंडर्स खेल से बाहर होते जा रहे हैं। और मेरा पक्का मानना ??है कि आपको अपने ऑलराउंडर्स को तैयार करना चाहिए। भारतीय टीम के नजरिए से ऑलराउंडर्स बहुत जरूरी हैं। इसी कारण 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम को हटा देना चाहिए। पिछले साल मैं किसी टीम का नाम नहीं लेना चाहता, लेकिन कुछ टीमें शायद 90/7 या 100/7 के स्कोर पर थीं, और इस नियम के चलते एक अतिरिक्त बल्लेबाज को उतारकर उन्होंने 200 रन तक बना लिए थे। यही कारण है कि मुझे लगता है कि गेंदबाजों को कुछ फायदा मिलना चाहिए और ऑलराउंडर्स भी खेल में पूरी तरह शामिल होने चाहिए। उन्हें इसे हटा देना चाहिए। '

भारत दौरे से बाहर हुए न्यूजीलैंड के गेंदबाज विल ओ'रूर्के

नई दिल्ली । भारत के खिलाफ शुरू होने वाली सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को एक और बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज विल ओ'रूर्के भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज से बाहर हो चुके हैं। 25 साल के ओ'रूर्के बाईं हैमस्ट्रिंग और पिंडली की चोट से जूझ रहे हैं और फिलहाल रिहैब प्रक्रिया में हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, ओ'रूर्के को आराम दिया जा रहा है। मैनेजमेंट उन्हें लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता, क्योंकि दिसंबर-जनवरी में टीम को ऑस्ट्रेलिया में चार टेस्ट मैचों की बेहद अहम सीरीज खेलनी है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, 'यह निराशाजनक है कि विल को भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर इतने बड़े दौरे से बाहर होना पड़ा। वह वनडे और टेस्ट दोनों सीरीज में हमारी योजना का हिस्सा थे, लेकिन बातचीत के बाद हम सभी इस बात पर सहमत हुए कि उन्हें चोटों से उबरने के लिए कुछ और समय देना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'अगले कुछ महीनों में हमारे तेज गेंदबाजी संसाधन बहुत जरूरी होंगे, इसलिए हम विल की वापसी का बेहतर तरीका अपना रहे हैं।

वरुण एरोन बोले -गेंदबाजों ने घबराहट में आकर गलतियां कीं

नई दिल्ली । रांची में खेले गए दूसरे टी20 इंटरनेशनल में वेस्टइंडीज द्वारा 250 रन का विशाल लक्ष्य हासिल करने के बाद भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वरुण एरोन ने टीम इंडिया की गेंदबाजी रणनीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब शाई होप और शेरफेन रदरफोर्ड ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए मैच का रुख बदलना शुरू किया, तब भारतीय गेंदबाज अपनी तय योजना से भटक गए। एरोन का मानना है कि भारतीय गेंदबाजों ने सही लाइन और लेंथ पर लगातार गेंदबाजी करने के बजाय बहुत जल्दी अपनी रणनीति बदल दी। उनके मुताबिक, ऐसे हालात में धैर्य बनाए रखना और बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखने के लिए लगातार अच्छी गेंदबाजी करना जरूरी था। वरुण एरोन ने 'जियोस्टार' से कहा, 'शाई होप और रदरफोर्ड ने शानदार खेल दिखाया।

यह लगभग बैटमैन और रॉबिन जैसी साझेदारी थी।शाई होप ने एक छोर संभाले रखा और पारी को स्थिर रखा, जबकि रदरफोर्ड लगातार रन बनाते रहे। उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की, लेकिन भारतीय गेंदबाज शुरुआती चार-पांच ओवरों के बाद सही लेंथ पर गेंदबाजी करना ही भूल गए।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान हॉकी टीम नहीं लेगी हिस्सा

नई दिल्ली। पाकिस्तान हॉकी टीम ने आधिकारिक तौर पर पंजाब में होने वाली पुरुषों की एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 से अपना नाम वापस ले लिया है। जालंधर और मोहाली में 27 अक्टूबर से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह अब बांग्लादेश खेलेगा। पाकिस्तान के सीमा पार यात्रा न करने के फैसले का मतलब है कि एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता और मेजबान भारत का मुकाबला 27 अक्टूबर को टूर्नामेंट के पहले दिन बांग्लादेश से होगा। एशियाई हॉकी महासंघ ने शुक्रवार को इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय टूर्नामेंट का पूरा मैच शेड्यूल जारी किया। यह टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक पंजाब के दो मशहूर हॉकी स्टेडियमों – जालंधर में ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम और मोहाली में ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम – में खेला जाएगा। मौजूदा चैंपियन भारत और बांग्लादेश के अलावा टूर्नामेंट में भाग लेने वाली अन्य चार टीमें मलेशिया, जापान, साउथ कोरिया और चीन हैं।जापान में एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक सफलतापूर्वक बचाने के बाद, पांच बार की एसीटी विजेता भारतीय टीम शीर्ष वरीयता प्राप्त टीम के रूप में टूर्नामेंट में उतरेगी और प्रतियोगिता में अपने शानदार रिकॉर्ड को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

स्टारडम की अब कोई तय परिभाषा नहीं, मेरी कहानियां जमीन से जुड़ीं

एक फिल्म की कहानी हमेशा एक्टर से बड़ी होती है। यह कहना है ऐक्टर आयुष्मान खुराना का। उन्होंने कहा, 'मेरा शुरू से ही विश्वास रहा है कि फिल्म की असली सुपरस्टार उसकी कहानी होती है। हालांकि, पिछले करीब 20 फिल्मों में मैंने हर तरह की फिल्में की हैं। कुछ बिल्कुल अलग तरह की, तो कुछ पारंपरिक बॉलिवुड टाइप की भी, लेकिन अब मैं फिर से अपनी जड़ों यानी ऑथेंटिसिटी की ओर लौट रहा हूं, क्योंकि मेरा मानना है कि अगर हम दर्शकों के सामने प्रामाणिक और सच्चा विषय लेकर आएं, तो वह खुद ब खुद लोगों को सिनेमाघरों तक खींच सकता है। मेरी अगली फिल्म 'उड़ता तीर' भी कुछ ऐसी ही है।

ऐसा अक्सर कहा जाता है कि आज के ऐक्टर्स की स्टारडम पहले के स्टार्स जैसी नहीं रही, जो दर्शकों को थिएटर में खींच सके। उस दौर में दर्शक उन्हें देखने के लिए तरसते थे। थिएटर बिजनेस के लिहाज से आज के समय में स्टारडम के मायने पूछने पर आयुष्मान ने कहा, 'मुझे लगता है कि आज हम कई अलग-अलग यूनिवर्स में रह रहे हैं। आज मनोरंजन की कई अलग-अलग दुनिया है और हर दुनिया के अपने स्टार हैं। इनमें इन्फ्लुएंसर और यूट्यूबर भी शामिल हैं। कुछ स्टार ऐसे हैं, जो बहुत बड़े हैं, लेकिन हो सकता है कि आप उनके बारे में जानते तक न हों।' उन्होंने आगे कहा, 'वहीं, कुछ लोगों की पूरी दुनिया उन्हें जानती है। इसलिए स्टारडम की आज कोई तय परिभाषा नहीं है। मसलन, कोई स्टार ऐसा हो सकता है, जो मीडिया से ज्यादा बात नहीं करता, लोगों से मिलना-जुलना पसंद नहीं करता या उस तक पहुंचना आसान न हो। वहीं कुछ लोग ऐसे हैं, जो लोगों ऑडियंस से बातचीत करना और उनसे जुड़ना पसंद करते हैं। मेरे लिए दूसरा तरीका ज्यादा मुफीद है, क्योंकि मैं रेडियो से आया हूं। टीवी प्रेजेंटर रहा हूं। इसलिए लोगों से बात करना मेरे लिए जरूरी है। मेरी कहानियां जमीन से जुड़ी होती हैं और उन्हें जीवंत बनाए रखने के लिए मुझे जमीनी स्तर के लोगों से बातचीत करते रहना जरूरी लगता है। इससे मेरे अंदर का कलाकार भी जिंदा रहता है। मेरे हिसाब से स्टारडम अब कोई एक्सक्लूसिव क्लब नहीं रह गया है। आज स्टारडम की कई परिभाषाएं हैं और यह हर इंसान के और हर दुनिया के लिए अलग हो सकता है।'

क्या बनेगी 'अंधाधुन 2'

यहां आयुष्मान ने श्रीराम राघवन से 'अंधाधुन 2' बनाने को लेकर भी सवाल किया, जिस पर उन्होंने कहा कि वो तब बनेगी जब सही स्क्रिप्ट मिलेगी, ताकि पिछली वाली को मिले प्यार का मजा किरकिरा न कर दे।

घिसी-पिटी कहानियों का दौर खत्म: श्रीराम राघवन

यहां दर्शकों की सिनेमा से दूरी और स्टारडम के मामले पर एक हसीना थी, बदलापुर, अंधाधुन जैसी शानदार फिल्में बना चुके फिल्मकार श्रीराम राघवन ने कहा, 'जैसे डेंजिल डियास ने कहा कि 'ओडिसी' और 'ऑब्सेशन', जो दोनों बिल्कुल अलग स्तर की फिल्में हैं, लेकिन दोनों को बड़े दर्शक मिले। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि फिल्म का चलना सिर्फ उसके स्केल से तय होता है, बल्कि यह दर्शकों के साथ उसके कनेक्शन से होता है। फिल्म देखते हुए जब पूरा हॉल एक साथ हंसता है, एक साथ प्रतिक्रिया देता है, तो वह अनुभव अलग होता है। हमने यह अनुभव पहले भी किया है। जब मैंने आयुष्मान के साथ 'अंधाधुन' बनाई थी। फिल्म रिलीज के करीब छह महीने बाद चीन में शानदार चली। जबकि, वह पहले ही रिलीज हो चुकी थी, लेकिन अचानक लोगों ने उसे पसंद करना शुरू कर दिया। कुछ फिल्मों में कुछ ऐसा अनोखा होता है, जो दर्शकों को अपनी ओर खींचता है और फिल्म बनाते समय हम भी वही अनोखी चीज देने की कोशिश करते हैं। मुझे लगता है कि अब घिसी-पिटी और रूटीन कहानियों का दौर खत्म हो रहा है। स्टार सिस्टम भी पहले जैसा नहीं रहा।'

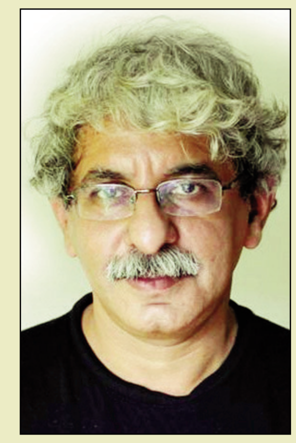

कीर्ति सुरेश की कोर्ट रूम ड्रामा फिल्म 'सत्यवान सावित्री' 20 नवंबर को होगी रिलीज

डायरेक्टर प्रवीण एस. विजय की कोर्टरूम ड्रामा फिल्म 'सत्यवान सावित्री' की नई रिलीज डेट सामने आ गई है। कीर्ति सुरेश और डायरेक्टर मिश्किन की लीड रोल वाली इस फिल्म को अब दुनियाभर के सिनेमाघरों में 20 नवंबर को रिलीज किया जाएगा। इसकी जानकारी फिल्म के मेकर्स ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के जरिए दी। फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे बैनर ड्रमस्टिक्स प्रोडक्शंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, ''अब और खामोशी नहीं। सावित्री की लड़ाई शुरू होती है।'' तमिल और तेलुगु में भी यही पोस्ट शेयर किया गया। मेकर्स ने बताया कि 'सत्यवान सावित्री' 20 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि फिल्म की रिलीज पहले 24 जुलाई को तय की गई थी, लेकिन बाद में मेकर्स ने रिलीज डेट टाल दी।

फिल्म के मेकर्स ने इसी साल मई में इसका फर्स्ट और सेकंड लुक भी जारी किया था। फर्स्ट लुक पोस्टर में कीर्ति सुरेश पीछे मुड़कर देखती नजर आती थीं, जबकि उनके आसपास कई वकील आगे की तरफ देख रहे हैं। इस पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा था, ''शांत चेहरा, लेकिन रुकने वाली ताकत नहीं। अब खेल उसी का है।''

फिल्म की कहानी को लेकर सामने आई जानकारी के मुताबिक, 'सत्यवान सावित्री' दो वकीलों की कहानी है, जिनके किरदार कीर्ति सुरेश और डायरेक्टर मिश्किन निभा रहे हैं। मिश्किन फिल्म में कीर्ति के सीनियर एडवोकेट के रोल में नजर आएंगे।

फिल्म की कहानी में एक केस के दौरान दोनों के बीच टकराव देखने को मिलेगा। बताया जा रहा है कि जब कीर्ति के बॉस एक मामले में गलत काम करने वालों का साथ देने का फैसला करते हैं, तो वह उन्हें समझाने की कोशिश करती हैं। लेकिन इसी दौरान उन्हें अपने बॉस का एक अलग ही चेहरा देखने को मिलता है। यह केस कीर्ति की जिंदगी को पूरी तरह बदल देता है।

सैयामी खेर ने खोले इंडस्ट्री के कड़वे राज

एक्ट्रेस सैयामी खेर ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने 10 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर उन्होंने अपने अब तक के सफर को याद किया और बताया कि फिल्मों में जगह बनाने की कोशिश के दौरान उन्हें किस तरह की चुनौतियों और बिना मांगी सलाह का सामना करना पड़ा। सैयामी ने बताया कि जब उन्होंने इंडस्ट्री में कदम रखा था, तब वह नासिक की एक शांत लड़की थीं, जिसे फिल्मों की दुनिया के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। खुद को साबित करने का मौका मिलने से पहले ही कई लोगों ने उन्हें जज कर लिया था।

सैयामी खेर ने अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा, ''जब मैं पहली बार फिल्म के सेट पर पहुंची थी, तब मेरी उम्र 20 साल के आसपास थी। बीते 10 साल मेरी जिंदगी के सबसे बड़े बदलाव लाने वाले अनुभवों से भरे रहे हैं। उस समय मैं नासिक से आई एक इंट्रोवर्ट लड़की थी, जो फिल्मों की दुनिया से अनजान थी। इसके बावजूद मुझे शुरुआत में ही यह मानकर रिजेक्ट कर दिया गया कि शायद मैं इस इंडस्ट्री के लिए बनी ही नहीं हूं।'' सैयामी ने कहा, ''मुझे यहां तक कहा गया कि मैं 'गांव की लड़की' जैसी लगती हूं और मुझमें एक्ट्रेस बनने की काबिलियत नहीं है। इतना ही नहीं, मुझे इंडस्ट्री में आगे बढ़ने के लिए ऐसी सलाह भी दी गई, जिसे सुनना मेरे लिए आसान नहीं था। कुछ लोगों ने सलाह दी कि किसी एक्टर या डायरेक्टर को डेट कर लो, क्योंकि इंडस्ट्री में एंट्री का यह आसान रास्ता है। इसके अलावा मुझे कॉस्मेटिक सर्जरी कराने और लिप जॉब करवाने की सलाह तक दी गई।'' सैयामी ने आगे कहा, ''मेरी परवरिश और माता-पिता से मिले आत्मविश्वास ने मुझे ऐसी बातों से टूटने नहीं दिया। कई बार मुझे इस तरह की बातें सुनकर गुस्सा आने के बजाय हंसी आ जाती थी। मेरे सामने ऐसे कई लोग आए, जिनके पास मुझे देने के लिए मुफ्त की सलाह थी, जबकि दूसरी तरफ मुझे लगभग हर दिन रिजेक्शन का सामना करना पड़ता था। मेरे करियर में बड़ा मोड़ तब आया, जब एक दिन मुझे अदूर मुखर्जी का फोन आया। उन्होंने कहा कि दिलीप शंकर मेरा टेस्ट लेंगे। मेरे लिए यह मौका बाकी मौकों से अलग था।'' सैयामी ने बताया, ''मैंने दिलीप शंकर और आदिल हुसैन के साथ करीब तीन महीने तक वर्कशॉप की। ये तीन महीने मेरी जिंदगी बदलने वाले साबित हुए। इस दौरान मुझे खुद बने रहने, अपने काम में सच्चाई और ईमानदारी रखने और खुद पर भरोसा करने की सीख मिली। इसके करीब छह महीने बाद मुझे राकेश ओमप्रकाश मेहरा की फिल्म 'मिर्ज़्या' के लिए फाइनल कर लिया गया।''

राधिका सरथकुमार की 'डिलीवरी बॉय' 23 अक्टूबर को होगी रिलीज

निर्देशक नानी की आगामी एक्शन-एंटरटेनर फिल्म 'डिलीवरी बॉय' के निर्माताओं ने घोषणा की कि अभिनेता लियो शिवकुमार, ब्रिगिडा और राधिका सरथकुमार अभिनीत यह फिल्म 23 अक्टूबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। लोकप्रिय म्यूजिक लेबल सारेगामा तमिल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फिल्म का रिलीज डेट पोस्टर साझा किया। पोस्ट में लिखा गया, 'प्यार, संगीत और भावनाओं से भरपूर बड़े पर्दे के अनुभव के लिए तैयार हो जाइए। 'डिलीवरी बॉय' 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।' गौरतलब है कि फिल्म की शूटिंग पिछले साल दिसंबर में पूरी हो गई थी। फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार, चेन्नई और कोयंबटूर में पूरी तरह फिल्माई गई इस फिल्म की शूटिंग केवल 42 दिनों में पूरी कर ली गई थी। निर्माण कंपनी असासी क्रिएशंस के प्रचारकों ने उस समय एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा था, ''डिलीवरी बॉय' की शूटिंग पूरी हो गई है। जल्द ही सिनेमाघरों में आ रही है।

मेरे अंदर का एक्टर बहुत आसानी से ऑन और ऑफ हो जाता है

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा इन दिनों वेब सीरीज 'शक: ट्रस्ट नो वन' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री का कहना है कि वह अपने द्वारा निभाए गए किरदारों के प्रभावों को निजी जिंदगी पर हावी नहीं होने देती हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया कि उनके अंदर का एक्टर बहुत आसानी से ऑन और ऑफ हो जाता है। अभिनेत्री ने बताया, ''कट' शब्द सुनते ही मैं बिल्कुल नॉर्मल हो जाती हूं। सच कहूं, तो मैं एक सेकंड के लिए भी किसी इमोशन को अपने साथ लेकर नहीं चलती हूं। हालांकि, इस पर लोग मेरा मजाक भी बनाते हैं कि अभी तक मैं रो रही थी, चीख रही थी और जैसे ही 'कट' बोला गया, मैं नॉर्मल हो गई, हंसने लगी। कई बार ऐसा हुआ है कि लोग मुझे मेरी ही नकल करके दिखाते और पूछते हैं कि 'तुम ये कैसे कर लेती हो?' मुझे नहीं पता, क्योंकि मैं जानबूझकर ऐसा नहीं करती।' अभिनेत्री का कहना है कि वे एक्टिंग करने के दौरान अपने किरदार में इतनी लीन हो जाती हैं कि वह उसी तरह एक्ट करती हैं और जैसे ही कट होता है, वह नॉर्मल हो जाती हैं। उन्होंने कहा, 'एक्टिंग के दौरान भले ही मैं कितना भी महसूस करूं, लेकिन मेरे आंसू असली होते हैं, इमोशन और फिजिकल मेहनत असली होती है और जैसे ही 'कट' बोला जाता है, मैं सोचती हूं 'ओह, कट हो गया। अब मेरा कोई काम नहीं है'। तो मैं सच में स्विच ऑफ हो जाती हूं। भगवान का शुक्र है कि ऐसा है, क्योंकि मैं बहुत थक जाती। आजकल मैं कई भारी-भरकम किरदार निभा रही हूं।

अगर उन किरदारों का हैंगओवर मुझ पर रहता, तो मैं एक कलाकार के तौर पर और एक इंसान के तौर पर भी थक जाती और मैं यह एक काम सिर्फ इसलिए नहीं कर सकती क्योंकि मैं किसी फिल्म या शो में कोई रोल कर रही हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं उस इमोशन को अपने पूरे दिन नहीं रख सकती और सारा समय बर्बाद नहीं कर सकती। उस सेट के बाहर भी मेरी एक जिंदगी है और मुझे उसे भी जीना है।

साइको-हॉरर में जैकी श्रॉफ को मिलेगा शरद केलकर का साथ

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता जैकी श्रॉफ और शरद केलकर जल्द ही रूरल हॉरर फिल्म 'काली खेती' में नजर आने वाले हैं। मेकर्स ने इस फिल्म की रिलीज डेट का एलान कर दिया है। मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर भी जारी किया है। इस प्रोजेक्ट में अभिनेत्री नेहा सरगम अहम भूमिका में होंगी।

मेकर्स ने अपकमिंग फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है। इसमें एक राक्षस ने अपने हाथ में लालटेन पकड़ी है। पोस्टर काफी डार्क और डरावना लग रहा है। पोस्ट के बैकग्राउंड में जो म्यूजिक है वह भी काफी रोमांचक लग रहा है। पोस्टर के ऊपर लिखा है 'सिनेमाघरों में 23 अक्तूबर को रिलीज होगी।' पोस्टर को शेयर करते हुए जैकी श्रॉफ ने कैप्शन में लिखा, 'रोशनी बुझने न देना, खेती जागने वाली है।'

फिल्म के निर्देशक और लेखक हारिस इम्तियाज खान हैं। इसे ब्लैक कैनवस स्टूडियो के बैनर तले बनाया जा रहा है। सना खान इसकी निर्माता हैं। इसमें वीरेंद्र सक्सेना और शाजी चौधरी भी अहम भूमिकाओं में होंगे। अक्तूबर में कई बड़ी फिल्में रिलीज हो रही हैं। इनमें 'दृश्यम 3', आयुष्मान की 'उड़ता तीर', रश्मिका-विजय की 'रणबाली', यामी की 'नई नवेली' और 'पहला प्यार दूसरी बार' शामिल हैं। 'काली खेती' का टकराव 'पहला प्यार दूसरी बार' से होने वाला है। यह फिल्म भी 23 अक्तूबर को रिलीज हो रही है।

जब घर में बनाएं ऑफिस

ज्यादातर लोग घरेलू और कामकाजी जीवन को अलग-अलग रखना पसंद करते हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से घर से ऑफिस चलाने की अवधारणा बहुत लोकप्रिय हुई है। पहलेपहल यह कंसेप्ट 1990 में चलन में आया। इसे नाम दिया गया- सोहो । आज के दौर में हर शिक्षित स्त्री काम करना चाहती है, लिहाजा घर में ऑफिस का विचार और फलने-फूलने लगा है। लेकिन कम लोगों के पास ही घर में इतनी जगह होती है कि वे सुचारु ढंग से ऑफिस चला सकें। कुछ लोग अपने घर के लिविंग स्पेस में ही ऑफिस निकाल लेते है। लेकिन यदि प्रोफेशनल ढंग से न काम किया जाए और व्यवस्थित ऑफिस न बनाया जाए तो उससे फायदा कम ही मिल पाता है। घर में ही सुविधाजनक और शांत कार्यस्थल बनाने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए।

खाली जगह का सदुपयोग करे

कई बार घर के खाली स्थानों पर नजर जाती ही नहीं, जबकि इनका उपयोग ऑफिस के लिए किया जा सकता है। यदि आपका काम ज्यादा घंटे का नहीं है तो आप अपने स्टडी या लिविंग स्पेस का ही पार्टिशन करके अपने लिए छोटा ऑफिस बना सकती हैं। लेकिन यदि काम ज्यादा गंभीरता और समय की मांग करता है तो इसे अलग स्थान की जरूरत है। यदि आपके घर में तीन-चार बैलकनी है तो एक को कवर करके आप इसका उपयोग ऑफिस के लिए कर सकती है। घर में जगह कम हो तो स्टोर रूम या ड्रेसिंग रूम को भी ऑफिस की शक्ल दी जा सकती है। अपने बेसमेंट, गैरेज में भी रेनोवेशन करके आप इसे ऑफिस का रूप दे सकती है। लेकिन इन स्थानों का चुनाव तभी करे, जबकि भविष्य में भी आपको इनकी जरूरत न हो, क्योंकि बार-बार ऑफिस शिफ्ट करना मुश्किल होता है। महत्वपूर्ण यह है कि होम ऑफिस में समर्पित भाव से कार्य कर सकें, इसलिए जगह के चुनाव में सावधानियां बरतें।

हवादार हो कमरा

एक हवादार कमरा कार्यक्षमता को बढ़ा देता है। ए.सी. और पंखे होने के बावजूद यदि ऑफिस में प्राकृतिक तौर पर हवा की आवाजाही की व्यवस्था हो तो यह बेहतर होगा। यदि आप रचनात्मक कार्यो से जुड़ी है तो खिड़की के बाहर हरियाली को निहारना, मौसम के बदलते रूपों को देखना भी आपको प्रेरणा प्रदान करता है। इसलिए एक बड़ी विंडो, जिससे बाहर कुछ अच्छे दृश्य नजर आएं, ऑफिस में जरूर हो।

प्रकाश व्यवस्था

अपने घर के जिस भी कोने में ऑफिस बनाएं, यह ध्यान रखें कि वहां प्रकाश की समुचि त आवाजाही हो, क्योंकि कम या अंधेरी सी रोशनी में काम करना हानिकारक होता है। ऑफिस के इस कमरे को पूरे वर्ष के मौसम के अनुसार व्यवस्थित करे। उदाहरण के लिए यदि गर्मी में ऑफिस बना रही हैं तो आगामी बरसात और सर्दियों के मौसम का भी ध्यान जरूर रखें और उसी के अनुरूप ऑफिस को व्यवस्थित करे। लाइट्स ऐसी लगाएं जो आपकी कार्य प्रकृति के अनुरूप हो।

शांत माहौल जरूरी

घर में ऑफिस बनाने का नुकसान यह होता है कि घरेलू कार्यो से आप खुद को अलग नहीं कर सकतीं। ऑफिस के साथ यदि मुख्य प्रवेश द्वार, किचन या बच्चों का कमरा है तो शांत भाव से आप काम नहीं कर सकतीं। किचन से बीच-बीच में चाय-कॉफी का स्वाद तो ले सकती है, लेकिन यदि यहां पूरे घर का भोजन बनता है तो आपको परेशानी हो सकती है। छह-सात घंटे काम करने के लिए जिस शांत माहौल की जरूरत होती है, वह आपको नहीं मिल सकता। शोरगुल वाले या व्यस्त कमरों से थोड़ी दूरी पर स्थित होना चाहिए ऑफिस। यदि आप फ्लैट सिस्टम में रहती हैं और आप आपके पास अतिरिक्त कमरे नहीं है तो फिर अपने कमरे में साउंड प्रूफ सिस्टम का प्रयोग कर सकती है। इसके अलावा मजबूत वूडेन पैनल्स भी इस शोरगुल से आपको बचा सकते है। यदि घर दोमंजिला है तो आप एक मंजिल को अपने ऑफिस के लिए प्रयोग कर सकती है।

सुविधाजनक हो फर्नीचर

व्यवस्थित और छोटी जगह में ज्यादा सामान खपाने वाला फर्नीचर आपके होम ऑफिस में होना चाहिए। यदि आपको कंप्यूटर पर कार्य करना है तो डेस्कटॉप, की-बोर्ड और चेयर का चुनाव सावधानी से करे। अलमारियां, कैबिनेट्स इस तरह से डिजाइन करे कि सारा सामान आपकी पहुंच में रहे, साथ ही व्यवस्थित भी दिखे। बहुत भारी-भरकम फर्नीचर से ऑफिस बहुत भरा-भरा दिखता है। थोड़ी जगह खाली रहे, यह जरूरी है।

अनावश्यक चीजें न रखें

अपने इस कार्यस्थल को ऐसे डिजाइन करे कि सारा कार्य शांति से हो सके। अनावश्यक चीजों के संग्रह से बचें। रोजमर्रा के व्यर्थ कागजों को डस्टबिन में डालती रहे। इस कमरे में मौजूद पहले के सामानों को दूसरे कमरे या स्टोर रूम में एडजस्ट करे, ताकि अपनी सुविधानुसार ऑफिस को व्यवस्थित कर सकें। फैक्स मशीन या प्रिंटर के आसपास फालतू पेपर्स का जमघट न लगाएं और न ही अपनी मेज की दराज और कैबिनेट्स में अनावश्यक रद्दी एकत्र करे। छोटे से इस ऑफिस को जितना क्लटर फ्री यानी साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखेंगी, उतना ही काम में ध्यान केंद्रित कर सकेंगी।

मूड फ्रेश रखने के लिए

शांत और एकाग्रचित्त होकर कार्य करने के लिए कुछ ऐसे सामान ऑफिस में जरूर रखें, जो आपके मूड को अच्छा रखें। अपनी वॉल्स को पसंदीदा रंगों से सजाएं, कुछ इंडोर प्लांट्स के पॉट्स रखें। फैमिली फोटो के साथ कुछ अच्छे लैंडस्केप्स भी लगाएं। म्यूजिक का शौक है तो अपनी पसंदीदा सीडीज इस रूम में रख सकती है, लेकिन ध्यान रखें कि यह काम करने की जगह है, इसलिए इसे बहुत ज्यादा न भरें।

प्यार में तकरार भी जरूरी

मुकूल और चेतना की शादी के दस साल हो गए लेकिन उनके रिश्ते में वही प्यार और नयापन देखने को मिलता है जो शादी के शुरुआती दिनों में था। एक दिन जब उनके फ्रेंड्स ने इसका राज पूछा तो जवाब आया 'लड़ाई'। जी हां, लड़ाई, सुनने में तो यह बड़ा ही अटपटा लगता है पर यह एक ऐसा कैटेलिस्ट है जो रिश्तों में रिफ्रेशमेंट लाता है। पति-पत्नी का नाजुक और पवित्र रिश्ता पूरी तरह प्यार पर ही निर्भर करता है। लेकिन दाम्पत्य जीवन में एक-दूसरे के अन्य पहलुओं को जानने के लिए कभी-कभी तकरार की भी जरूरत पड़ती है। क्योंकि तकरार के बिना संबंधों में नयापन नहीं आ सकता। दाम्पत्य जीवन में नोक-झोंक और रुठने-मनाने का सिलसिला मैरिड लाइफ को रिफ्रेश कर देता है।

अधिकतर लोगों का यह मानना है कि जो कपल झगड़ते हैं वहां आपसी सामंजस्य की कमी होती है, पर सच्चाई तो यह है कि झगड़े में कहीं न कहीं अच्छे मैरिड लाइफ का एहसास भी छिपा होता है।

परफेक्शन का दायरा बढ़ाता है

परफेक्शन के इस दौर में हर कोई खुद को परफेक्ट की श्रेणी में रखता है और हर कपल खुद को मेड फॉर इच अदर वाला परफेक्शन देना चाहता है। इसलिए शादी के कुछ महीनों तक वे दोनों एक-दूसरे की इच्छाओं का खूब ध्यान रखते हैं और इसी चक्कर में उनकी लाइफ रुल्स और परफेक्शन में बंधकर रह जाती है। नतीजा होता है नीरस और ऊबाऊ जीवन। पति-पत्नी के बीच होती छोटी-मोटी छेड़छाड़ एक रिफ्रेशर का काम करती है जो न केवल उनके संबंधों में ताजगी बनाए रखती है बल्कि परफेक्शन के दायरे को और भी अधिक बढ़ाती है। इस बावत 45 वर्षीय सीमा जो एक गृहिणी हैं कहती हैं- परफेक्शन की सीमा हर किसी के लिए अलग-अलग होती है। इसलिए मैं अपने पार्टनर को परफेक्शन के फ्रेम में नहीं जकड़ती। हर किसी के लिए परफेक्शन की परिभाषा अलग होती है और जो इसमें बंधकर रहते हैं वे हमकदम नहीं बल्कि परेशानी का सबब बनकर रह जाते हैं। वहीं दूसरी ओर 35 वर्षीय रविशंकर जो एक बिजनेस मैने हैं कहते हैं कि परफेक्शन के चक्कर में कई बार लोगों की गृहस्थी बिखर जाती है। क्योंकि परफेक्शनिस्ट होने का जुनून उनके नोक-झोंक को गंभीर विवाद में तब्दील कर रख देता है।

झगड़ा यानी प्रेम परीक्षा

हर व्यक्ति के अंदर ईर्ष्या, क्रोध, नफरत आदि भावनाएं पनपती हैं। दो अलग-अलग व्यक्ति की भावनाएं और मन:स्थिति एक जैसी नहीं होती इसलिए पति-पत्नी के बीच तकरार न हो ऐसा नहीं हो सकता। हर बात पर प्यार और सहमति बनावटीपन को बढ़ावा देता है।

पति-पत्नी में विश्वास तभी पनपता है जब वे एक-दूसरे को कहने का मौका देते हैं। लेकिन बातें अगर छुपाई जाए तो भरोसा उठने लगता है। उसी तरह कई बातें दिलोदिमाग पर भी असर डालती हैं। ऐसे में दोनों के बीच प्रेम नहीं बल्कि प्रेम का अभिनय मात्र ही रह जाता है।

प्रेम और कलह एक ही सिक्के के दो पहलू हैं इसलिए झगड़ने से मन का गुब्बार निकल जाता है और मन शांत होकर पुन: प्रेम से भर जाता है। पति-पत्नी का साथ जीवनभर का होता है इसलिए लड़ाई भी करनी हो तो 'रात गई बात गई' वाले अंदाज में झगड़ें। इससे रिश्तों में दरार नहीं आएगी।

दो भिन्न-भिन्न लोगों के विचार एक से नहीं होते, इसलिए विचारों की टकराहट ही प्रेम परीक्षा है जिससे उनके वैवाहिक जीवन की डोर मजबूत होती है। जहां प्यार है वहां झगड़ा होगा ही। दो लोग आपस में तभी झगड़ते हैं जब वे एक-दूसरे से प्यार करते हैं। इसलिए एक मीठी झड़प के बाद पति-पत्नी दोनों में फिर से प्यार का अहसास जाग जाता है।

रुठना-मनाना यानी दिल के करीब आना

रुठना-मनाना भी एक कला है। दांपत्य जीवन में छोटी-मोटी टकराहट हमेशा होती रहती है। इसलिए जरूरी नहीं कि हर बात जोर जबर्दस्ती या चिल्लाकर कही जाए। यूं देखा जाए तो शब्दों में बड़ी ताकत होती है। थोड़े से कटु वचन कई महाभारत रच डालते हैं। इसलिए कटु वचन से बचना चाहिए। बहस सिर्फ अहंकार को जन्म देती है।

164066622

घर को बनाएं खूबसूरत

घर का चाहे कोई भी कमरा क्यों न हो, उसके कॉर्नर को सजाने के लिए अक्सर विकल्प की कमी महसूस की जाती है। आप अपने घर के कॉर्नर को सजाने के लिए प्लांट्स के अलावा फूलदान व टेलीफोन रख सकते है। इससे जगह का तो इस्तेमाल होगा ही साथ ही घर भी निखरा दिखेगा..

अक्सर घर की साज-सज्जा में हम घर के कमरों के कॉर्नर की अहमियत और उसके उपयोग पर ध्यान नहीं देते, लेकिन इन कोनों पर ध्यान देते हुए इसका सही उपयोग किया जो घर की सजा-सज्जा और खूबसूरती में निखार आएगा, साथ ही आपको घर में मिलेगी अतिरिक्त जगह। यही नहीं जगह को आप अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इंटीरियर डिजाइनर्स की मानें तो उनका कहना है कि घर का कोई भी हिस्सा चाहे वह ड्राइंग रूम हो, किचन, बालकनी या फिर बेडरूम ही क्यों न हो, कमरों में स्पेस मैनेजमेंट के जरिये ही उसका उचित इस्तेमाल किया जा सकेगा। हालांकि इसका एक पहलू यह भी है कि जगह की कमी और बढ़ती आवश्यकताओं ने लोगों के सामने ज्यादा विकल्प उपलब्ध नहीं हैं। इसी विकल्प को ध्यान में रखते हुए आजकल इंटीरियर डिजाइनर भी सलाह देते हैं कि घर के कमरे के कोने का उचित इस्तेमाल करें और यहां पर उन्हीं चीजों को स्थान दें जिनका इस्तेमाल रोजाना करना हो।

वैसे यह शत-प्रतिशत सही भी नहीं है इसलिए कई डिजाइनर्स का यह भी कहना है कि कमरों के कोनों में उन चीजों का रखा जाए जहां कम से कम आवाजाही हो। यह कहना किसी हद तक सही भी है क्योंकि ऐसी स्थिति में चीजों के अस्त-व्यस्त रहने की गुंजाइश बनी रहती है। घर में बेडरूम, ड्राइंग रूम, बालकनी और किचन में बहुत सा स्पेस बचा रहता है, जिसका इस्तेमाल हम जाने-अनजाने नहीं करते। ऐसा बेहतर प्लानिंग न होने की वजह से होता है। ऐसे में जरूरत है तो स्पेस को पहचानने और उसके सही इस्तेमाल की और यह काम बहुत मुश्किल नहीं है। तो क्यों न आप भी कुछ खास बातों को ध्यान में रखते हुए अपने घर के कोनों का इस्तेमाल करें। यह बात बेडरूम ड्राइंग रूम किचन या फिर बालकनी पर भी लागू होती है।

मसलन टेलीविजन रखने से लेकर सिंगल या डबल बेड शोपीस, बच्चों के खिलौनों और गमलों आदि पर भी लागू होती है। जहां तक टेलीविजन की बात है, उसे कोने में रखना बेहतर हो सकता है। घर के कोने रखा टीवी घर के सभी सदस्यों को दिखेगा और यही आपको मकसद भी होना चाहिए। टीवी के दोनों कोनों के नजदीक ही गमले रखने से लिविंग रूम की खूबसूरती बढ़ जाएगी। गमले दरवाजे के दोनों तरफ भी रखे जा सकते हैं। लेकिन इसकी पहली शर्त यह है कि दरवाजे पर खूबसूरत और रंगीन पर्दा जरूर लगा हो। पर्दा लगा होने की स्थिति में कोने की खूबसूरती बढ़ जाएगी।

यही स्थिति डाइनिंग टेबल की है। इसके किचन के नजदीक रखा जाना चाहिए। अमूमन ड्राइंग रूम और बेडरूम व किचन के बीच स्पेस होता है, इसका इस्तेमाल डाइनिंग टेबल रखने के लिए कर सकते हैं। आधुनिक घरों को डिजाइन करते वक्त डाइनिंग के लिए विशेष तौर पर जगह निकाली जाती है। किताबें रखने के लिए ड्राइंग रूम के दरवाजे के पीछे रैक रखी जा सकती है। या फिर आप चाहें तो इसके लिए रैक भी बनवा सकते हैं। घर के लिविंग रूम के कोने में टेलीफोन या फिर कम्प्यूटर भी रखे जा सकते हैं। कम्प्यूटर को वैसे भी ऐसी जगह रखना चाहिए, जहां आवाजाही कम से कम हो।

कॉर्नर चाहे बड़ों के कमरों के हों या फिर बच्चों के, कमरे के कोने में रखा सामान उसके व्यक्तित्व को भी एक पहचान देता है। वैसे बच्चे कोने की अहमियत शायद न समझें, इसीलिए जूते या स्कूल बैग और रद्दी कागज बिखेरने के लिए इनका इस्तेमाल करें। बच्चों के कमरों में कॉनर्स पर टेबल लगाई जा सकती है, जिसमें उनके खिलौने और टेक्स्ट बुक्स के अलावा मैगजीन आदि रखी जा सकती हैं। इस हिस्से को निखार देने के लिए उन्हीं के द्वारा बनाई पेंटिंग्स के जरिये भी इस हिस्से की खूबसूरती और बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा उनकी स्पो?र्ट्स किट या फिर फ्रेम कराई गई फोटो भी लगा सकते हैं। इससे यह स्पेस जीवंत और सकारात्मक भी लगेगा।

बात बेडरूम की करें तो कोनों में ग्लास या फिर वुडन स्टैंड लगवाकर उस पर गुलदस्ता, लैंपशेड, कोई एंटीक पीस सजाया जा सकता है। आप चाहें तो छोटा सा मंदिर बनवाकर उसमें मूर्तियां भी रख सकते हैं। हां यह जरूर ध्यान रखें कि कॉर्नर में बनाए जाने वाले इन स्टैंड्स की हाइट कम से कम पांच फीट की जरूर

हो, जिससे कि छोटे बच्चे इन्हें किसी तरह का नुकसान न पहुंचा सकें। इसमें कोई दो राय नहीं कि मौजूदा समय में घरों के आकार छोटे हो रहे हैं, जिससे इनमें रहने वालों को अक्सर स्पेस की कमी महसूस होती है। फिर भी घर में जितना भी स्पेस हो, अगर उसका सही इस्तेमाल किया जाए तो इस समस्या से काफी हद तक राहत जरूर मिल सकती है।